सूर्योदय 5:42 सूर्यास्त 7:12

आज का तापमान

शिमला	17.0 न्यू	22.4 अधि
धर्मशाला	21.2 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,954
निफ्टी	24,636

सोना 1,48,000 चांदी 2,26,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शुक्रवार, 7 अगस्त 2026 | 23 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 104, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

सरकार बोली- हवाई ईंधन में इथेनॉल मिलाने का प्लान नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार का हवाई जहाज के ईंधन में इथेनॉल मिलाने का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने कहा कि विमान सुरक्षा को लेकर इस तरह की गलत जानकारी या अफवाहें फैलाने से हवाई यात्रियों में बेवजह डर और चिंता पैदा होती है। नायडू का यह बयान दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर विमान के ईंधन में इथेनॉल मिलाने की योजना का आरोप लगाया था। उड्डयन मंत्री ने साफ किया कि हवाई यात्रियों की सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता है और सुरक्षा मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

मेरा इंस्टाग्राम अकाउंट बैन किया: केजरीवाल

एजेंसी, नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने वीरवार को कहा कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट देश में बैन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस बारे में मेटा से कई बार पूछने पर भी कोई जवाब नहीं आया। केजरीवाल ने अपने अकाउंट स्टेटस पेज का एक स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। इसमें 'अनअवेलेबल इन सम लोकेशन्स' (कुछ स्थानों पर उपलब्ध नहीं) का मैसेज दिखाई दे रहा है। केजरीवाल ने आरोप लगाया- सरकार मेटा पर दबाव डाल रही है कि जो भी व्यक्ति एथेनॉल या पेपर लीक के खिलाफ बोल रहा है, उसके अकाउंट को प्रतिबंधित किया जाए। मेटा इस तरह की बदमाशी न करे और मोदी जी के सामने घुटने न टेके।

सुप्रीम कोर्ट का आसाराम को अंतरिम जमानत देने से इनकार

एजेंसी, नई दिल्ली। जोधपुर में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। खराब सेहत की दलील के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत का आदेश देने से फिलहाल इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्न वी. वराले की पीठ ने आसाराम की याचिका पेंडिंग रखते हुए कहा कि अगर उनकी सेहत बिगड़ती है, तो वे दोबारा अंतरिम जमानत की मांग कर सकते हैं, फिलहाल विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने स्वास्थ्य स्थिति पर संतोष जताया।

अरुणाचल में चार घंटों में भूकंप से 5 बार हिली धरती

एजेंसी, ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में वीरवार सुबह लगभग 3.40 बजे से 7.17 के बीच भूकंप से पांच बार धरती हिली। सबसे अधिक तीव्रता का भूकंप 5.1 तीव्रता का भूकंप उपर सियांग जिले में सुबह 5.45 बजे महसूस किया गया। फिलहाल, कहीं से किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। भारतीय भूकंप विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार पहला भूकंप सुबह 03.40 बजे उपर सियांग में 2.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन में 5 मीटर नीचे था। भूकंप का एपीक सेंटर 28.940 उत्तरी अक्षांश तथा 94.743 पूर्वी देशांतर पर स्थित था। दूसरा भूकंप सुबह 03.55 बजे उपर सियांग में 3.2 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन में 7 मीटर नीचे था। भूकंप का एपीक सेंटर 28.926 उत्तरी अक्षांश तथा 94.806 पूर्वी देशांतर पर स्थित था।

गोबर-जैविक कचरे से बनेगा स्वच्छ ईंधन

23,731 करोड़ रुपए की 'गोबरधन' योजना को मिली कैबिनेट की मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 23,731 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ राष्ट्रीय चक्रीय जैव ऊर्जा योजना 'गोबरधन' को मंजूरी दी है। योजना घरेलू संपीड़ित बायोगैस उत्पादन में लगभग दस गुना वृद्धि लाने और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सहायक होगी। इसका उद्देश्य देश में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध कृषि अवशेषों, गोबर, प्रेस मड, नगरपालिका के जैविक कचरे और अन्य जैव-द्रव्यमान संसाधनों को स्वच्छ ईंधन, जैविक खाद, ग्रामीण आय और राष्ट्रीय आर्थिक मूल्य में परिवर्तित करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गोवर्धन योजना को मंजूरी दी। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक लागू की जाएगी और संपीड़ित बायोगैस को भारत के भविष्य के ऊर्जा मिश्रण का एक

◆एमएसएमई और ग्रामीण उद्यमियों की भागीदारी बढ़ेगी

प्रमुख स्तंभ स्थापित करेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीरवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 'गोबरधन' योजना के प्रभाव से भारत की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। योजना से घरेलू सीबीजी उत्पादन में लगभग दस गुना वृद्धि का लक्ष्य है, जिससे आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और ऊर्जा आत्मनिर्भरता मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि स्थिर मूल्य निर्धारण, पूंजी सहायता और ऋण गारंटी जैसे प्रावधान निजी निवेशकों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, सहकारी समितियों तथा ग्रामीण उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाएंगे। कृषि अवशेष, गोबर और जैविक कचरे के वैज्ञानिक उपयोग से अपशिष्ट प्रबंधन बेहतर होगा, किसानों की आय के नए स्रोत विकसित होंगे, जैविक खाद का उत्पादन बढ़ेगा तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी। साथ ही एकीकृत राष्ट्रीय ढांचे से परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

असम में 8970 करोड़ से बनेगा गुवाहाटी-तेजपुर चार लेन कॉरिडोर

केंद्र सरकार ने असम में एनएच-15 के 135.871 किलोमीटर लंबे गुवाहाटी-तेजपुर चार लेन कॉरिडोर के विकास को मंजूरी दे दी है। इसे बीओटी टोल मॉडल के तहत 8970.20 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि परियोजना में तेजपुर बाईपास पर 4.9 किलोमीटर लंबी आपातकालीन लैंडिंग सुविधा का निर्माण भी शामिल है। इसके अलावा 58.7 किलोमीटर लंबाई के पांच प्रमुख बाईपास बनाए जाएंगे, जिससे कई आबादी वाले क्षेत्रों में यातायात जाम कम होगा। परियोजना में 15 प्रमुख पुल, 30 छोटे पुल, 19 फ्लाईओवर, एक हाथी अंडरपास और 210 किलोमीटर सर्विस रोड का निर्माण प्रस्तावित है।

लोकसभा में कराधान व अन्य कानून (संशोधन) विधेयक-2026 को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली। लोकसभा ने वीरवार को विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के बीच कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक-2026 को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी। सदन ने इस विधेयक में कुछ संशोधन के प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

लोकसभा ने बिना किसी चर्चा के पारित इस विधेयक का मकसद पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007' में बदलाव करना है, जिससे 'यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस' (यूपीआई) पर 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) लागू हो सकता है। इस अधिनियम में बदलाव के अलावा विधेयक में 'फाइनेंस एक्ट 2026' और 'इनकम टैक्स एक्ट 2025' में संशोधन करने और विदेशी निवेशकों को टैक्स में छूट देने के लिए जून में जारी अध्यादेश को रद्द करने का भी प्रस्ताव है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने मंगलवार को लोकसभा में 'कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026' को पेश किया था। सीतारमण ने इस विधेयक को सदन में पेश करते हुए बताया था कि सरकार का 'कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक-2026' लाने का मकसद देश के कर प्रणाली में सुधार के लिए कदम बदलाव का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को लाने का मकसद विनिर्माण को बढ़ावा देना, विदेशी निवेश आकर्षित करना एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे उभरते सेक्टर को सपोर्ट करना है।

राज्यसभा में नीरज बने कांग्रेस के सचेतक

कांग्रेस ने राज्यसभा में नीरज डांगी को पार्टी का सचेतक नियुक्त किया है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने यह नियुक्ति राज्यसभा सांसद रजनी अशोकराव पाटिल की सेवानिवृत्ति के बाद रिक्त हुए पद पर की है। कांग्रेस संसदीय दल के वीरवार को जारी बयान के अनुसार, नीरज डांगी राज्यसभा में पार्टी के सचेतक के रूप में कार्य करेंगे। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

राहुल ने इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन शुरू किया

एजेंसी, नई दिल्ली। पीएम मोदी के जेन-जी से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम पर लेट-नाइट रील्स पोस्ट करने के बाद अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर युवाओं से सीधे संवाद की पहल की है। राहुल ने इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन शुरू किया है, जिसमें छात्रों और जेन-जी यूजर्स को उनसे सवाल पूछने का न्योता दिया गया है। राहुल ने लिखा, 'छात्रों और जेन-जी, मैं आपकी बात सुनने के लिए यहां हूं। इंस्टाग्राम पर मुझसे कोई भी सवाल पूछिए। मैं ज्यादा से ज्यादा सवालों के जवाब देने की कोशिश करूंगा।' इसके साथ उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी का लिंक भी शेयर किया, जहां यूजर्स अपने सवाल भेज सकते हैं।'

पत्रकार तेजपाल को दुष्कर्म केस में दस साल की सजा

एजेंसी, पणजी। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने वीरवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें। इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामला नवंबर 2013 का है।

तहलका की महिला पत्रकार ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीड़न किया। ट्रायल कोर्ट ने 21 मई 2021 को तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया था।

कोर्ट ने कहा था, 'अपराध साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं।' इस फैसले को गोवा सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

तेजपाल ने कहा- सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

हाईकोर्ट के फैसले पर तेजपाल ने कहा, 'हम फैसले से बहुत निराश हैं। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। कुछ लोग तहलका और राजनीतिक बदले की भावना से 13 सालों से मेरे पीछे पड़े हैं। हमने 7.5 साल ट्रायल कोर्ट में केस लड़ा और बरी हुए थे।'

◆ बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- 2 हफ्ते में सरेंडर करें

जेन-जी हमारी पीढ़ी से ज्यादा ईमानदार : भागवत

कहा- हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई, तभी आंदोलन हुआ

एजेंसी, मुंबई। संघ प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि जेन-जी व जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त व ईमानदार है।

उन्होंने कहा- हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। भागवत ने यह मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में किए जा रहे एक कार्यक्रम में बोला। इसका आयोजन इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस यानी आईआईएमयूएन अपनी 15वीं वर्षगांठ पर किया है। नीट पेपर लीक के खिलाफ देशभर में प्रदर्शनों के बाद इसे आरएसएस का युवाओं के साथ सबसे अहम संवाद माना जा रहा है। जंतर-मंतर पर 36 दिन चले आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। भागवत से सवाल- पैलेट गन का इस्तेमाल क्यों हुआ? भागवत ने कहा यह क्यों हुआ और किन परिस्थितियों में हुआ, पहले उसका कारण जानना होगा। तभी तय किया जा सकता है कि गड़बड़ी कहां हुई। मैं भी इस बारे में अखबारों में पढ़ी जानकारी के आधार पर ही बात कर रहा हूं।

भागवत ने कहा कि हम यह नहीं कहेंगे कि जेन- जी को आंदोलन नहीं करना चाहिए। संविधान लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने और प्रदर्शन करने का अधिकार देता है। लेकिन यह भी देखना चाहिए कि आंदोलन कैसे किया जा रहा है। हमें यह भी समझना होगा कि अगर जेन-जी आवाज उठा रही है, तो उसके पीछे कोई न कोई वास्तविक समस्या जरूर होगी। आंदोलन किसी व्यक्ति या समूह के खिलाफ नहीं, बल्कि सिस्टम में सुधार के लिए होना चाहिए। अगर संवाद में कमी न होती, तो आंदोलन की नौबत ही नहीं आती।

युवाओं को रोजगार देने के लिए रिक्त पदों को अभियान चलाकर भरा जा रहा : सीएम धामी

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड सरकार सरकारी भर्तियों की रफ्तार तेज करने जा रही है। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) दिसंबर से पहले विभिन्न विभागों के 2,477 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करेगा। साथ ही पहले से विज्ञापित 1,470 पदों की लिखित परीक्षाएं भी दिसंबर तक कराने की तैयारी है।

आयोग के अध्यक्ष जीएस मर्तोलिया ने बताया कि नई भर्ती प्रक्रिया में स्केलर, कनिष्ठ सहायक, वैयक्तिक सहायक, स्नातक स्तरीय विज्ञान वर्ग, पुलिस, आबकारी एवं परिवहन विभाग के वर्दीधारी पद, संस्कृत विभाग में सहायक अध्यापक तथा सहायक विकास अधिकारी सहित विभिन्न पद शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जिन 1,470 पदों की आवेदन प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है, उनकी परीक्षाएं भी दिसंबर तक आयोजित कराने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें वैयक्तिक सहायक, पशुधन प्रसार अधिकारी, विभिन्न सेवाओं के तकनीकी पद, सहायक लेखाकार, कृषि विभाग के इंटरमीडिएट स्तर के पद तथा विभिन्न विभागों के स्नातक स्तरीय पद शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार शुरुआत से ही बेरोजगारी कम करने के लिए रिक्त पदों को अभियान चलाकर भर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में भी विभिन्न विभागों में हजारों पदों पर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से किया संवाद, बोले-

विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं युवा

एजेंसी, सोनीपत। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने वीरवार को सोनीपत में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में प्रदेशभर के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया।

सीएम ने युवाओं की मेहनत, संघर्ष और सपनों की सराहना करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी युवा शक्ति और संभावनाओं का केंद्र बन चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवा सबसे बड़ी ताकत हैं। सीएम ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, पेपर लीक पर सख्त कानून, मिशन बुनियाद और सुपर-100 जैसी योजनाओं की उपलब्धियां गिनाईं। साथ ही कोचिंग सेंटरों की फीस, जीएसटी, छात्र परिवहन, बेटियों की शिक्षा और लाइब्रेरी जैसी सुविधाओं को लेकर भी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं और आश्वासन दिए। सीएम ने कहा कि हरियाणा सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया है। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी गड़बड़ी में शामिल पाया जाता है तो उसे नौकरी से हटाने के साथ जेल भेजने तक की कार्रवाई की जाती है।

प्रतियोगी छात्रों की तपस्या को बताया सबसे बड़ी पूंजी

सीएम ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आसान नहीं होती। युवा दिन-रात मेहनत करते हैं, सामाजिक और पारिवारिक दबाव झेलते हैं तथा कई बार असफलता का डर भी उनके सामने होता है। उन्होंने कहा कि युवाओं के पैरों के छाले, जागकर बिताई गई रातें और संघर्ष किसी को दिखाई नहीं देते। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे जागते हुए सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते रहें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार उनके सपनों को साकार करने के लिए पूरी मजबूती से साथ खड़ी है।

सीजेपी शुरू करेगी 'क्या बोलती पब्लिक' कैंपेन

एजेंसी, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दीपके सितंबर से देशभर में 'क्या बोलती पब्लिक' अभियान शुरू करेंगे। दीपके ने वीरवार को महाराष्ट्र के संभाजीनगर में यह घोषणा की।

उन्होंने कहा कि हम गांव-शहर जाकर युवाओं से बात करेंगे। साथ ही, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा को मुद्दा बनाएंगे। दीपके बोले- बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है और इसे देशव्यापी मुद्दा बनाया जाएगा। हम शिक्षा सुधारों पर काम करेंगे। शिक्षा को मुनाफा कमाने का जरिया बना दिया गया है, लेकिन हम इस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं। नीट पेपर लीक को लेकर दीपके व उनकी पार्टी ने जंतर-मंतर पर 20 जून से 25 जुलाई तक, लगातार 36 दिनों तक धरना दिया था। इस दौरान हजारों छात्र, अभिभावक व युवा आंदोलन में शामिल हुए थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की नियुक्तियों व भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा, कहा-

लंबित भर्तियों को जल्द पूरा करे डीएसएसएसबी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) द्वारा की जा रही भर्ती प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने नियुक्तियों में तेजी लाने, भर्ती से जुड़े लंबित मामलों को सुलझाने और योग्य उम्मीदवारों को समय पर अवसर सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस बैठक में दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बुधवार को हुई समीक्षा के दौरान लंबित भर्ती परीक्षाओं और नतीजों की घोषणा, विभाग-वार रिक्तियां और भर्ती के लिए मांग-पत्र, टीजीटी भर्ती और सीटीईटी से जुड़े मामलों की प्रगति पर चर्चा की। इसके साथ-साथ उन्होंने बैठक में शिक्षा निदेशालय में रिक्तियां, लंबित नतीजे और डोसियर, ऑपरेशन थिएटर (ओटी) असिस्टेंट, टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्रिस्ट और रेडियोग्राफर की भर्ती व पैरामेडिकल और नर्सिंग भर्ती से जुड़े ई-अपॉइंटमेंट पोर्टल के मुद्दे की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार एक पारदर्शी, योग्यता-आधारित और समय-सीमा के भीतर पूरी होने वाली भर्ती प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया समय पर पूरी होने से युवाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे और साथ ही जरूरी सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति भी बेहतर होगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते बताया कि इस समीक्षा बैठक में नियुक्तियों में तेजी लाने, भर्ती से जुड़े लंबित मामलों को सुलझाने और योग्य उम्मीदवारों को समय पर अवसर सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि भर्तियों में तेजी लाकर और लंबित रिक्तियों की समस्या का समाधान करके, दिल्ली सरकार योग्य उम्मीदवारों के लिए अधिक अवसर पैदा कर रही है और साथ ही शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मजबूत कार्यबल तैयार कर रही है।

'ग्रीन शिमला, अवर शिमला' अभियान का शुभारंभ, सीएम ने किया पौधरोपण

हर साल एक पौधा लगाएं व उसकी देखभाल करें : सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने लोगों से हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पौधों के जीवित रहने और उनके संरक्षण पर भी समान ध्यान दिया जाना चाहिए। उनका कहना था कि यदि प्रदेश का हर व्यक्ति हर साल एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो यह प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा योगदान होगा।

मुख्यमंत्री ने यह बात वीरवार को शिमला स्थित अपने आधिकारिक आवास ओक ओवर में नगर निगम शिमला के 'ग्रीन शिमला, अवर शिमला' अभियान के तहत सप्ताह भर चलने वाले पौधरोपण सप्ताह के शुरुआत के दौरान कही। उन्होंने स्वयं पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया और प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए लोगों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है और इस दिशा में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नगर निगम शिमला ने इस वर्ष अभियान के तहत 5 हजार से 10 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान लगातार तीसरे वर्ष चलाया जा रहा है। पिछले वर्ष नगर निगम ने चमियाना पहाड़ी क्षेत्र को गोद लेकर वहां करीब 3,000 पौधे लगाए थे।

इस वर्ष भी उसी क्षेत्र में 3,000 अतिरिक्त पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष लगाए गए पौधों के जीवित रहने की दर उत्साहजनक रही है, जिससे इस अभियान के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नगर निगम के पार्षदों को बान और देवदार के पौधे भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान में प्रदेश सरकार के मंत्री भी अलग-अलग स्थानों पर पौधरोपण कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

विकास | घुमंतू विकास बोर्ड की घोषणा पर हर्षित विमुक्त एवं घुमंतू समाज ने मुख्यमंत्री का किया अभिनंदन

घुमंतू समाज को अब सम्मान के साथ मिलेगा विकास का अवसर : योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब घुमंतू समाज को दर दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। डबल इंजन की सरकार उन्हें सम्मानजनक जीवन का अधिकार दिलाने, शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना से जोड़ने और उनके समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

घुमंतू विकास बोर्ड केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित विमुक्त एवं घुमंतू समाज को न्याय, सम्मान और अवसर दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा। प्रदेश कैबिनेट द्वारा घुमंतू विकास बोर्ड गठन के निर्णय के उपरांत वीरवार को समाज की ओर से आयोजित आभार व अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास' का जो मंत्र देश को दिया था, उसी संकल्प का विस्तार आज समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। बिना जाति, क्षेत्र, भाषा अथवा किसी प्रकार के भेदभाव के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की इसी सोच को नई कड़ी घुमंतू विकास बोर्ड है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों ने 1871 के क्रिमिनल ट्राइब एक्ट के माध्यम से उन वीर समुदायों को अपराधी घोषित कर दिया था, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभाई थी। 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बाद अंग्रेजों ने सुनियोजित षड्यंत्र के तहत इन जातियों पर कलंक लगाया, ताकि उनका सामाजिक सम्मान समाप्त हो जाए। स्वतंत्र भारत में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इस अन्याय को समाप्त करते हुए इन समुदायों को विमुक्त जाति का सम्मान दिलाया, किंतु उनके समुचित विकास के लिए अपेक्षित प्रयास लंबे समय तक नहीं किए गए। पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इनके लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोग का गठन हुआ और उसी भावना के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार ने घुमंतू विकास बोर्ड के गठन का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने वनटांगिया, मुसहर, थारू, गौड़, चेरो, बुक्सा, कोल, सहरिया सहित अनेक वंचित समुदायों को पहली बार शासन की योजनाओं से व्यापक रूप से जोड़ा है।

सरकार तक पहुंचेगी घुमंतू समाज की आवाज

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष घुमंतू समाज के सम्मेलन में उनके समक्ष बोर्ड गठन की मांग रखी गई थी और उन्होंने उसी समय इसकी घोषणा की थी। अब बोर्ड के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इसका गठन शीघ्र पूरा किया जाएगा तथा इसकी संरचना ऐसी होगी जिसमें विभिन्न घुमंतू एवं विमुक्त जातियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो, ताकि उनकी आवाज सीधे सरकार तक पहुंचे और उनके विकास की योजनाएं अधिक प्रभावी ढंग से संचालित की जा सकें।

मुख्यमंत्री सुक्खू को जनता पांच बातों के लिए याद रखेगी: राणा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता व पूर्व विधायक राजिंदर राणा ने मुख्यमंत्री सुक्खू और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के इतिहास में मुख्यमंत्री को पांच बातों के लिए याद रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उत्तर भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री, प्रदेश के इतिहास में सबसे अधिक कर्ज लेने वाले मुख्यमंत्री, सबसे अधिक झूठ बोलने वाले, अपने करीबी लोगों को लाभ पहुंचाने वाले और राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से काम करने वाले मुख्यमंत्री के रूप में पहचान बना चुके हैं। शिमला में वीरवार को पत्रकारों से बातचीत में राणा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में लोकतांत्रिक सरकार नहीं, बल्कि कुछ करीबी लोगों का समूह फैसले ले रहा है। उनके अनुसार सचिवालय से लेकर विभिन्न सरकारी नियुक्तियों तक कुछ चुनिंदा लोगों का प्रभाव दिखाई देता है। उन्होंने दावा किया कि जनता के टैक्स का पैसा विकास कार्यों की जगह बड़ी संख्या में सलाहकारों, ओएसडी और अन्य राजनीतिक नियुक्तियों पर खर्च किया जा रहा है। राजिंदर राणा ने कहा कि वर्तमान सरकार ने अपने कार्यकाल में रिकॉर्ड स्तर पर कर्ज लिया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश पर 1.44 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज हो चुका है, लेकिन सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी सुविधाओं में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल पथ परिवहन निगम आर्थिक संकट से गुजर रहा है, कई बस रूट प्रभावित हैं, कर्मचारी और पेंशनभोगी परेशान हैं तथा सरकार विकास के बजाय केवल घोषणाएं कर रही है।

शिमला में सड़क किनारे खड़े जब्त वाहन यातायात में बन रहे रुकावट, हाईकोर्ट ने वित्त सचिव से मांगा जवाब

हवाई अड्डा मार्ग और चक्कर सड़क से हटेंगे जब्त वाहन, फंड व्यवस्था पर मांगा शपथपत्र

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने शिमला हवाई अड्डे को जाने वाली सड़क और जिला न्यायालय चक्कर के पास सड़क किनारे बड़ी संख्या में खड़े दुर्घटनाग्रस्त और जब्त वाहनों के मामले में राज्य सरकार के वित्त सचिव को पक्षकार बनाने के आदेश दिए हैं।

अदालत ने वित्त सचिव को नोटिस जारी कर अगली सुनवाई तक शपथपत्र दाखिल करने को कहा है, जिसमें यह बताया जाए कि इन वाहनों को दूसरी जगह स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक धनराशि कैसे उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और न्यायाधीश बिपिन सी नेगी की खंडपीठ इस मामले की स्वत: संज्ञान याचिका पर सुनवाई कर रही है। इससे पहले अदालत ने कहा था कि शिमला हवाई अड्डे की ओर जाने वाली सड़क की हालत खराब है और करीब 500 मीटर तक सड़क के दोनों ओर वाहन खड़े होने से आवाजाही प्रभावित हो रही है। अदालत ने राज्य के गृह सचिव, शिमला के पुलिस अधीक्षक और लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता को पहले ही इस मामले में पक्षकार बनाया था। साथ ही पुलिस विभाग को सड़क से दूर ऐसी जगह चिन्हित करने के निर्देश दिए थे, जहां इन जब्त वाहनों को रखा जा सके। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि पुलिस विभाग ने सिद्धांत रूप से धामी के पास गांव घंडाल में 16 मील क्षेत्र में 00-45-30 हेक्टेयर भूमि को जंकयार्ड के रूप में चिन्हित किया है। इस स्थान पर पुलिस चौकी, वाहन पार्किंग और जब्त वाहनों को रखने की व्यवस्था प्रस्तावित है। सरकार ने यह भी बताया कि होटल एशिया द डॉन से जिला न्यायालय चक्कर तक जाने वाली सड़क पर 117 जब्त वाहन खड़े हैं, जबकि तारादेवी से कांची मोड़ तक सड़क किनारे 190 वाहन रखे गए हैं। अदालत को यह भी बताया गया कि इस प्रस्ताव पर वित्त विभाग ने सहमति नहीं दी है और मौजूदा व्यवस्था जारी रखने की सिफारिश की है। प्रस्तावित व्यवस्था पर शुरुआती खर्च 6 लाख 23 हजार 100 रुपए आंका गया है। इसमें धामी में पुलिस चौकी और पार्किंग के निर्माण पर 3 लाख 73 हजार 900 रुपए तथा जिला जंकयार्ड के लिए 2 लाख 49 हजार 110 रुपए खर्च होने का अनुमान है।

शिमला हवाई अड्डा मार्ग की होगी मरम्मत

खंडपीठ ने कहा कि सड़क किनारे बड़ी संख्या में खड़े वाहनों से चोरी की आशंका बनी रहती है और यातायात भी प्रभावित होता है। इसी कारण अदालत ने वित्त सचिव को मामले में प्रतिवादी संख्या चार के रूप में शामिल करते हुए आवश्यक धन उपलब्ध कराने के संबंध में शपथपत्र दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। शिमला मंडल-4 के लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता ने अदालत को बताया कि मौसम अनुकूल होते ही हवाई अड्डे को जाने वाली सड़क की मरम्मत की जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले पैचवर्क किया जाएगा और आवश्यकता के अनुसार सड़क पर धातुकरण और तारकोल बिछाने का काम भी कराया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी।

अनुसूचित जाति विभाग का जल्द होगा राज्य स्तरीय सम्मेलन: नरेश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग का जल्द ही राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें केंद्रीय कांग्रेस नेतृत्व के अलावा मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश सरकार के मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा।

अनुसूचित जाति विभाग के नवनियुक्त अध्यक्ष नरेश चौहान ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रदेशभर से पहुंचे जिला और ब्लॉक अध्यक्षों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनका ढोल-नगाड़ों और फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। नरेश चौहान ने कहा कि विभाग की प्राथमिकता अनुसूचित जाति समाज के उन लोगों तक पहुंचना होगी, जो किसी कारणवश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित रह गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा अनुसूचित जाति और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए कार्य किया है। संगठन को मजबूत करना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी।

उन्होंने अपनी नियुक्ति के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया और कहा कि वह दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएंगे। पूर्व मंत्री गंगू राम मुसाफिर और कांग्रेस उपाध्यक्ष अमित नंदा ने नरेश चौहान को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में अनुसूचित जाति समुदाय की आबादी 33 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

सुक्खू सरकार ने हिमाचल की जनता से छीना सस्ता सफर: बिक्रम ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। पूर्व परिवहन व उद्योग मंत्री तथा जसवां-प्रागपुर के विधायक बिक्रम सिंह ठाकुर ने एचआरटीसी के ग्रीन, स्मार्ट और सम्मान कार्ड को समाप्त कर 'हिम बस प्लस कार्ड' लागू करने के फैसले को प्रदेश की आम जनता, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों पर आर्थिक बोझ डालने वाला निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर जनता से सस्ता सफर छीनने का काम किया है। वीरवार को जारी एक बयान में बिक्रम ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार ने एचआरटीसी को केवल परिवहन निगम नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त माध्यम बनाया था। नियमित यात्रियों को राहत देने के लिए ग्रीन, स्मार्ट और सम्मान कार्ड जैसी योजनाएं लागू की गई थीं, जिनसे हजारों परिवारों को प्रतिमाह सीधी आर्थिक राहत मिलती थी। लेकिन सुक्खू सरकार ने इन जनहितैषी योजनाओं को समाप्त कर जनता की जेब पर सीधा वार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पहले हजारों लोगों से ग्रीन, स्मार्ट और सम्मान कार्ड बनवाने के नाम पर शुल्क लिया और अब उन्हीं कार्डों को बंद कर नया 'हिम बस प्लस कार्ड' बनवाने की शर्त लगा दी है। जिन लोगों के पुराने कार्डों की वैधता समाप्त होगी, उन्हें फिर से 365 रुपए देकर नया कार्ड बनवाना पड़ेगा।

किसानों के हितों की कीमत पर सार्वजनिक धन का दुरुपयोग स्वीकार्य नहीं: डॉ. सुनील

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना-II JICA-ODA के परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान ने कहा कि किसानों के हितों की अनदेखी कर सार्वजनिक धन का किसी अन्य उद्देश्य में उपयोग स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि परियोजना की प्रत्येक गतिविधि का केंद्र किसानों का कल्याण होना चाहिए।

डॉ. चौहान ने डीपीएमयू-हमीरपुर तथा संबद्ध बीपीएमयू बिलासपुर, हमीरपुर एवं ऊना के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित 'टीम बिल्डिंग, नेतृत्व विकास, प्रेरणा एवं तनाव प्रबंधन' विषयक एचआरडी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण वरिष्ठ कॉरपोरेट प्रशिक्षक श्री मनु भारद्वाज द्वारा प्रदान किया जा रहा है। अपने संबोधन में उन्होंने 'काइजेन' और निरंतर सुधार की कार्य संस्कृति पर बल देते हुए कहा कि समस्याओं से बचने के बजाय उनका समाधान खोजने की आदत विकसित करनी होगी। उन्होंने अधिकारियों से किसानों के साथ पारदर्शी एवं निर्भीक संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। वरिष्ठ सलाहकार बलजीत संधू ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य कर्मचारियों को किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु सही दिशा देना है। उन्होंने तकनीकी नवाचार के साथ संसाधनों के प्रभावी उपयोग और बहु-कौशल कार्य संस्कृति पर बल दिया। जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. संतोष शर्मा ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि कार्यक्रम का संचालन बीपीएम-हमीरपुर द्वारा किया गया।

राज्य सहकारी बैंक शाखा में गबन मामले में तत्कालीन सहायक प्रबंधक बर्खास्त

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले के नौहराधार स्थित हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक की शाखा में 10 करोड़ रुपए से अधिक के चर्चित गबन मामले में बैंक प्रबंधन ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी और तत्कालीन सहायक प्रबंधक को बैंक सेवा से बर्खास्त कर दिया है। बैंक प्रबंधन की ओर से यह कार्रवाई विभागीय जांच पूरी होने के बाद की गई है। यह मामला अगस्त 2024 में सामने आया था और उसके बाद से विभागीय जांच, ऑडिट और पुलिस जांच जारी थी। बैंक के अनुसार यह मामला 6 अगस्त 2024 को सामने आया, जब जिला कार्यालय नाहन को नौहराधार शाखा के किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खातों में संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जानकारी मिली। प्रारंभिक जांच के बाद विस्तृत ऑडिट कराया गया। जांच में आरोप सामने आया कि तत्कालीन सहायक प्रबंधक ज्योति प्रकाश ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कई फर्जी खाते खोले और ग्राहकों की जमा राशि में करीब 10 करोड़ रुपये की हेराफेरी की। मामले की गंभीरता को देखते हुए संगड़ाह पुलिस थाने में आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। बैंक प्रबंधन का कहना है कि खाताधारकों का विश्वास बहाल करने के लिए विभागीय जांच और ऑडिट को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया गया। प्रबंधन के अनुसार अब तक 98 प्रतिशत प्रभावित खाताधारकों को उनकी गबन की गई पूरी राशि ब्याज सहित वापस कर दी गई है। शेष दो प्रतिशत खातों की तकनीकी और फॉरेंसिक जांच अभी जारी है।

न्यू कांप्लेक्स सिस्टम वापस नहीं हुआ, तो 5 सितंबर के बाद तेज होगा आंदोलन: प्राथमिक शिक्षक संघ

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ ने न्यू कांप्लेक्स सिस्टम को लेकर राज्य सरकार और शिक्षा विभाग के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है।

संघ का कहना है कि जब तक यह व्यवस्था वापस नहीं ली जाती, तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 5 सितंबर तक सरकार ने इस संबंध में फैसला नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक तथा निर्णायक बनाया जाएगा। शिमला में वीरवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश शर्मा ने कहा कि न्यू कॉम्प्लेक्स सिस्टम के विरोध में 11 जुलाई से आंदोलन लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि 25 जुलाई को प्राथमिक शिक्षकों की पदयात्रा शिमला पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सचिवालय में बैठक हुई थी। इस बैठक में प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त समिति बनाकर मांगों पर विस्तार से चर्चा करने और रिपोर्ट सरकार को सौंपने का निर्णय लिया गया था। रमेश शर्मा ने आरोप लगाया कि संयुक्त समिति के गठन में देरी की गई। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त को हुई बैठक में ऐसे कई शिक्षक संगठनों को भी बुलाया गया, जिनका न्यू कॉम्प्लेक्स सिस्टम से सीधा संबंध नहीं है। उनके अनुसार इस व्यवस्था से सबसे अधिक प्राथमिक शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए इस विषय पर बातचीत में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि शिक्षा विभाग को उम्मीद थी कि अन्य शिक्षक संगठन न्यू कॉम्प्लेक्स सिस्टम का समर्थन करेंगे, लेकिन बैठक में कई संगठनों ने इसका विरोध किया। रमेश शर्मा के अनुसार टीजीटी, सी एंड वी, साइंस मास्टर, टीजीटी आर्ट्स, स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ और हिमाचल प्रदेश शिक्षक महासंघ सहित कई संगठनों ने इस व्यवस्था का विरोध करते हुए इसे 'न्यू जुगाड़ तंत्र' बताया। प्राथमिक शिक्षक संघ ने कहा कि उसका क्रमिक अनशन जारी रहेगा।

संघ का कहना है कि यदि 5 सितंबर तक सरकार न्यू कॉम्प्लेक्स सिस्टम वापस लेने का निर्णय नहीं करती, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। साथ ही सरकार से प्राथमिक शिक्षकों की मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की भी अपील की गई।

प्रताप वर्ल्ड स्कूल में सीबीएसई क्लस्टर 18 एथलेटिक्स मीट का शुभारंभ

1500 से अधिक खिलाड़ी दिखा रहे दमखम

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। प्रताप वर्ल्ड स्कूल, पठानकोट में सीबीएसई क्लस्टर XVIII एथलेटिक्स मीट 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में पंजाब और जम्मू-कश्मीर के विभिन्न सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों के 1500 से अधिक छात्र-खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट कर अनुशासन, एकता और खेल भावना का परिचय दिया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला खेल अधिकारी (डीएसओ) पठानकोट लवप्रीत सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में किया। उन्होंने सीबीएसई स्तर की प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए प्रताप वर्ल्ड स्कूल प्रबंधन की सराहना की और खिलाड़ियों को पूरी लगन, ईमानदारी और खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। सीबीएसई की ओर से सरबजीत सिंह को ऑब्जर्वर और हरप्रीत कौर को टेक्निकल हेड नियुक्त किया गया है। उनकी निगरानी में प्रतियोगिताएं सीबीएसई के नियमों और तकनीकी मानकों के अनुसार आयोजित की जा रही हैं। पहले दिन अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में 100 मीटर, 400 मीटर, 3000 मीटर दौड़, शॉट पुट और हाई जंप जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों और प्रशिक्षकों को प्रभावित किया। अंडर-14 बालक हाई जंप में प्रताप वर्ल्ड स्कूल के आशुतोष कुमार ने 1.40 मीटर छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। अंडर-14 बालिका हाई जंप में सेंट सॉवरेन कॉन्वेंट स्कूल की एकमजोत कौर देओल ने स्वर्ण हासिल किया। अंडर-17 बालक 3000 मीटर दौड़ में डिवाइन लाइट इंटरनेशनल स्कूल के भव्य शर्मा, जबकि बालिका वर्ग में सेंट सिंह मेमोरियल पब्लिक स्कूल की सिमरन कौर विजेता रहीं। अंडर-19 बालक वर्ग में आर्मी स्कूल अखनूर के कनिश सिंह चिब और बालिका वर्ग में दोआबा पब्लिक स्कूल की प्रीति शर्मा ने पहला स्थान हासिल किया। शॉट पुट प्रतियोगिता में भी खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या शुभ्रा रानी ने कहा कि प्रतियोगिता की मेजबानी करना विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। वहीं निदेशक सनी महाजन ने कहा कि प्रताप वर्ल्ड स्कूल युवा प्रतिभाओं को बेहतर अवसर और विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

खेल में निरंतरता बनाकर रखने से ही प्रदर्शन में सुधार होता है: नरेंद्र अत्री

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। महादेव इलेवन ने हमीरपुर सब सेंटर को फाइनल मैच में 6 विकेट से हराकर, वारियर्स कप बाइलैटरल सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली।

सीरीज के समापन समारोह पर बतौर मुख्यातिथि में हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष, भाजपा नेता नरेंद्र अत्री ने भाग लिया। नरेंद्र अत्री ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में निरंतरता बनाकर रखने से ही प्रदर्शन में सुधार होता है व अनुशासन में रहकर की गई मेहनत से जीत का मार्ग प्रशस्त होता है, फिर चाहे वह खेल के मैदान का मुकाबला हो या जीवन में किसी अन्य क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा। फाइनल मुकाबले में हमीरपुर सब सेंटर ने 35 ओवर में 210 रन बनाएं, जबकि महादेव इलेवन ने एक ओवर शेष रहते चार विकेट पर 211 रन बनाकर , मुकाबला 6 विकेट से जीत लिया।

प्लेयर ऑफ द मैच महादेव इलेवन के मुकुल ठाकुर रहे, उन्होंने बल्लेबाजी में 80 रन बनाए और गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए। रवि कुमार ने 87 रन बनाकर उच्चतम स्कोरर होने का गौरव प्राप्त किया। सीरीज के बेस्ट प्लेयर का खिताब शिवम शर्मा को मिला, जबकि बेस्ट बॉलर का खिताब पंकज राणा ने जीता। मुख्यातिथि नरेंद्र अत्री ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व सभी खिलाड़ियों को मेडल पहनकर सम्मानित किया व आयोजकों से इस तरह की सीरीज की संख्या बढ़ाने के लिए आग्रह किया, ताकि खिलाड़ियों को अधिक से अधिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिले।

पांवटा साहिब में कार से 4,796 प्रतिबंधित दवाइयां बरामद, एक गिरफ्तार

एजेंसी, नाहन। सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में पुलिस ने नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से 4,796 नशीले कैप्सूल बरामद किए गए हैं। मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार 5 अगस्त को थाना पांवटा साहिब की डिटेक्शन सेल की टीम गश्त पर थी। इस दौरान टीम रैनबैक्सी चौक के पास मौजूद थी। तभी पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि हरियाणा के अंबाला जिले के कालाआम्ब क्षेत्र का रहने वाला रवि, पुत्र शेर सिंह, अपनी कार में विकासनगर से पांवटा साहिब की ओर बड़ी मात्रा में नशीले कैप्सूल लेकर आ रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी की और संदिग्ध वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से कुल 4,796 नशीले कैप्सूल बरामद किए गए। पुलिस ने मौके पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत, दो घायल

एजेंसी, नाहन। सिरमौर जिले के पुलिस थाना पुरूवाला क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-707 पर ज्वालापुर चौक के पास हुए सड़क हादसे में एक मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार यह मामला तिलक राज निवासी गांव ज्वालापुर, डाकघर निहालगढ़, तहसील पांवटा साहिब की शिकायत पर दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि 5 अगस्त को वह अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान पांवटा साहिब की ओर से आ रहे एक टेम्पो, जिसे छोटा हाथी भी कहा जाता है, के चालक ने राजबन की दिशा में बिना इंडिकेटर दिए अचानक यू-टर्न ले लिया। उसी समय पांवटा साहिब की ओर जा रही एक मोटरसाइकिल टेम्पो से टकरा गई। मोटरसाइकिल पर अर्जुन, नीरज और राकेश सवार थे। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों युवक सड़क पर गिर गए। हादसे में मोटरसाइकिल चला रहे अर्जुन पुत्र भवाऊ निवासी निहालगढ़ की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नीरज और राकेश घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार मौके पर मौजूद टेम्पो चालक की पहचान मनोज पुत्र दुला राम निवासी टिटियाणा के रूप में हुई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

भारतेन्दु Classifieds

नाम परिवर्तन

मैं, सरवजीत कौर (नया नाम) पत्नी गुरजीत सिंह, निवासी मकान नं. 149/11, थनेहड़ा मोहल्ला, स्कूल बाजार, मंडी, हि.प्र., भारत – 175001, घोषणा करती हूं कि मैंने अपना नाम सरबजीत कौर Sarbjeet Kaur (पिछला नाम) से बदलकर सरवजीत कौर Sarvjeet Kaur (नया नाम) कर लिया है। सभी संबंधित पक्ष कृपया इसे नोट करें।

सरकार की वॉकथॉन जारी, चिट्टा माफिया की मेराथॉन भारी: जम्वाल

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं सुंदरनगर के विधायक राकेश जम्बाल ने प्रदेश में बढ़ते चिट्टा कारोबार को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार वॉकथॉन जैसे प्रचारात्मक कार्यक्रमों में व्यस्त है, जबकि चिट्टा माफिया लगातार अपना नेटवर्क मजबूत कर रहा है।

◆ **भाजपा मुख्य प्रवक्ता ने नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की मांग उठाई**

जम्बाल ने आरोप लगाया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगातार चिट्टा बरामद होने और नशा तस्करों की गिरफ्तारी की घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि समस्या गंभीर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में नशे के खिलाफ गंभीर है तो उसे बड़े तस्करों तक पहुंचकर उनके नेटवर्क को ध्वस्त करना, अवैध संपत्तियां जब्त करना और युवाओं को नशे से बाहर निकालने के लिए ठोस अभियान चलाना चाहिए। उन्होंने वॉकथॉन पर हुए सरकारी खर्च और उससे मिले परिणामों का भी ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग की। जम्बाल ने कहा कि प्रदेश का हर अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित है और गांवों से लेकर शहरों तक नशे का जाल फैल चुका है। ऐसे में केवल जागरूकता कार्यक्रम पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि चिट्टा माफिया के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्रवाई जरूरी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा चिट्टा माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति की पक्षधर है। बड़े तस्करों की पहचान कर उनकी संपत्तियां जब्त की जाएं, अंतरराज्यीय नेटवर्क तोड़ा जाए और नशे के कारोबार को संरक्षण देने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा न जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब प्रचार नहीं, बल्कि नशे के खिलाफ ठोस और प्रभावी परिणाम देखना चाहती है।

गौरवान्वित बहुमंजिला भवन में बस अड्डा, पार्किंग, कई सरकारी दफ्तर व अन्य सुविधाओं का होगा प्रावधान

हमीरपुर को जल्द मिलेगा प्रदेश का सबसे बड़ा बस अड्डा

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। लगभग दो दशकों से एक बड़े अंतरराज्यीय बस स्टैंड की जरुरत महसूस कर रहे हमीरपुरवासियों की मांग जल्दी ही पूरी होने वाली है। अपने गृह जिले के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा स्वीकृत किया गया यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट तेजी से आकार ले रहा है।

अपने आंखों के सामने इस बहुमंजिला भवन को आकार लेते हुए देखकर हमीरपुरवासियों में गौरव की अनुभूति हो रही है, क्योंकि यह बस स्टैंड केवल एक आम बस स्टैंड नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश का सबसे बड़ा एवं बहुत ही भव्य अंतरराज्यीय बस स्टैंड होगा और इससे हमीरपुर को एक नई पहचान मिलेगी। लगभग 125 करोड़ रुपए से बनने जा रहे इस बहुमंजिला बस स्टैंड में बसों और अन्य वाहनों के लिए पार्किंग के अलावा कई सरकारी और अर्द्ध सरकारी कार्यालयों के संचालन के लिए भी बेहतरीन व्यवस्था रहेगी। मुख्यमंत्री सुक्खू ने जब हिमाचल प्रदेश की कमान संभाली थी, तो उस समय उन्होंने अधिकारियों को हमीरपुर में नए बस स्टैंड के निर्माण के लिए सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण होते ही उन्होंने इस बहुप्रतिक्षित बस स्टैंड के लिए धनराशि का प्रावधान किया और इसका शिलान्यास करके निर्माण कार्य को युद्ध स्तर पर शुरू करवाया। इसका 70 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। अब वह दिन दूर नहीं हैं, जब हमीरपुर में अत्याधुनिक एवं प्रदेश के सबसे बड़े बस स्टैंड का सपना साकार होगा।

प्रदेश के मध्य में स्थित हमीरपुर शहर से प्रतिदिन बड़ी संख्या में बसें अंतर्राज्यीय रूटों, प्रदेश के मुख्य शहरों एवं विभिन्न जिलों और लोकल रूटों पर रवाना होती हैं। इतनी बड़ी संख्या में बसों की आवाजाही के कारण हमीरपुर का वर्तमान बस स्टैंड काफी छोटा पड़ गया है।

इससे हमीरपुर शहर की यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित होती है। नया बस स्टैंड तैयार होने के बाद न केवल हमीरपुर शहर की कई समस्याएं दूर होंगी, बल्कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में सफर करने वाले यात्रियों को भी काफी सुविधा होगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत बलोठ
विकास खंड मैहला, जिला चंबा (हि.प्र.)

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बलोठ विकास खंड मैहला की मासिक बैठक दिनांक 05/08/2026 को पारित प्रस्ताव संख्या 03 के अनुसार मुहाल अनुसार वर्ष 2026-27 में निष्पादित किये जाने वाले मनरेगा व अन्य मदों के तहत करवाये जाने वाले विकास कार्यों में प्रयुक्त होने वाली निर्माण सामाग्री जैसे रेता खड्डु, नदी या क्रशर (प्रति क्युविक मीटर) (cum), बजरी लोकल या क्रशर (प्रति क्युविक मीटर) (cum), पत्थर सप्लाई लोकल (प्रति क्युविक मीटर) (cum), शटिंग प्रति स्क्वेयर फुट, सीमेंट ईंटे खरीद व ढुलान (प्रति बैग व ईंटे प्रति ईंट), सरिया ढुलान (प्रति किवंटल) साइन बोर्ड लिखाई (सिर्फ S.H.G) इत्यादी के लिए हिमाचल प्रदेश पंचायती राज वित्त नियम, 2002 के नियम, 67 की अनुपालना करते हुये पंचायत स्तर पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। अतः इच्छुक ग्राम पंचायत का व्यक्ति / फर्म दिनांक 06/08/2026 से 19/08/2026 शाम 3 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत बलोठ में प्रधान व सचिव के पास अपने लैटर पैड पर बंद लिफाफे में अपनी निविदा जमा करवाये। उक्त दिनांक के बाद कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। दिनांक 20/08/2026 को प्रातः 11 बजे टेंडर कमेटी के सम्मुख ग्राम पंचायत में प्राप्त निविदाओं को सार्वजनिक किया जायेगा । **नियम व शर्तें** :- 1. जी0 एस0 टी0 धारक की निविदा ही मान्य होगी। 2. ओवर राईटिंग व कटिंग वाली निविदा मान्य नहीं होगी। 3. पंचायत को समय पर सामाग्री उपलब्ध न करवाने की दशा में निविदा रद्द कर दी जायेगी व पंचायत को दूसरे नम्बर वाले आपूर्तिकर्ता से पूर्ति लेने का अधिकार होगा। 4. तकनीकी कर्मचारी द्वारा बिल पास करने के उपरांत ही आदायगी की जायेगी। 5. कुटेशन में सामाग्री / दर को मोहाल/वार्ड / वार्ड वार दर्शाया जाये। 6. निविदा धारक को M फोर्म साथ में देना होगा अन्यथा नियम के अनुसार रायल्टी काटी जायेगी । 7. निविदा धारक पंचायत पदाधिकारी का रिश्तेदार नहीं होना चाहिये। 8. निविदा धारक / फर्म को ग्राम पंचायत बलोठ के नाम से पचास हजार रु0 की पलज बना कर जमा करवाना अनिवार्य होगी 9. निविदा के साथ GST, आधारकार्ड, पहचान पत्र, पैन कार्ड व बैंक खाते की फोटो कापी देना अनिवार्य है।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत बलोठ विकास खंड मैहला, जिला चंबा (हि.प्र.)

न्यूज शॉर्ट्स

ओयूओ में उद्योग और शिक्षा सहयोग पर हुआ व्यापक मंथन

भारतेंदु संवाददाता, हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (ओयूओ) के उद्योग-अकादमिक प्रकोष्ठ द्वारा उद्योग-शिक्षा सहयोग को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विचार-विमर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने रोजगारोन्मुख शिक्षा, कौशल विकास, इंटर्नशिप, नवाचार और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम विकसित करने पर जोर दिया। मुख्य वक्ता नीरज शारदा ने उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच सतत समन्वय को समय की आवश्यकता बताया।

गढ़वाल विश्वविद्यालय में वंदे मातरम् स्मरणोत्सव पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार 'वंदे मातरम: राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष का स्मरणोत्सव' के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति और वंदे मातरम् की गौरवशाली विरासत को अपने पोस्टरों के माध्यम से आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओ.पी. गुसाईं ने कहा कि वंदे मातरम् राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा का प्रतीक है।

राष्ट्रीय राजमार्गों से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन चलाएगा विशेष अभियान

भारतेंदु संवाददाता, गोपेश्वर। राष्ट्रीय राजमार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में अवैध पार्किंग और अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जनपद के छह राष्ट्रीय राजमार्गों पर 359 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 92 हटाए जा चुके हैं।

बारह वर्षों बाद गुंजी में सजेगा ऐतिहासिक जुम्ली हया सामो महोत्सव

भारतेंदु संवाददाता, धारचूला

पिथौरागढ़ जिले की व्यास घाटी स्थित सीमांत गांव गुंजी में 12 वर्षों बाद आयोजित होने वाला पारंपरिक जुम्ली हया सामो महोत्सव 8 से 10 अगस्त तक मनाया जाएगा। भारत-चीन और नेपाल सीमा के निकट समुद्र तल से लगभग 10,500 फीट की ऊंचाई पर बसे इस ऐतिहासिक गांव में होने वाला यह आयोजन स्थानीय लोगों के लिए महाकुंभ जैसा महत्व रखता है। महोत्सव में शामिल होने के लिए देश-विदेश में रहने वाले प्रवासी ग्रामीण अपने गांव लौटने लगे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बन गया है।

◆ **देश विदेश से लौट रहे ग्रामीण, परंपरागत अनुष्ठानों की तैयारियां अंतिम चरण में**

तीन दिवसीय आयोजन के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पलथी के आटे से अत्याचारी जुम्ली राजा का प्रतीकात्मक पुतला बनाया जाएगा। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद इस पुतले पर सैकड़ों तलवारों से प्रहार कर अन्याय पर न्याय और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया जाएगा। इसके बाद सामूहिक भोज, लोकगीत, पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें स्थानीय लोगों के साथ पर्यटक और अतिथि भी भाग लेंगे।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार सदियों पहले नेपाल क्षेत्र के अत्याचारी जुम्ली राजा के आतंक से पूरा इलाका परेशान था। उसके अत्याचारों और लूटपाट से मुक्ति मिलने के बाद क्षेत्र में सुख-शांति स्थापित हुई। बाद में धर्मगुरुओं ने इस घटना की स्मृति में प्रत्येक 12 वर्ष बाद विशेष पूजा-अर्चना और जुम्ली राजा के प्रतीकात्मक पुतले के विनाश की परंपरा शुरू कराई।

आस्था और परंपरा का अनूठा संगम बनेगा महोत्सव

आयोजन को सफल बनाने के लिए ग्राम समिति, स्थानीय प्रशासन और विभिन्न विभागों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। गांव में साफ-सफाई, पारंपरिक स्थलों की सजावट, अतिथियों के स्वागत और सामूहिक कार्यक्रमों की व्यापक व्यवस्था की जा रही है। महोत्सव के दौरान सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए स्थानीय स्तर पर सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। जुम्ली हया सामो केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यास घाटी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामुदायिक एकता का जीवंत प्रतीक भी है। यह महोत्सव स्थानीय लोक परंपराओं, रीति-रिवाजों और पूर्वजों की स्मृतियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। इस अवसर पर युवा पारंपरिक वेशभूषा में लोकगीत और लोकनृत्य प्रस्तुत करेंगे, जबकि बुजुर्ग नई पीढ़ी को इस ऐतिहासिक परंपरा के महत्व से अवगत कराएंगे।

459 करोड़ से एचएनबी विश्वविद्यालय की अनुसंधान संरचना होगी सुदृढ़

हेफा परियोजना के तहत अनुसंधान सुविधाएं बढ़ेंगी, एनआईटी श्रीनगर विकास पर भी बनी सहमति

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

विकास बलोनी, उत्तराखंड। उत्तराखंड के विद्यालयी शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गुरुवार को नई दिल्ली में नवनियुक्त केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी से शिष्टाचार भेंट कर राज्य की उच्च शिक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान एचएनबी गढ़वाल (केंद्रीय) विश्वविद्यालय में 459.095 करोड़ रुपये की लागत से शैक्षणिक एवं अनुसंधान अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, एनआईटी श्रीनगर (गढ़वाल) के विकास तथा अन्य शैक्षणिक परियोजनाओं पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (हेफा) के अंतर्गत एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय में 459.095 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक शैक्षणिक एवं अनुसंधान सुविधाओं के विकास का प्रस्ताव केंद्रीय शिक्षा मंत्री के समक्ष रखा गया। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, शोध सुविधाएं, आधुनिक शैक्षणिक संसाधन तथा नवाचार को बढ़ावा देने वाली आधारभूत संरचना विकसित की जाएगी। इससे विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित कर सकेगा।

एचएनबी विश्वविद्यालय में आधुनिक शोध सुविधाओं से बढ़ेगी वैश्विक शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा

◆ **केंद्र के सहयोग से उत्तराखंड में उच्च शिक्षा और अनुसंधान को मिलेगी नई गति**

◆ **केंद्रीय मंत्री ने उच्च शिक्षा परियोजनाओं पर हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा**

डॉ. रावत ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को एनआईटी श्रीनगर (गढ़वाल) के नवनिर्मित परिसर के लोकार्पण के लिए आमंत्रित करते हुए समय उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया। उन्होंने कहा कि नए परिसर के शुरू होने से संस्थान में शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियां अधिक प्रभावी ढंग से संचालित हो सकेंगी और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण वातावरण मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने संस्थान में स्थायी निदेशक की शीघ्र नियुक्ति की आवश्यकता पर भी जोर दिया ताकि संस्थान का संचालन और अधिक सुचारू एवं प्रभावी ढंग से किया जा सके।

बैठक के दौरान डॉ. रावत ने एनआईटी श्रीनगर परिसर में जलभराव की समस्या का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए छह प्रभावित परिवारों के समुचित विस्थापन और पुनर्वास हेतु केंद्र सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। इस पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी ने सभी प्रस्तावों और मांगों पर सकारात्मक सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखंड के विकास के लिए केंद्र सरकार हरसंभव सहायता प्रदान करेगी।

इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखंड द्वारा प्राप्त उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना भी की। उन्होंने डॉ. धन सिंह रावत को राज्य के 'पूर्ण साक्षर राज्य' बनने पर बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे देश के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि है।

युवाओं के लिए खुलेंगे शोध के नए अवसर

डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड को उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना है। इसके लिए विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों में आधुनिक प्रयोगशालाओं, डिजिटल शिक्षण संसाधनों तथा उद्योगों के साथ समन्वय को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध सुविधाओं के विस्तार से युवाओं को रोजगारोन्मुख शिक्षा मिलेगी तथा स्टार्टअप और नवाचार की संस्कृति को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण कार्यों ने पकड़ी तेज रफ्तार

सड़कें, सुरक्षा दीवारें, नहर पुनर्निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हुए

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

देहरादून जिले के मालदेवता, सौड़ा सरौली और आसपास के भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में राहत, पुनर्स्थापन और सुरक्षा कार्यों में तेजी लाई गई है। प्रशासन क्षतिग्रस्त सड़कों, सुरक्षा दीवारों और अन्य आधारभूत संरचनाओं की मरम्मत युद्धस्तर पर कर रहा है, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही सुरक्षित और सुचारु बनी रहे। लगातार हो रही बारिश के बीच जिला प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देश पर विभिन्न विभागों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अधिकांश आवश्यक पुनर्स्थापन कार्य निर्धारित समय के भीतर पूरे कर लिए हैं। संवेदनशील स्थानों पर बनाई गई सुरक्षा दीवारों, सुरक्षात्मक जाल और अन्य सुरक्षा उपायों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है, जिससे बारिश के दौरान किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके।

भारी वर्षा के कारण सोंग नदी का जलस्तर बढ़ने से मालदेवता स्थित कलिंगा नहर भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। सिंचाई विभाग ने तेजी से कार्य करते हुए नहर का पुनर्निर्माण पूरा कर लिया है। इसके बाद किसानों को दोबारा सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलने लगा है। साथ ही प्रशासन ने पोकलैंड और जेसीबी मशीनों की सहायता से नदी के चैनलाइजेशन का कार्य भी तेज कर दिया है, ताकि नदी के बहाव को नियंत्रित कर भविष्य में होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

◆ **अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा ने बताया कि अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सड़क मार्गों और सुरक्षा दीवारों का पुनर्निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और लोक निर्माण विभाग ने मिलकर प्रभावित मार्गों को पुनः सुचारु बनाया है।**

हरिद्वार में 9 से 17 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

जनपद हरिद्वार में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 9 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को आवश्यक तैयारियां पूरी करने और अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान के अंतर्गत तिरंगा रैली, तिरंगा संगीत कार्यक्रम, स्वतंत्रता दिवस समारोह, तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा साइकिल एवं ई-बाइक रैली, तिरंगा थीम आधारित रोशनी, सेल्फी बूथ सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, सरकारी भवनों, पुलों, सड़कों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, अस्पतालों, विद्यालयों और बाजारों को तिरंगा थीम पर आकर्षक रूप से सजाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में तिरंगे पर आधारित प्रतियोगिताएं, राष्ट्रभक्ति गीतों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों में देशप्रेम और राष्ट्रीय भावना को बढ़ावा मिलेगा। जिलाधिकारी ने नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, विकास खंडों और सभी विभागों को अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों, प्रतिष्ठानों और कार्यालयों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराकर हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की।

भारी बारिश के बीच डीएम एसएसपी ने परखी कांवड़ व्यवस्थाएं

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

लगातार हो रही भारी बारिश के बीच कांवड़ मेले को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुचारु रूप से संचालित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने गुरुवार को देहात क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने नहर पटरी मार्ग, रुड़की और मंगलौर क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा, यातायात और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर बारिश के कारण उत्पन्न परिस्थितियों का निरीक्षण किया तथा जलभराव वाले क्षेत्रों की स्थिति का आकलन किया।

एनसीसी विस्तार को मुख्यमंत्री धामी का मिला पूरा सहयोग

सीमांत क्षेत्रों तक एनसीसी पहुंच बढ़ाने और आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं पर दिया विशेष जोर

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखण्ड में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के विस्तार, सीमांत एवं दुर्गम क्षेत्रों तक इसकी प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने और आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास को लेकर नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड निवास में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान राष्ट्रीय कैडेट कोर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेन्द्र वत्स ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट कर राज्य में एनसीसी से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में महानिदेशक ने राज्य के अधिक से अधिक युवाओं को एनसीसी से जोड़ने के लिए सीमावर्ती और दूरस्थ

क्षेत्रों में नई एनसीसी इकाइयों की स्थापना तथा मौजूदा इकाइयों के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आधुनिक प्रशिक्षण अवसंरचना विकसित करने, प्रशिक्षण सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा प्रस्तावित एनसीसी अकादमी की स्थापना जैसी भावी योजनाओं की जानकारी भी मुख्यमंत्री को दी। उनका कहना था कि इन प्रयासों से युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा और उनकी प्रतिभा को नई दिशा प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास, राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सेवा-भाव को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एनसीसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि युवाओं में राष्ट्रीय चरित्र, आत्मविश्वास, नेतृत्व कौशल और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने वाला सशक्त मंच है, जिसकी राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है।

राष्ट्र निर्माण को बल

मुख्यमंत्री ने एनसीसी के विस्तार और प्रस्तावित आधारभूत संरचना विकास से जुड़ी सभी योजनाओं के लिए राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इन पहलों से उत्तराखण्ड के युवाओं को व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व प्रशिक्षण, साहसिक गतिविधियों और राष्ट्र सेवा के अधिक अवसर प्राप्त होंगे। यह बैठक राज्य सरकार और राष्ट्रीय कैडेट कोर के बीच युवाओं के सशक्तिकरण तथा राष्ट्र निर्माण के साझा संकल्प को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

अवैध नशा मुक्ति केंद्र बंद कराने पर क्षेत्रवासियों ने विधायक का किया सम्मान

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश

ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के छिद्दरवाला में बिना वैध दस्तावेजों के संचालित किए जा रहे एक अवैध नशा मुक्ति केंद्र के बंद होने पर क्षेत्रवासियों ने ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल का आभार व्यक्त किया। पूर्व ग्राम प्रधान सोबन सिंह कैंतुरा के नेतृत्व में स्थानीय लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल ऋषिकेश स्थित विधायक के कैंप कार्यालय पहुंचा, जहां उन्होंने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका धन्यवाद किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि लंबे समय से अवैध रूप से संचालित इस केंद्र के कारण क्षेत्र में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो रही थीं। स्थानीय लोगों में सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर चिंता का माहौल था। कई बार शिकायतें किए जाने के बाद जब मामले पर कार्रवाई हुई और केंद्र को बंद कराया गया तो क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली।

भारी बारिश से गंगा नदी चेतावनी स्तर के करीब पहुंची हरिद्वार में प्रशासन अलर्ट, जलभराव से जनजीवन हुआ प्रभावित

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब मैदानी क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। धर्मनगरी हरिद्वार में मूसलाधार वर्षा के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है। शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है, जबकि भीमगोड़ा बैराज पर गंगा का जलस्तर बढ़कर 292.75 मीटर दर्ज किया गया है। यह चेतावनी स्तर 293 मीटर से मात्र 25 सेंटीमीटर नीचे है। हालांकि प्रशासन ने स्थिति को फिलहाल नियंत्रण में बताते हुए सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। लगातार बारिश के बावजूद कांवड़ यात्रा पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी है। हजारों शिवभक्त 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष के साथ कांवड़ पटरी और राष्ट्रीय राजमार्ग से अपने-अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं।

गधेरे में तड़पता मिला नवजात, इंसानियत हुई शर्मिंदा

भारतेंदु संवाददाता, गोपेश्वर

उत्तराखंड के चमोली जिले में मानवता को झकझोर देने वाली एक घटना सामने आई है। दशोली विकासखंड की ग्राम पंचायत रागतोली के समीप गुरुवार सुबह एक गधेरे के किनारे जीवित अवस्था में नवजात शिशु मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय ग्रामीणों की सतर्कता से नवजात की जान बच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शिशु को तत्काल जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। उसकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह कुछ ग्रामीण रागतोली गांव के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान उन्हें गधेरे की ओर से किसी बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि एक नवजात शिशु लावारिस हालत में पड़ा हुआ है।

संकल्प हर की पौड़ी से वीरभद्र महादेव तक निकलेगी ओलंपिक संकल्प कांवड़ यात्रा

ओलंपिक 2036 संकल्प कांवड़ यात्रा को संतों का मिला आशीर्वाद

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

वर्ष 2036 में भारत को ओलंपिक खेलों की मेजबानी दिलाने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही संकल्प कांवड़ यात्रा को संत समाज का समर्थन और आशीर्वाद मिल गया है। यात्रा से पहले उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने गुरुवार को हरिद्वार पहुंचकर जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय महामंत्री महंत हरि गिरि महाराज तथा अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज से शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान संतों ने भारत के ओलंपिक मेजबानी के संकल्प की सफलता की कामना करते हुए अपना समर्थन भी व्यक्त किया।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि 10 अगस्त को हरिद्वार की हर की पैड़ी से गंगाजल लेकर ऋषिकेश स्थित वीरभद्र महादेव

मंदिर तक संकल्प कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा का उद्देश्य केवल धार्मिक परंपरा का निर्वहन करना नहीं, बल्कि पूरे देश में यह संदेश देना है कि भारत वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड से शुरू होने वाला यह अभियान देशभर के खिलाड़ियों, युवाओं और खेल प्रेमियों की आकांक्षाओं का प्रतीक बनेगा।

रेखा आर्या ने कहा कि जब आस्था, राष्ट्रहित और खेल संस्कृति का समन्वय होता है तो वह एक व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप ले लेता है। उनका मानना है कि यह यात्रा देशवासियों में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने के संकल्प को भी मजबूती देगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भगवान भोलेनाथ की कृपा, गंगा मैया के आशीर्वाद और संत समाज के मार्गदर्शन से भारत का वर्ष 2036 में ओलंपिक मेजबानी का सपना अवश्य साकार होगा।

खेल संस्कृति को मिलेगा नया राष्ट्रीय संबल

रेखा आर्या ने कहा कि उत्तराखंड लंबे समय से देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी देने वाला अग्रणी राज्य रहा है। राज्य सरकार खेल अवसंरचना के विस्तार, ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की पहचान और खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि भारत को वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी का अवसर मिलता है तो इसका सबसे बड़ा लाभ देश के युवा खिलाड़ियों को मिलेगा। इससे खेल संस्कृति को नई दिशा मिलेगी, अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं का विकास होगा और देश की अर्थव्यवस्था, पर्यटन तथा रोजगार के अवसरों में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि संकल्प कांवड़ यात्रा के माध्यम से युवाओं को खेलों से जुड़ने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया जाएगा।

तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित होंगी लतिका

भारतेंदु संवाददाता, नैनीताल। नैनीताल की अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी लतिका भंडारी को खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच खेल करियर की शुरुआत करने वाली लतिका ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर देश-विदेश में कई पदक जीतकर उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। वर्ष 2007 में ताइक्वांडो की शुरुआत करने वाली लतिका विश्व रैंकिंग के शीर्ष-20 में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। उन्होंने साउथ एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप और कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के लिए पदक जीते हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदा प्रणाली द्वारा खुली निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा का तरीका : E-Tender (Two Packet)

निविदा सूचना संख्या : 131-W/Dy. CE/C/UMB/2026-27

कार्य का नाम एवं स्थान : अंबाला डिवीजन के UMB-KLK सेक्शन पर अंबाला कैंट और धूलकोट के बीच Km. 204.433 (LC No. 104-SPL) पर 2x4.00x2.65 M RCC बॉक्स (ट्विन बॉक्स) साइज़ के 02 लिमिटेड हाइट सबवे (LHSs) का निर्माण; और UMB-KLK सेक्शन पर लालरू और डप्पर रेलवे स्टेशनों के बीच Km. 218/17-18 पर LC No. 111/SPL की जगह Km. 219/3-5 (शिफ्ट की गई जगह) पर 2x4.00x2.65 M RCC बॉक्स (ट्विन बॉक्स) साइज़ के सबवे का निर्माण। यह निर्माण प्रोटेक्शन प्लेट अरेंजमेंट (PPA) का इस्तेमाल करते हुए नॉर्मल पुशिंग मेथड से किया जाएगा, जिसमें अप्रोच और अन्य संबंधित काम भी शामिल है।

अनुमानित निदेशात्मक परियोजना लागत : रुपये 1441.31 लाख

कार्य निष्पादन की अवधि : 12 (बारह) माह

जमा की जाने वाली जमानती राशि : रुपये 28,82,600.00/-

ई-निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खुलने की तिथि और समय : निविदा दस्तावेज 15:00 बजे दिनांक 06.08.2026 से 27.08.2026 तक आईआरईपीएस की वेबसाईट अर्थात www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि / समय : 27.08.2026 को 15:00 बजे तक, निविदाकर्ता द्वारा 13.08.2026 से 27.08.2026 तक आईआरईपीएस की वेबसाईट अर्थात www.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेज अपलोड की जा सकती है।

ई-निविदा खुलने की तिथि एवं समय : 15:00 बजे दिनांक 27.08.2026 को खोली जाएगी। उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी विस्तृत सूचना देखी जा सकती है।

सं.: 131-डब्ल्यू/उप.मु.अभि..नि./अ.छा./2026-27 दिनांक: 05.08.2026 2707/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

डीए मामले में कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट की दायर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा महंगाई भत्ता (डी.ए.) मामले में पंजाब सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों के पक्ष में दिए गए अहम फैसले के बाद इस मामले ने नया कानूनी मोड़ ले लिया है। कर्मचारियों और पेंशनरों की ओर से संभावित कानूनी चुनौती को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट में 5 अगस्त को कैविएट दायर कर दी गई है। कर्मचारियों का मानना है कि पंजाब सरकार हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन (एस.एल.पी.) दाखिल कर सकती है। इसी संभावना को ध्यान में रखते हुए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, कैविएट एक ऐसा प्रावधान है जिसके माध्यम से किसी भी पक्ष को यह अधिकार मिलता है कि यदि दूसरा पक्ष किसी उच्च अदालत में अपील करता है तो अदालत बिना उसकी बात सुने कोई अंतरिम आदेश या स्थगन (स्टे) जारी न करे। इसका उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया में दोनों पक्षों को समान अवसर देना और एकतरफा आदेशों से बचाव सुनिश्चित करना है।

अब यदि पंजाब सरकार हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एस.एल.पी. दायर करती है तो सर्वोच्च अदालत कर्मचारियों और पेंशनरों को सुने बिना सरकार को कोई अंतरिम राहत नहीं दे सकेगी। पहले कर्मचारियों की ओर से दायर कैविएट पर संज्ञान लिया जाएगा, उन्हें नोटिस जारी होगा और उनका पक्ष सुनने के बाद ही अदालत किसी प्रकार का अंतरिम आदेश पारित करेगी।

गौरतलब है कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में राज्य सरकार को कड़ा निर्देश देते हुए लगभग 8 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों का लंबित महंगाई भत्ता 15 दिनों के भीतर जारी करने का आदेश दिया था।

अवैध खनन पर पंजाब विधानसभा में घमासान, कमेटी की मांग पर कांग्रेस का वॉकआउट

कमेटी गठन की मांग ठुकराने पर कांग्रेस ने सदन से किया वॉकआउट, सरकार ने खनन पर गिनाई कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट पंजाब विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को शून्यकाल में अवैध खनन का मुद्दा जोरदार ढंग से गूंजा। इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने राज्य में अवैध खनन की वास्तविक स्थिति की जांच के लिए विधानसभा की एक सर्वदलीय कमेटी गठित करने की मांग की। कांग्रेस विधायकों ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि केवल सरकारी दावों से स्थिति स्पष्ट नहीं होगी, बल्कि जमीनी स्तर पर जांच आवश्यक है। हालांकि सरकार ने कमेटी गठन की मांग स्वीकार नहीं की, जिसके विरोध में कांग्रेस विधायक दल ने नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया।

सदन में भाजपा विधायक अश्विनी शर्मा, कांग्रेस विधायक अजयवीर सिंह जाखड़ और विधायक मनप्रीत सिंह अयाली द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। जहां भी अवैध खनन की शिकायत मिलती है, वहां तत्काल सर्वे कराया जाता है और शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाती है।

मंत्री ने दावा किया कि पिछली सरकारों के समय खनन से राज्य को लगभग 120 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता था, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में यह बढ़कर करीब 825 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कराए गए खनन सुधारों के मूल्यांकन में पंजाब अपनी श्रेणी में देश में पहले स्थान पर रहा, जिसके लिए राज्य को 200 करोड़ रुपये का

अप्रिसिएशन अवार्ड भी मिला है।

चर्चा के दौरान भाखड़ा बांध का मुद्दा भी उठाया गया। मंत्री बरिंदर गोयल ने कहा कि कुछ समय पहले एक समाचार चैनल द्वारा भाखड़ा बांध के झुकने की खबर प्रसारित की गई थी, जिससे लोगों में अनावश्यक भय का माहौल बन गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बांध की संरचना ऐसी है कि पानी के दबाव के कारण उसमें मामूली झुकाव आना सामान्य इंजीनियरिंग प्रक्रिया है। जैसे ही पानी का दबाव कम होता है, बांध फिर अपनी मूल स्थिति में लौट आता है। वर्ष 1995 से 2025 के बीच यह प्रक्रिया 15 बार हो चुकी है और हर बार बांध पूरी तरह सुरक्षित रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों के विशेषज्ञ भी भाखड़ा बांध की इंजीनियरिंग की सराहना कर चुके हैं।

मंत्री ने बताया कि बांध में लगभग 26 प्रतिशत सिल्ट जमा हो चुकी है, जिससे जल भंडारण क्षमता प्रभावित हुई है। हालांकि इसका बांध की सुरक्षा से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि सिल्ट हटाने की जिम्मेदारी भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) और केंद्र सरकार की है। पंजाब सरकार इस मुद्दे को बीबीएमबी की बैठकों में लगातार उठाती रही है और हाल ही में केंद्र सरकार को पत्र भी भेजा गया है।

खनिज संसाधनों के संबंध में मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने केवल रेत और बजरी तक ही ध्यान सीमित रखा, जबकि अन्य खनिजों की खोज पर गंभीर प्रयास नहीं किए गए। उन्होंने बताया कि वर्ष 1989 में पंजाब में पोटाश मिलने के संकेत मिले थे, लेकिन उस दिशा में आगे कार्रवाई नहीं हुई। वर्तमान सरकार ने इस विषय को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया, जिसके बाद 19 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए और राज्य के 10 स्थानों पर ड्रिलिंग का कार्य शुरू किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

चेन स्नैचिंग मामले में दोनों आरोपी बरी

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। करीब छह वर्ष पुराने चेन स्नैचिंग मामले में मोहाली पुलिस को अदालत में बड़ा झटका लगा है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में आरोपी गुरिंदर सिंह प्रीत और जगविंदर सिंह उर्फ जोती को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता ने दोनों आरोपियों की पहचान करने से इनकार कर दिया और कहा कि पुलिस ने उससे खाली कागजों पर हस्ताक्षर कराए थे। अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य या बरामद सोने की चेन का खरीद बिल भी पेश नहीं कर सका। यह मामला 24 जुलाई 2020 को दर्ज किया गया था।

रिश्वत मामले में महिला कर्मचारी रिमांड पर

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। उपायुक्त कार्यालय की आरआईए शाखा में तैनात सीनियर असिस्टेंट भूपिंदर कौर को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किए जाने के बाद विजिलेंस ब्यूरो ने जांच तेज कर दी है। अदालत ने बुधवार को आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर विजिलेंस के हवाले कर दिया। एजेंसी को करोड़ों रुपये के कथित रजिस्ट्री उगाही रैकेट का संदेह है और अब पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि सेक्टर-111/112 स्थित स्काई रॉक वेलफेयर सोसायटी में नीलामी वाले प्लॉट के आवंटन और रजिस्ट्री के लिए उससे आठ लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। शिकायत के आधार पर विजिलेंस ने जाल बिछाकर दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में भूपिंदर कौर को एक लाख रुपये लेते हुए गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच टीम मोबाइल फोन, बैंक खातों, दस्तावेजों और संपत्ति संबंधी लेनदेन की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान अन्य सरकारी कर्मचारियों, निजी व्यक्तियों और प्रॉपर्टी कारोबारियों की भूमिका भी सामने आ सकती है।

हजार करोड़ की जमीन मामले में तीन पर केस

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। ट्राईसिटी में जमीन धोखाधड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। मोहाली सेक्टर-65 में पार्टनरशिप फर्म बनाकर 42 एकड़ कमर्शियल जमीन पर कब्जा करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता पंचकूला सेक्टर-6 निवासी शिव अग्रवाल ने आदर्श गर्ग, परवीन गर्ग और वेद प्रकाश गर्ग के खिलाफ सोहाना थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जमीन की बाजार कीमत एक हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। शिव अग्रवाल ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी फर्म डीएस बिल्टेक में वेद प्रकाश गर्ग और परवीन गर्ग को हिस्सेदार बनाया, जबकि बाद में आदर्श गर्ग को भी साझेदार बनाया गया। आरोप है कि हिस्सेदारी हस्तांतरण के बाद तय रकम नहीं दी गई और फर्म पर धोखाधड़ी से कब्जा कर लिया गया।

छात्रा से दुष्कर्म, ब्लैकमेल का आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, खरड़। पीजी में रहने वाली एक छात्रा ने अपने सहपाठी मोहित कुमार यादव पर दुष्कर्म, ब्लैकमेल, मारपीट और एसिड अटैक की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी, जो भिवानी का निवासी है, को गिरफ्तार कर लिया है। उसे गुरुवार को खरड़ अदालत में पेश किया जाएगा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि अक्तूबर 2025 में उसकी मुलाकात मोहित से हुई थी। आरोपी ने खुद को एक कंपनी का मालिक बताते हुए नौकरी और शादी का झांसा देकर उसका विश्वास जीता। फरवरी 2026 में वह उसे एक होटल ले गया, जहां उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया और बिना सहमति के अश्लील फोटो व वीडियो बना लिए। इसके बाद आरोपी इन्हें वायरल करने की धमकी देकर लगातार ब्लैकमेल करता रहा और दोबारा शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाता रहा। पीड़िता का आरोप है कि 1 अगस्त की रात आरोपी ने उसके भाई को अश्लील वीडियो भेजे और पिता को फोन कर वीडियो वायरल करने व एसिड अटैक की धमकी दी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 और 351(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाईकोर्ट फैसलों में हाइपरलिंक न्यायिक पारदर्शिता को नई मजबूती

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने न्यायिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब हाईकोर्ट के फैसलों में जिन न्यायिक नजीरों (पूर्व निर्णयों) का उल्लेख किया जाएगा, उनके साथ सक्रिय हाइपरलिंक भी जोड़े जाएंगे। इस नई व्यवस्था के माध्यम से वकील, न्यायिक अधिकारी, शोधार्थी, कानून के विद्यार्थी और आम नागरिक एक ही क्लिक पर संबंधित फैसलों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। इससे न्यायिक शोध और फैसलों की सत्यता की जांच पहले की तुलना में अधिक सरल और तेज होगी।

हाईकोर्ट ने इस पहल की शुरुआत 32 पृष्ठों वाले एक महत्वपूर्ण फैसले से की है। इस निर्णय में सुप्रीम कोर्ट के 35 से अधिक पूर्व फैसलों का उल्लेख किया गया था और प्रत्येक संदर्भ के साथ सक्रिय हाइपरलिंक उपलब्ध कराया गया। इससे किसी भी व्यक्ति को संबंधित

निर्णय खोजने के लिए अलग से लंबी प्रक्रिया नहीं अपनानी पड़ेगी, बल्कि सीधे मूल फैसले तक पहुंच संभव होगी।

यह नई व्यवस्था ऐसे समय लागू की गई है, जब न्यायपालिका कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से तैयार किए जा रहे फर्जी और अप्रमाणिक कानूनी दस्तावेजों को लेकर गंभीर चिंता जता चुकी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया था कि बिना सत्यापन के एआई से प्राप्त कानूनी नजीरों या फैसलों का उपयोग करना गंभीर लापरवाही माना जाएगा। अदालत ने कहा था कि किसी भी कानूनी संदर्भ का उपयोग करने से पहले उसकी प्रामाणिकता सुनिश्चित करना आवश्यक है।

जिस फैसले में पहली बार यह तकनीकी व्यवस्था अपनाई गई, वह हरियाणा के झज्जर जिले से जुड़े एक आपराधिक मामले की अपील से संबंधित था। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने उपलब्ध साक्ष्यों और कानूनी पहलुओं का विस्तृत परीक्षण किया तथा निचली अदालत द्वारा दो दोषियों को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा को रद्द कर दिया।

चंडीगढ़ पुलिस कांस्टेबल भर्ती के बदले नियम इंटरव्यू खत्म, नेगेटिव मार्किंग होगी लागू

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ पुलिस में कांस्टेबल बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए महत्वपूर्ण खबर है। प्रशासन ने ग्रुप-सी (एग्जीक्यूटिव) पुरुष एवं महिला कांस्टेबलों की भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से भर्ती नियमों में अहम बदलाव किए हैं। नए नियमों के तहत अब उम्मीदवारों का इंटरव्यू नहीं लिया जाएगा। अंतिम चयन केवल लिखित परीक्षा और निर्धारित बोनस अंकों के आधार पर तैयार की गई मेरिट सूची से किया जाएगा। इस संबंध में प्रशासन की ओर से अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

नई व्यवस्था के अनुसार भर्ती के लिए 100 अंकों की लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में सभी प्रश्न बहुविकल्पीय (मल्टीपल चॉइस क्वेश्चन) होंगे। प्रत्येक सही उत्तर के लिए उम्मीदवार को एक अंक मिलेगा, जबकि प्रत्येक गलत उत्तर पर 0.25

अंक की नेगेटिव मार्किंग की जाएगी। इस कारण अभ्यर्थियों को उत्तर देते समय विशेष सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि गलत जवाब अंतिम मेरिट को प्रभावित कर सकते हैं।

भर्ती प्रक्रिया में एक और महत्वपूर्ण बदलाव भाषा से जुड़ा है। अब उम्मीदवार अपनी सुविधा के अनुसार हिंदी, पंजाबी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा का चयन कर परीक्षा दे सकेंगे। आवेदन पत्र भरते समय ही अभ्यर्थियों को अपनी पसंद की भाषा चुननी होगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आवेदन जमा होने के बाद चुनी गई भाषा में किसी भी प्रकार का बदलाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए अभ्यर्थियों को भाषा का चयन सोच-समझकर करना होगा।

लिखित परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों को अगले चरण में फिजिकल एंड्यूरेंस टेस्ट (पीईटी) और फिजिकल मेजरमेंट टेस्ट (पीएमटी) से गुजरना होगा। इन परीक्षणों में उम्मीदवारों की शारीरिक क्षमता और निर्धारित मानकों के अनुसार लंबाई तथा अन्य मापदंडों की जांच की जाएगी।

देरी से भुगतान पर बढ़ेगा ब्याज, समय पर जमा करने वालों को मिलेगी अधिक राहत

हरियाणा में ईडीसी बकाया निपटाने की ओटीएस योजना की 31 दिसंबर तक बढ़ी अंतिम अवधि

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने लाइसेंस और चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) मामलों में एक्सटर्नल डेवलपमेंट चार्ज (ईडीसी) का बकाया जमा करने वाले बिल्डरों और डेवलपर्स को बड़ी राहत देते हुए वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना 'समाधान से विकास-2021' की अवधि छह महीने के लिए बढ़ा दी है। अब डेवलपर्स 31 दिसंबर तक इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। हालांकि सरकार ने इस बार स्पष्ट कर दिया है कि भुगतान में जितनी अधिक देरी होगी, उतना ही अधिक ब्याज और पेनल इंटरेस्ट देना पड़ेगा। सरकार का उद्देश्य वर्षों से लंबित ईडीसी बकाया की शीघ्र वसूली करना और विकास परियोजनाओं को गति देना है।

सरकार के इस फैसले से उन बिल्डरों और डेवलपर्स को राहत मिलेगी, जिन पर ईडीसी की बड़ी राशि बकाया है और जो एकमुश्त भुगतान या किस्तों के माध्यम से अपना बकाया चुकाना चाहते हैं। नई अधिसूचना के

अनुसार योजना की अवधि बढ़ाई गई है, लेकिन समय पर भुगतान करने वालों को अधिक लाभ मिलेगा, जबकि देरी करने वालों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा।

नई व्यवस्था के तहत यदि कोई डेवलपर 100 प्रतिशत मूलधन का भुगतान करता है तो उसे बकाया ब्याज और पेनल इंटरेस्ट का निर्धारित हिस्सा भी जमा करना होगा। सरकार ने तय किया है कि यह देनदारी प्रत्येक माह एक प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यानी जितनी देर से भुगतान किया जाएगा, उतनी ही अधिक ब्याज और पेनल इंटरेस्ट की राशि देनी होगी। इससे डेवलपर्स को समय पर बकाया जमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और सरकार को भी लंबित राजस्व की वसूली तेजी से हो सकेगी। सरकार ने 50 प्रतिशत मूलधन जमा करने का विकल्प भी पहले की तरह जारी रखा है। इस व्यवस्था के तहत डेवलपर्स प्रारंभिक रूप से आधी राशि जमा कर योजना का लाभ ले सकते हैं। शेष 50 प्रतिशत राशि चार छमाही किस्तों में जमा करने की सुविधा दी गई है। इन किस्तों पर 8 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देय होगा। यदि कोई डेवलपर निर्धारित समय पर किस्त जमा नहीं करता है तो उस पर अतिरिक्त 2 प्रतिशत ब्याज भी लगाया जाएगा। पहली किस्त की गणना उस तारीख से होगी, जिस दिन 50 प्रतिशत मूलधन और लागू ब्याज का भुगतान किया जाएगा।

सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से डेवलपर्स को वित्तीय योजना बनाने में आसानी होगी और वे एकमुश्त बड़ी राशि जमा करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से बकाया चुका सकेंगे। साथ ही सरकार को भी समयबद्ध तरीके से राजस्व प्राप्त होगा, जिससे विकास कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

मोहाली में कथित नशा तस्कर का अवैध मकान बुलडोजर से किया ध्वस्त

◆ एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार आरोपी पर प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई, अवैध कब्जा हटाया

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। पंजाब सरकार के नशा विरोधी अभियान के तहत मोहाली जिले के बड़माजरा क्षेत्र में बुधवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कथित नशा तस्कर के अवैध रूप से निर्मित मकान को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। पुलिस, ग्राम पंचायत और सिविल प्रशासन की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई थाना बलौंगी क्षेत्र के शिव कॉलोनी निवासी अनिल के खिलाफ की, जो वर्तमान में मादक पदार्थ एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में न्यायिक हिरासत में है।

कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। पुलिस बल की तैनाती के बीच बुलडोजर की सहायता से शामलात भूमि पर बने अवैध निर्माण को गिरा दिया गया। अधिकारियों के अनुसार संबंधित मकान ग्राम पंचायत की भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाया गया था, जिसके खिलाफ पहले से जांच चल रही थी।

पुलिस का दावा है कि यह मकान नशे के अवैध कारोबार से अर्जित धन से तैयार किया गया था और इसका उपयोग कथित रूप से नशा तस्करी के संचालन तथा संदिग्ध गतिविधियों के अड्डे के रूप में किया जा रहा था। जांच में भूमि पर अवैध कब्जे की पुष्टि होने के बाद प्रशासन ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अमल में लाई।

पुलिस उपाधीक्षक खरड़-1 ईशान सिंगला ने बताया कि आरोपी अनिल को पूर्व में कई बार नशा तस्करी की गतिविधियां बंद करने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने अवैध कारोबार जारी रखा। इसके बाद पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई तेज की। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और अवैध कमाई से बनाई गई संपत्तियों पर भी कानून के अनुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

हरियाणा के 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से कोई छूट नहीं

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र ने टीईटी अनिवार्य रखा, शिक्षकों को 2028 तक मिला समय

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

वर्ष 2010 से पहले नियुक्त हजारों शिक्षकों की शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से छूट मिलने की उम्मीदों पर केंद्र सरकार ने फिलहाल विराम लगा दिया है। लोकसभा में सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि टीईटी शिक्षक बनने की न्यूनतम अनिवार्य योग्यता है और इससे छूट देने या पुराने शिक्षकों के लिए अलग पात्रता व्यवस्था लागू करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सरकार ने अपने इस रुख के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसलों का भी हवाला दिया और कहा कि शीर्ष अदालत ने भी टीईटी की अनिवार्यता को वैध माना है।

यह मुद्दा लोकसभा में हरियाणा के सोनीपत से सांसद सतपाल ब्रह्मचारी और हिसार से सांसद जयप्रकाश ने उठाया। दोनों सांसदों ने सरकार से पूछा कि वर्ष 2010 से पहले तत्कालीन नियमों के तहत नियुक्त शिक्षकों की नियुक्ति के समय टीईटी की व्यवस्था लागू नहीं थी। ऐसे में क्या सरकार उनके लिए कोई विशेष प्रावधान या छूट देने पर विचार कर रही है। सांसदों ने कहा कि लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस संबंध में स्पष्ट नीति बनाई जानी चाहिए।

इस पर शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लिखित उत्तर में कहा कि शिक्षक भर्ती और उनकी सेवा शर्तें राज्यों के अधिकार क्षेत्र का विषय हैं, लेकिन शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत आने वाले विद्यालयों में शिक्षक नियुक्ति के लिए टीईटी न्यूनतम अनिवार्य योग्यता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा निर्धारित इस व्यवस्था को सुप्रीम कोर्ट भी वैध ठहरा चुका है। इसलिए टीईटी से छूट देने अथवा किसी वैकल्पिक पात्रता को लागू करने का फिलहाल कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं है।

सरकार ने सदन को यह भी बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने 1 सितंबर 2025 को दिए अपने महत्वपूर्ण फैसले में टीईटी की अनिवार्यता को बरकरार रखा था। इसके बाद 29 मई 2026 को दायर समीक्षा याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान अदालत ने केवल शिक्षकों को राहत देते हुए समयसीमा बढ़ाने का निर्णय लिया। अदालत ने नियमों में कोई बदलाव नहीं किया, बल्कि शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करने के लिए अतिरिक्त समय उपलब्ध कराया।

नए निर्देशों के अनुसार अब संबंधित शिक्षकों को 31 अगस्त 2028 तक टीईटी परीक्षा पास करने का अवसर दिया गया है। इसका अर्थ यह है कि जिन शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता लागू होती है, उन्हें निर्धारित समयसीमा के भीतर परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो भविष्य में उन्हें कानूनी और सेवा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

केंद्र सरकार ने यह भी बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और टीईटी आयोजित करने वाले प्राधिकरणों को सलाह दी है कि पात्रता परीक्षा नियमित रूप से आयोजित की जाए। अदालत ने सुझाव दिया है कि यदि संभव हो तो प्रत्येक वर्ष कम से कम दो बार टीईटी आयोजित की जाए, ताकि कार्यरत शिक्षकों और नए अभ्यर्थियों को समय पर परीक्षा देने और पात्रता प्राप्त करने का पर्याप्त अवसर मिल सके।

सरकार का मानना है कि नियमित परीक्षा आयोजित होने से शिक्षकों को बार-बार अवसर मिलेगा और उन्हें समयसीमा के भीतर पात्रता हासिल करने में सुविधा होगी। इससे शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता बनाए रखने के साथ-साथ योग्य शिक्षकों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा सकेगी। लोकसभा में सरकार के इस जवाब से वर्ष 2010 से पहले नियुक्त हजारों शिक्षकों की टीईटी से स्थायी छूट की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। लंबे समय से विभिन्न शिक्षक संगठन पुराने शिक्षकों के लिए अलग प्रावधान या छूट की मांग कर रहे थे, लेकिन केंद्र ने साफ कर दिया है कि फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

सांसद के पत्रों पर जवाब न देने का मामला केंद्र तक पहुंचा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ नगर निगम के अधिकारियों द्वारा सांसद मनीष तिवारी के पत्रों की पावती और समय पर जवाब नहीं देने का मामला अब केंद्र सरकार तक पहुंच गया है। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव को उचित कार्रवाई के लिए भेज दिया है। इसके बाद प्रशासन ने नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार से मामले में जल्द स्पष्टीकरण और टिप्पणियां मांगी हैं।

जानकारी के अनुसार, सांसद मनीष तिवारी ने एक अक्टूबर 2025 को केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने चंडीगढ़ के नागरिकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों, जन शिकायतों और विकास संबंधी सुझावों को लेकर नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार तथा अन्य अधिकारियों को कई पत्र भेजे, लेकिन पिछले लगभग 15 महीनों में किसी भी पत्र की न तो औपचारिक पावती दी गई और न ही विस्तृत उत्तर उपलब्ध कराया गया।

सांसद ने अपनी शिकायत में केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के 13 सितंबर 2022 के कार्यालय ज्ञापन का भी उल्लेख किया। इस ज्ञापन के अनुसार, सांसदों द्वारा भेजे गए पत्रों की पावती अधिकतम 15 दिनों के भीतर दी जानी चाहिए तथा संबंधित मामलों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। सांसद का आरोप है कि इस दिशा-निर्देश का पालन नहीं किया गया, जिससे जनप्रतिनिधियों के माध्यम से उठाए गए जनहित के मामलों की अनदेखी हुई।

शिकायत मिलने के बाद डीओपीटी के अवर सचिव रुपेश कुमार ने 4 जून 2026 को चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव को पत्र भेजकर मामले में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद प्रशासन के कार्मिक विभाग ने 9 जुलाई 2026 को नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार को पत्र जारी कर पूरे मामले पर जल्द से जल्द तथ्यात्मक टिप्पणियां और स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने को कहा।

अब नगर निगम प्रशासन को यह स्पष्ट करना होगा कि सांसद द्वारा भेजे गए पत्रों की पावती और जवाब निर्धारित समय में क्यों नहीं दिए गए। प्रशासन की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

लुधियाना में धंसी सड़क, हादसे का मंडराया खतरा

लुधियाना में सड़क धंसने से मचा हड़कंप, सीवरेज लाइन के तेज बहाव से बढ़ा खतरा

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना

शहर में वीरवार को हुई तेज बारिश के बाद किचलु नगर इलाके में सड़क धंसने की बड़ी घटना सामने आई है। धामी हॉस्पिटल के नजदीक मुख्य सड़क का करीब 30 फीट लंबा हिस्सा अचानक धंस गया, जिससे मौके पर लगभग 20 फीट गहरा विशाल गड्ढा बन गया। सड़क के नीचे से गुजर रही सीवरेज लाइन में गंदे पानी का तेज बहाव होने के कारण स्थिति और गंभीर हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

सड़क धंसने से आसपास स्थित दो से तीन इमारतों पर भी खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। स्थानीय लोगों और अधिकारियों को आशंका है कि यदि आने वाले दिनों में दोबारा बारिश होती है या जमीन के नीचे की मिट्टी और खिसकती है तो इन इमारतों की नींव को नुकसान पहुंच सकता है। इससे बड़ा हादसा होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

घटना की जानकारी मिलते ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गड्ढे के चारों ओर बैरिकेडिंग कर दी गई। सड़क के प्रभावित हिस्से को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। ट्रैफिक को वैकल्पिक रास्तों से डायवर्ट किया जा रहा है। इसके कारण आसपास के इलाकों में यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मौके पर पहुंचे पार्षद सनी भल्ला ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह सड़क करीब ढाई महीने पहले ही बनाई गई थी, लेकिन इतनी कम अवधि में सड़क का धंस जाना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और यदि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

भाजपा नेता जीवन गुप्ता सहित अन्य नेताओं ने भी घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर में सड़कों और सीवरेज व्यवस्था की स्थिति को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि गड्ढे को जल्द से जल्द भरा जाए और सीवरेज लाइन की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

नगर निगम अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर तकनीकी जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि सीवरेज लाइन में रिसाव या जमीन के अंदर मिट्टी कमजोर होने के कारण सड़क धंसी हो सकती है। हालांकि, वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि बारिश के मौसम में इस तरह की घटनाएं लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं। उन्होंने प्रशासन से शहर की सड़कों, सीवरेज लाइनों और निर्माण कार्यों की नियमित जांच कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके। फिलहाल नगर निगम की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित सड़क की मरम्मत के लिए कार्रवाई की जा रही है।

पंजाब कांग्रेस कार्यक्रम में गुटबाजी समर्थकों ने जमकर की नारेबाजी

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब कांग्रेस में चल रही अंदरूनी खींचतान एक बार फिर सार्वजनिक मंच पर दिखाई दी। लुधियाना के गुरु नानक देव भवन में आयोजित कांग्रेस कार्यक्रम के दौरान पार्टी के प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल की मौजूदगी में जमकर नारेबाजी हुई। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस नेता भारत भूषण आशु के समर्थकों ने उनके पक्ष में नारे लगाए, जिसके बाद पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के समर्थक भी सक्रिय हो गए और उन्होंने अपने नेता के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, चन्नी और आशु के समर्थन में नारे लगाने वालों में उनके समर्थक पार्षद, वार्ड इंचार्ज, ब्लॉक प्रधान और पार्टी के अन्य पदाधिकारी शामिल थे। जैसे ही कार्यक्रम आगे बढ़ा, दोनों गुटों के समर्थकों के बीच नारेबाजी तेज हो गई। लगातार हो रही नारेबाजी के कारण कार्यक्रम स्थल पर कई बार तनावपूर्ण स्थिति बन गई। हालांकि, वहां मौजूद वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हस्तक्षेप कर माहौल शांत कराने की कोशिश की। इस दौरान पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने नारेबाजी कर रहे कार्यकर्ताओं पर नाराजगी जताई। उन्होंने कथित तौर पर नारे लगाने वालों को 'आरएसएस के चमचे' कहकर संबोधित किया और उन्हें कार्यक्रम स्थल से बाहर जाने के लिए कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नारेबाजी जारी रही तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

कार्यक्रम में हुए इस घटनाक्रम के बाद पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी की चर्चाएं फिर तेज हो गई हैं। पार्टी के अंदर पहले भी विभिन्न नेताओं के बीच मतभेद सामने आते रहे हैं। चन्नी, आशु और राजा वड़िंग के समर्थकों के बीच हुई नारेबाजी ने संगठन के भीतर चल रही खींचतान को उजागर कर दिया है।

हालांकि, इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पार्टी नेताओं ने सार्वजनिक रूप से इस विवाद पर कोई टिप्पणी नहीं की है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि आगामी चुनावी तैयारियों के बीच कांग्रेस के लिए संगठनात्मक एकजुटता बनाए रखना बड़ी चुनौती है। ऐसे में कार्यक्रमों के दौरान सामने आ रही गुटबाजी पार्टी की रणनीति और कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर डाल सकती है। अब सभी की नजरें पार्टी नेतृत्व की ओर हैं कि वह इस तरह के विवादों को किस तरह संभालता है।

बरगाड़ी बेअदबी मामले पर पंजाब विधानसभा में हुआ घमासान, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

न्याय की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे दिन बरगाड़ी बेअदबी मामले को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया। कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा परिसर के बाहर पेपर लीक और अन्य मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया। इस दौरान कांग्रेस विधायक काले परने (दुपट्टे) बांधकर पहुंचे और बरगाड़ी बेअदबी मामले में न्याय की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

विपक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार इस संवेदनशील मामले में आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है। नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार हर मोर्चे पर असफल साबित हुई है और बरगाड़ी बेअदबी मामले में पीड़ितों को अब तक इंसाफ नहीं मिल पाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान को खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि सरकार अपने दावों को तथ्यों के आधार पर साबित करे।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बरगाड़ी मामला पंजाब की जनता की भावनाओं से जुड़ा गंभीर विषय है और इसमें जल्द से जल्द दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। विपक्ष ने स्पष्ट किया कि वह इस मुद्दे को लगातार उठाता रहेगा और सरकार से जवाब मांगता रहेगा।

विधानसभा परिसर के बाहर प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायक प्रगट सिंह और कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह ख्यालपुर के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे पर राजनीतिक आरोप लगाए, जिससे कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हुई।

प्रदर्शन और बहस के बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई। विपक्ष की ओर से संकेत दिए गए हैं कि बरगाड़ी बेअदबी मामला सदन के अंदर भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। कांग्रेस ने कहा है कि वह जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरती रहेगी। वहीं सत्ता पक्ष की ओर से विपक्ष के आरोपों का जवाब देने की तैयारी की जा रही है।

मैनेजर से परेशान युवक ने जहरीली दवा खाकर दी जान

भारतेंदु संवाददाता, गुरदासपुर। सेवा केंद्र में तैनात एक युवक द्वारा जहरीली दवा खाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। घटना गुरदासपुर के कॉलेज रोड स्थित सेवा केंद्र की बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक की मां के बयानों के आधार पर सेवा केंद्र के मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन आरोपी अभी फरार बताया जा रहा है।

पुलिस को दिए बयान में मृतक नवप्रीत सिंह की मां दविंदर कौर निवासी अटारी, थाना घुम्मन कलां ने बताया कि उनका बेटा कॉलेज रोड स्थित सेवा केंद्र में प्राइवेट ड्यूटी करता था। वह अक्सर अपने काम और वहां की परिस्थितियों के बारे में परिवार को जानकारी देता था। मां ने आरोप लगाया कि सेवा केंद्र का मैनेजर हनी निवासी गुरदासपुर उनके बेटे को परेशान करता था, जिसके कारण नवप्रीत काफी तनाव में रहता था। उन्होंने बताया कि घटना वाले दिन नवप्रीत घर से ड्यूटी के लिए गया था। इसके बाद उसने फोन कर बताया कि मैनेजर से परेशान होकर उसने लोहे वाले पुल के पास कोई जहरीली वस्तु खा ली है।

परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

गुरदासपुर में ऑपरेशन प्रहार से 100 आरोपी गिरफ्तार

एक हजार पुलिसकर्मियों की कार्रवाई, नशा तस्करों और अपराधियों पर कसा शिकंजा

भारतेंदु संवाददाता, गुरदासपुर। बॉर्डर रेंज पुलिस ने अपराध और नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार तड़के गुरदासपुर जिले में 'ऑपरेशन प्रहार' चलाया। बॉर्डर रेंज के डीआईजी हरमनबीर सिंह गिल के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान पुलिस ने जिलेभर में एक साथ छापेमारी कर 100 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में करीब 20 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया।

डीआईजी हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि बॉर्डर रेंज का यह तीसरा बड़ा अभियान है। इससे पहले अमृतसर देहात और बटाला में भी इस तरह की कार्रवाई की जा चुकी है। गुरदासपुर में चलाए गए अभियान की कमान एसएसपी आदित्य संभाल रहे थे। इसके अलावा लॉ एंड ऑर्डर विंग की ओर से अतिरिक्त पुलिस बल और अधिकारियों की तैनाती की गई थी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नशा तस्कर, गंभीर अपराधों में वांछित लोग, लंबे समय से फरार आरोपी और पीओ घोषित अपराधी (पीओ) शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुछ हथियार भी बरामद किए हैं। पुलिस ने यह पूरी कार्रवाई पहले से जुटाई गई मानव खुफिया जानकारी और सर्विलांस के आधार पर की।

डीआईजी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य नशा तस्करी के संवेदनशील क्षेत्रों, गैंगस्टरों के प्रभाव वाले इलाकों और ड्रोन के जरिए होने वाली तस्करी से प्रभावित क्षेत्रों में कार्रवाई करना है। इसके अलावा अपराधियों के सहयोगियों, उनके संपर्कों और पुराने मामलों में फरार चल रहे आरोपियों को पकड़ना भी अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन गतिविधियों में पहले की अपेक्षा कमी आई है। पुलिस का एंटी-ड्रोन सिस्टम लगातार प्रभावी तरीके से काम कर रहा है। जहां भी ड्रोन की सूचना मिलती है, वहां तुरंत पुलिस टीमों को भेजा जाता है।

कपूरथला में पेट्रोल-डीजल मिलावट पर प्रशासन सख्त, जांच अभियान शुरू

भारतेंदु संवाददाता, कपूरथला। जिले में पेट्रोल-डीजल में मिलावट और ईंधन की गैर-कानूनी बिक्री को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। डिप्टी कमिश्नर आकाश बंसल ने जिले के सभी पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने यह आदेश जिला प्रशासनिक परिसर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित विभागों और तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों को दिए।

बैठक में फूड, सिविल सप्लाई और कंज्यूमर अफेयर्स विभाग के अधिकारियों के साथ इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधि मौजूद रहे। डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों को जिलेभर में विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की गुणवत्ता जांचने के लिए रिटेल दुकानों से ईंधन के सैंपल लिए जाएं। इसके अलावा पेट्रोल पंपों के स्टॉक रिकॉर्ड, भंडारण व्यवस्था और बिक्री से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जाए। बिना अनुमति मोबाइल डिस्पेंसर या अन्य अवैध माध्यमों से ईंधन बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा गया है।

डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों में मिलावट और अवैध बिक्री कानून का उल्लंघन होने के साथ-साथ आम लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

सोशल मीडिया वीडियो के बाद कार्रवाई कर यातायात नियमों का पालन करने की चेतावनी

जालंधर में खतरनाक स्टंट पर पुलिस का शिकंजा, युवकों के काटे चालान

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। सोशल मीडिया पर चलती गाड़ियों पर खतरनाक स्टंट करते युवकों का वीडियो वायरल होने के बाद कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने वीडियो के आधार पर स्टंटबाजी कर सड़क पर हुड़दंग मचाने वाले युवकों की पहचान कर उन्हें पकड़ लिया और उनके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किए हैं। पुलिस ने युवकों को भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोबारा न करने की कड़ी चेतावनी भी दी है।

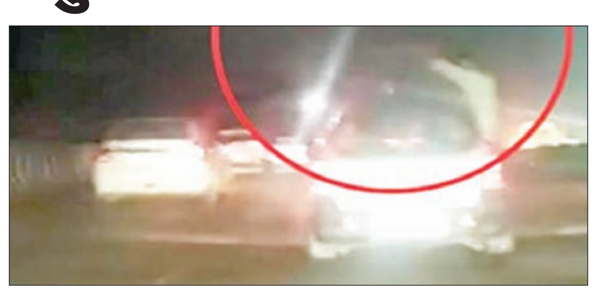

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक सड़कों पर वाहन चलाते समय खतरनाक स्टंट करना कानून का उल्लंघन है। ऐसी गतिविधियां न केवल स्टंट करने वाले व्यक्ति की जान को खतरे में डालती हैं, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बनती हैं। उन्होंने कहा कि कई बार इस तरह की लापरवाही के कारण गंभीर सड़क हादसे हो जाते हैं, जिनमें जान-माल का नुकसान होने की संभावना रहती है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने युवकों को यातायात नियमों का पालन करने और जिम्मेदारी के साथ वाहन चलाने के लिए जागरूक किया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने के लिए सड़क पर स्टंट करना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कब्र से खोपड़ी निकालने के आरोप में दो गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, फाजिल्का। सैनियां रोड स्थित बाबा अतरशाह डेरे के पीछे बने कब्रिस्तान में कब्र खोदकर कंकाल की खोपड़ी निकालने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना का खुलासा उस समय हुआ, जब गांव इस्लामवाला निवासी एक व्यक्ति बाबा अतरशाह डेरे में पहुंचा। जानकारी के अनुसार उक्त व्यक्ति ने कब्रिस्तान में देखा कि दो लोग एक कब्र खोद रहे थे और वहां से कंकाल की खोपड़ी निकालने का प्रयास कर रहे थे। उसने तुरंत इस पूरी घटना का वीडियो बनाया और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही वहां मौजूद लोगों की मदद से दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक ने अपनी पहचान हरीश बाबा के रूप में बताई है।

लुधियाना जेल में हेरोइन और मोबाइल बरामद, दो हवालाती हुए गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। केंद्रीय जेल लुधियाना में बंद कैदियों और हवालातियों द्वारा जेल नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है। जेल प्रशासन की ओर से चलाए गए अचानक तलाशी अभियान के दौरान दो हवालातियों के कब्जे से नशीला पदार्थ और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मामले के बाद जेल अधिकारियों की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केंद्रीय जेल लुधियाना के सहायक सुपरिंटेंडेंट बलिहार सिंह ने बताया कि जेल परिसर और विभिन्न बैरकों में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए अचानक चेकिंग अभियान चलाया गया था। इस दौरान हवालाती सोनू ठाकुर और कुलविंदर सिंह की तलाशी ली गई। तलाशी में उनके पास से 34 ग्राम सफेद रंग का नशीला पदार्थ बरामद हुआ, जिसे शुरुआती जांच में हेरोइन या चिट्टा बताया जा रहा है। इसके अलावा दोनों आरोपियों से अलग-अलग कंपनियों के पांच मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

जेल प्रशासन के अनुसार, उच्च सुरक्षा वाली जेल के अंदर नशीले पदार्थ और मोबाइल फोन का मिलना गंभीर सुरक्षा चूक का मामला है। जेल अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की गतिविधियां जेल नियमों का उल्लंघन होने के साथ-साथ सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा पैदा करती हैं।

रोजगार का सपना बना जाल, रूस पहुंचे युवक ने सुनाई दर्दनाक आपबीती

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। विदेश में बेहतर रोजगार और उज्ज्वल भविष्य का सपना लेकर रूस पहुंचे जालंधर के एक युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर ट्रैवल एजेंट पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवक का दावा है कि नौकरी दिलाने का झांसा देकर उसे और कई अन्य भारतीय युवकों को रूस बुलाया गया, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उन्हें जंगल के बीच बने एक ठिकाने पर छोड़ दिया गया। युवक की वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और उसने अन्य युवाओं से रूस न आने की भावुक अपील की है।

युवक आकाशदीप ने पांच अलग-अलग वीडियो साझा किए हैं, जिनमें उसने दिल्ली एयरपोर्ट से लेकर मॉस्को पहुंचने और वहां की परिस्थितियों का पूरा घटनाक्रम बताया है। वीडियो में वह बार-बार कहता दिखाई देता है कि 'रूस मत आओ भाई' और किसी भी एजेंट के झांसे में न आने की सलाह देता है।

उसका आरोप है कि एजेंट ने रोजगार का लालच देकर उसे विदेश भेजा, लेकिन वहां पहुंचने पर किए गए सभी वादे झूठे साबित हुए।

आकाशदीप के अनुसार, ट्रैवल एजेंट पवन कुमार ने उसका रूस का वीजा लगवाया था। 15 जून को वह दिल्ली से मॉस्को पहुंचा। एजेंट ने उसे भरोसा दिलाया था कि वहां फल तोड़ने का काम मिलेगा और अच्छी आय होगी। लेकिन मॉस्को एयरपोर्ट पर एजेंट का एक व्यक्ति उसे लेने आया और वहां से उसे तथा भारत के विभिन्न राज्यों से पहुंचे अन्य युवकों को शहर से काफी दूर एक जंगल क्षेत्र में बने अस्थायी ठिकाने पर छोड़ दिया गया।

युवक का आरोप है कि वहां रहने की व्यवस्था बेहद खराब है। उसने बताया कि हरियाणा, राजस्थान सहित कई राज्यों के युवक भी उसी स्थान पर रह रहे हैं। सभी को बेहद तंग जगह में रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है और उन्हें मूलभूत सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं मिल रही हैं। उसने दावा किया कि जिन लोगों को नौकरी का भरोसा देकर रूस बुलाया गया, उन्हें बाद में रूसी सेना में भर्ती कराने का दबाव बनाया जा रहा है।

आकाशदीप ने कहा कि वह खुद इस समय गंभीर परेशानी में फंसा हुआ है और उसके साथ मौजूद युवक भी भय और असमंजस की स्थिति में हैं।

अव्यवस्था | स्वदेशी मेले में अनियमितताओं पर शहरवासियों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई मांगी

स्वदेशी मेले की व्यवस्थाओं पर नागरिकों ने उठाए सवाल

भारतेंदु संवाददाता, रनाला। अनाज मंडी में आयोजित स्वदेशी मेले में सामने आई कथित अनियमितताओं को लेकर शहर के गणमान्य नागरिकों ने चिंता जताई है। सुबह की सैर के बाद एक क्लब में आयोजित 'मॉर्निंग टेबल चर्चा' में शहरवासियों ने मेले में घरेलू गैस सिलेंडरों के इस्तेमाल, खेल प्रतियोगिताओं में नकद पुरस्कार दिए जाने और युवाओं की ओर से की जा रही हुड़दंग जैसी घटनाओं पर खुलकर विचार रखे। बैठक में प्रशासन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठाए गए।

नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष मक्खन शर्मा ने कहा कि शहर के सबसे बड़े मेले में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होना बेहद जरूरी है, क्योंकि बड़ी संख्या में परिवार अपने बच्चों के साथ मेले में पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए प्रशासन को पहले से ही बेहतर तैयारी करनी चाहिए।

नगर पार्षद हेमराज गर्ग ने कहा कि संबंधित विभागों को मेला शुरू होने से पहले सभी स्टॉलों की जांच करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि शिकायतों के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले से निगरानी व्यवस्था मजबूत करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

क्रांतिकारी व्यापार मंडल के अध्यक्ष नीरज जिंदल ने कहा कि बड़े आयोजनों की सफलता के लिए आयोजकों और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कुछ स्टॉल संचालकों द्वारा नियमों की अनदेखी करने से पूरे मेले की छवि प्रभावित होती है। व्यापारी वर्ग हमेशा मेले के सफल आयोजन में सहयोग करता है, लेकिन नियमों का पालन सभी के लिए आवश्यक है।

मेले की अव्यवस्थाओं पर नागरिकों ने प्रशासन से कड़े कदम उठाने की मांग की

बैठक में खेल प्रतियोगिताओं में नकद पुरस्कार दिए जाने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। सिम्मा कालोनी के अध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां युवाओं को गलत दिशा में ले जा सकती हैं और संबंधित विभागों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। सुखदेव लुटावा ने कहा कि यदि नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

अग्रवाल सभा के सरपरस्त प्यारालाल रायसरिया ने कहा कि मेले हमेशा परिवारों के मनोरंजन का माध्यम रहे हैं, लेकिन युवाओं की हुड़दंग के कारण परिवारों में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। कृष्ण कुमार बिट्टू ने गायक नाइट के दौरान हुई धक्का-मुक्की की घटनाओं पर चिंता जताई और पुलिस बल बढ़ाने की मांग की।

संजीव शैली, गगन सोहल, उमेश बंसल और ईशान गोयल ने प्रशासन से मांग की कि मेले की शेष अवधि में सभी स्टॉलों की गहन जांच की जाए और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। जीवन बंसल गोला ने कहा कि शहरवासियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए।

धन वैभव के साथ प्रेम, शांति और अच्छे विचारों की प्रेरणा देता है शुक्रवार

सुखदेव सिंह
नूरपुर, जिला कांगड़ा

सप्ताह के सात दिनों में शुक्रवार का अपना विशेष महत्व है। भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में शुक्रवार को सुख, समृद्धि, सौंदर्य और सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा दिन माना जाता है। यह दिन विशेष रूप से माता लक्ष्मी और शुक्र ग्रह को समर्पित माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शुक्रवार का दिन जीवन में धन, वैभव, शांति और खुशहाली का प्रतीक है। हालांकि शुक्रवार का महत्व केवल धार्मिक विश्वासों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिन जीवन में संतुलन, प्रेम और अच्छे विचारों को अपनाने की प्रेरणा भी देता है।

भारतीय परंपरा में माता लक्ष्मी को धन और समृद्धि की देवी माना गया है। शुक्रवार के दिन कई लोग माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं और अपने घर में सुख शांति तथा समृद्धि की कामना करते हैं। मान्यता है कि स्वच्छता, सकारात्मक सोच और अच्छे कर्मों से माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। इसलिए शुक्रवार को घर की साफ सफाई, पूजा पाठ और जरूरतमंद लोगों की सहायता जैसे कार्यों को शुभ माना जाता है।

ज्योतिष के अनुसार शुक्रवार का संबंध शुक्र ग्रह से माना जाता है। शुक्र को प्रेम, कला, सौंदर्य, भौतिक सुख और रचनात्मकता का कारक माना गया है। जिन लोगों के जीवन में शुक्र का प्रभाव मजबूत होता है, उनमें कला, संगीत, सौंदर्य और सामाजिक संबंधों के प्रति रुचि अधिक होने की मान्यता है। शुक्रवार का दिन व्यक्ति को अपने जीवन में सुंदरता और सकारात्मकता बढ़ाने का संदेश देता है।

शुक्रवार केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। सप्ताह भर की भागदौड़ के बाद यह दिन व्यक्ति को अपने परिवार, मित्रों और स्वयं के लिए समय निकालने का अवसर देता है। आधुनिक जीवन में जब लोग काम और जिम्मेदारियों के दबाव में रहते हैं, तब शुक्रवार उन्हें अपने जीवन में संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

परिवार और रिश्तों के लिए भी शुक्रवार का विशेष महत्व माना जा सकता है। जीवन में धन और सफलता के साथ प्रेम, सम्मान और आपसी सहयोग भी जरूरी हैं। मजबूत रिश्ते व्यक्ति को मानसिक शांति और भावनात्मक मजबूती प्रदान करते हैं। शुक्रवार हमें यह संदेश देता है कि जीवन की वास्तविक समृद्धि केवल धन से नहीं बल्कि अच्छे संबंधों और सकारात्मक भावनाओं से भी प्राप्त होती है।

आज के समय में सफलता की दौड़ में लोग कई बार मानसिक शांति को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में शुक्रवार का महत्व और बढ़ जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन में काम और आराम के बीच संतुलन आवश्यक है। अपनी रुचियों को समय देना, परिवार के साथ जुड़ना और अच्छे कार्यों में भाग लेना मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।

शुक्रवार कला और रचनात्मकता से भी जुड़ा दिन माना जाता है। संगीत, साहित्य, चित्रकला और अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए यह दिन प्रेरणा का प्रतीक हो सकता है। रचनात्मक सोच व्यक्ति को नई ऊर्जा देती है और जीवन को बेहतर बनाने में सहायता करती है।

समाज में शुक्रवार का एक महत्वपूर्ण संदेश सेवा और सहयोग का भी है। जरूरतमंद लोगों की मदद करना, दूसरों के प्रति संवेदनशील रहना और समाज के कल्याण के लिए कार्य करना जीवन को अधिक सार्थक बनाता है। समृद्धि का वास्तविक अर्थ केवल स्वयं की उन्नति नहीं बल्कि दूसरों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाना है। आधुनिक युग में भले ही जीवन शैली बदल गई हो, लेकिन शुक्रवार जैसे दिनों से जुड़ी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक भावनाएँ आज भी लोगों को प्रेरणा देती हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भौतिक विकास के साथ मानसिक शांति और नैतिक मूल्यों का होना भी जरूरी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

7 अगस्त का दिन याद दिलाता है विश्व कवि टैगोर के महान जीवन और योगदान को

डॉ. राज कुमारी
साइकोलॉजिस्ट

रवींद्रनाथ टैगोर भारतीय साहित्य, संस्कृति और विचार परंपरा के ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं से न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित किया। 7 अगस्त 1941 को उनके निधन के साथ भारतीय साहित्य के एक स्वर्णिम युग का अंत हुआ। हालांकि उनका शरीर संसार से विदा हो गया, लेकिन उनकी कविताएँ, कहानियाँ, गीत, विचार और मानवतावादी दृष्टिकोण आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरणा देते हैं।

रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के प्रसिद्ध ठाकुर परिवार में हुआ था। बचपन से ही उनमें साहित्य, संगीत और कला के प्रति गहरी रुचि थी। उन्होंने बहुत कम उम्र में लेखन शुरू कर दिया था। उनकी रचनाओं में प्रकृति, मानव प्रेम, स्वतंत्र विचार और आध्यात्मिक चेतना की झलक दिखाई देती है। वे केवल एक कवि नहीं थे बल्कि दार्शनिक, शिक्षाविद, संगीतकार और समाज सुधारक भी थे।

टैगोर को विश्व स्तर पर पहचान उनकी महान कृति गीतांजलि के लिए मिली। इस रचना के लिए उन्हें 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला। वे यह सम्मान प्राप्त करने वाले पहले एशियाई साहित्यकार बने। उनकी इस उपलब्धि ने भारतीय साहित्य को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाई। उनकी कविताओं और गीतों में मानवीय भावनाओं की गहराई और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण दिखाई देता है।

रवींद्रनाथ टैगोर का मानना था कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के विचारों को स्वतंत्र बनाना और उसकी रचनात्मक क्षमता को विकसित करना होना चाहिए। इसी सोच के आधार पर उन्होंने शांतिनिकेतन की स्थापना की, जो आगे चलकर विश्वभारती विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ। उनका सपना था कि शिक्षा प्रकृति के निकट और जीवन से जुड़ी हुई हो।

टैगोर का राष्ट्रवाद भी व्यापक मानवीय दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ था। वे देश से प्रेम करते थे, लेकिन उनका मानना था कि मानवता सबसे ऊपर है। उन्होंने संकीर्ण सोच और भेदभाव का विरोध किया। उनके विचारों में स्वतंत्रता केवल राजनीतिक आजादी नहीं बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वतंत्रता भी थी। उनका साहित्य लोगों को प्रेम, समानता और भाईचारे का संदेश देता है।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के समय भी टैगोर की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से लोगों में जागरूकता पैदा की। उन्होंने ब्रिटिश सरकार द्वारा दी गई नाइटहुड की उपाधि जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में वापस कर दी थी। यह कदम उनके राष्ट्रप्रेम और मानवीय संवेदनशीलता को दर्शाता है।

7 अगस्त 1941 को कोलकाता में रवींद्रनाथ टैगोर का निधन हुआ। उनके अंतिम समय तक उनका मन साहित्य और चिंतन में लगा रहा। उनके निधन की खबर से भारत और विश्व के साहित्य जगत में शोक की लहर फैल गई। देश ने एक महान कवि, विचारक और मार्गदर्शक को खो दिया था।

टैगोर की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने साहित्य को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं माना बल्कि समाज को दिशा देने वाला साधन समझा। उनकी रचनाओं में जीवन के संघर्ष, प्रकृति की सुंदरता, प्रेम की भावना और मानवता का संदेश मिलता है। उनकी लेखनी ने लोगों को सोचने, समझने और बेहतर समाज बनाने की प्रेरणा दी।

आज भी रवींद्रनाथ टैगोर की रचनाएँ विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और साहित्यिक संस्थानों में पढ़ी जाती हैं। भारत के राष्ट्रगान जन गण मन की रचना भी उन्होंने ही की थी। इसके अलावा बांग्लादेश के राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला के रचयिता भी टैगोर ही हैं। यह उनकी प्रतिभा और प्रभाव की व्यापकता को दर्शाता है। रवींद्रनाथ टैगोर का जीवन हमें सिखाता है कि ज्ञान, रचनात्मकता और मानवता के माध्यम से समाज में स्थायी परिवर्तन लाया जा सकता है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

संपादकीय

पत्रकारिता का बदलता स्वरूप

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज को सही, निष्पक्ष और प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराना तथा जनता और शासन के बीच एक मजबूत संवाद स्थापित करना है। समय के साथ पत्रकारिता के स्वरूप में व्यापक बदलाव आया है। कभी समाचार पत्र और पत्रिकाएँ सूचना के प्रमुख माध्यम हुआ करते थे, लेकिन आज डिजिटल तकनीक, इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों ने पत्रकारिता की पूरी दुनिया को बदल दिया है। इस परिवर्तन ने पत्रकारिता को नए अवसर दिए हैं, वहीं कई गंभीर चुनौतियाँ भी सामने खड़ी कर दी हैं।

प्राचीन समय में समाचारों का प्रसार सीमित साधनों के माध्यम से होता था। समाचार पत्रों का प्रकाशन एक लंबी प्रक्रिया थी और पाठकों तक खबर पहुंचने में समय लगता था। पत्रकारों को घटनाओं की गहराई से जांच करनी पड़ती थी और खबरों को प्रकाशित करने से पहले कई स्तरों पर सत्यापन किया जाता था। उस दौर की पत्रकारिता में धैर्य, जिम्मेदारी और सामाजिक सरोकार का विशेष महत्व था।

आज पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदल गया है। डिजिटल माध्यमों के आने से समाचार अब कुछ ही क्षणों में दुनिया भर में पहुंच जाते हैं। ऑनलाइन समाचार मंच, मोबाइल एप और सामाजिक माध्यमों ने आम लोगों को भी सूचना साझा करने का अवसर दिया है। अब कोई भी व्यक्ति किसी घटना की जानकारी तुरंत दुनिया के सामने रख सकता है। इससे समाचारों की पहुंच बढ़ी है और पत्रकारिता अधिक व्यापक हुई है।

डिजिटल पत्रकारिता ने मीडिया संस्थानों के काम करने के तरीके में भी बदलाव किया है। अब समाचार पत्रों के साथ-साथ वेबसाइट, वीडियो चैनल और अन्य ऑनलाइन मंच महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पाठक और दर्शक भी अब केवल खबर पढ़ना नहीं चाहते बल्कि उसके साथ तस्वीरें, वीडियो और विश्लेषण भी चाहते हैं। इसलिए पत्रकारिता में मल्टीमीडिया का महत्व बढ़ गया है।

हालांकि बदलते स्वरूप के साथ पत्रकारिता के सामने कई चुनौतियाँ भी आई हैं। सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता की है। इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों पर गलत सूचनाएँ तेजी से फैलती हैं। कई बार बिना जांची परखी खबरें लोगों तक पहुंच जाती हैं, जिससे समाज में भ्रम और तनाव पैदा हो सकता है। ऐसे समय में पत्रकारों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे हर जानकारी को सत्यापित करने के बाद ही जनता तक पहुंचाएं।

आज पत्रकारिता के सामने व्यावसायिक दबाव भी एक बड़ी चुनौती है। कई बार अधिक दर्शक या पाठक जुटाने की प्रतिस्पर्धा में सनसनीखेज खबरों को प्राथमिकता दी जाती है। इससे पत्रकारिता के मूल उद्देश्य प्रभावित हो सकते हैं। खबर का उद्देश्य केवल लोगों का ध्यान आकर्षित करना नहीं बल्कि समाज को सही दिशा देना भी होना चाहिए।

सामाजिक माध्यमों के बढ़ते प्रभाव ने पत्रकारिता के सामने एक नई चुनौती खड़ी की है। अब खबर और विचार के बीच अंतर करना कई बार कठिन हो जाता है। लोग कई बार किसी व्यक्तिगत राय को भी समाचार समझ लेते हैं। ऐसे में मीडिया संस्थानों को अपनी निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अधिक सावधानी बरतनी होगी।

पत्रकारिता में तकनीक का प्रभाव भी लगातार बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विश्लेषण और आधुनिक डिजिटल उपकरणों ने समाचार संग्रह और प्रस्तुति के तरीके बदल दिए हैं। इन तकनीकों से पत्रकारों को बेहतर काम करने में सहायता मिल सकती है, लेकिन मानवीय संवेदना और पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों का महत्व हमेशा बना रहेगा।

पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी स्वतंत्रता है। एक स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया ही लोकतंत्र को मजबूत बना सकता है। पत्रकारों का कार्य केवल घटनाओं की जानकारी देना नहीं बल्कि समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने लाना भी है। भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, पर्यावरण, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर जिम्मेदार पत्रकारिता समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

बदलते समय में पत्रकारों के लिए नई चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं। उन्हें तेजी से बदलती तकनीक के साथ स्वयं को अपडेट रखना होगा। साथ ही तथ्य जांच, डिजिटल सुरक्षा और नैतिक पत्रकारिता के सिद्धांतों को मजबूत करना होगा। केवल तेज खबर देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सही और विश्वसनीय खबर देना अधिक महत्वपूर्ण है।

भविष्य की पत्रकारिता तकनीक और मानवीय मूल्यों के संतुलन पर निर्भर करेगी। डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए भी पत्रकारिता को अपनी मूल भावना नहीं खोनी चाहिए। निष्पक्षता, सत्यता और जनहित ऐसे मूल्य हैं जो हर दौर में पत्रकारिता की पहचान बने रहेंगे।

अंततः कहा जा सकता है कि पत्रकारिता का स्वरूप भले ही बदल गया हो, लेकिन उसका उद्देश्य आज भी वही है — समाज को जागरूक करना और लोकतंत्र को मजबूत बनाना। बदलती तकनीक और नई चुनौतियों के बीच पत्रकारिता को अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। यदि पत्रकारिता जिम्मेदारी, निष्पक्षता और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ती रही तो वह आने वाले समय में भी समाज की सबसे प्रभावशाली आवाज बनी रहेगी।

-शिवांश धाकड़

कविता

दोस्त याद आते हैं

डॉ. कौमार्या मनोज

पता नहीं ये जिंदगी, कब कहां ले जाएगी।
सोंचा नहीं था यार मेरे, शहर को मैं बस जाऊंगा।।
वो बचपन की अठखेलियां, दोस्तों से की शरारतें ।
सोच न पाया कभी, सब कुछ यूं ही भूल जाऊंगा।।
वो भूलते बिसरते पल, मुझको बड़ा सताते हैं।
वो पुरानी घर हवेली, और दोस्त याद आते हैं।।
पर जब कभी जाता हूं घर, मिलता ना सखा, सखी कोई।
सबके सब स्व घर बेचकर, शहर में घोंसला पाते हैं।।
बच्चें हुए बड़े सभी, सब सेटल अपनी जिंदगी।
पर वो सुकून कहां, जो दोस्तों में पाते हैं।।
थी वो निस्वार्थ जिंदगी, थी वो नि:स्वर्थ दोस्ती।
वेशक जमीं पर पढ़ते थे, फिर कल जाने को मचलते थे।।
अब घर घर क़ालीन है, सोफा बिसरा है यहां वहां।
मन जो है बेचैन है, न है अपनी वो खुशी।

प्रकृति संकट के बीच मानव को विकास और पर्यावरण संतुलन पर करना होगा गंभीर विचार

विशाल कल्याण, सहायक प्रोफेसर, महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी, सोलन

धरती आज मानो एक बहती हुई नदी बन गई है-एक ऐसी नदी, जिसमें अनगिनत शाखाएं, पत्ते, किनारे और उनसे जुड़ी अनगिनत कहानियां एक साथ बह रही हैं, किंतु यह प्रवाह अब जीवनदायिनी नहीं, बल्कि अपने ही अस्तित्व के क्षरण की कहानी कह रहा है। विडंबना यह है कि यह नदी अब सूखने की कगार पर है। इसके किनारों पर पनपी सभ्यताएं धीरे-धीरे कंक्रीट में बदलकर अपने ही अस्तित्व को श्रद्धांजलि देती प्रतीत हो रही हैं।

मानव, जिसे सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ कहा गया, आज विकास की अंधी दौड़ में इतना खो गया है कि उसे अपने ही कदमों की आहट सुनाई नहीं दे रही। वह यह भूल चुका है कि जिस प्रकृति की गोद में उसका जन्म हुआ, उसी के विनाश का मार्ग वह स्वयं प्रशस्त कर रहा है। प्रश्न यह उठता है-जब धरती ही नहीं बचेगी, तो विकास का यह प्रदर्शन किसके लिए होगा? धरती रोई मौन हो, नभ भी हुआ उदास। लोभ लालच में बंधा, मानव हुआ निराश। अरावली, हिमालय और शिवालिक की पर्वत श्रृंखलाएं, जो कभी अडिग और सशक्त प्रतीत होती थीं, आज अपने घावों को समेटे मौन खड़ी हैं। राजस्थान जैसे राज्य, जहां जल की हर बूंद अमूल्य है, वहां ग्रीन एनर्जी के नाम पर सोलर पैनलों को ठंडा रखने के लिए हजारों लीटर पानी व्यर्थ बहाया जा रहा है। यह विरोधाभास हमारी विकास की सोच पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

जहां कभी खेजड़ी के वृक्ष जीवन का प्रतीक बनकर खड़े थे, आज वहां सूखे ठूंठ और बंजर धरती अपनी कहानी स्वयं कह रहे हैं। यह परिवर्तन केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि हमारी संवेदनाओं के क्षरण का भी प्रतीक है।

पेड़ों की हर एक श्वास, जीवन का विस्तार। इनको काटे जो मनुज, करता स्वयं संहार। मध्य प्रदेश में आदिवासी महिलाएं जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए जल सत्याग्रह कर रही हैं। उनका संघर्ष केवल संसाधनों के लिए नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व के लिए है। उनकी यह मौन पुकार आधुनिकता के शोर में कहीं खोती जा रही है।

दूसरी ओर, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में विकास के नाम पर लाखों पेड़ों की बलि देने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। इसे प्रगति का प्रतीक कहा जा रहा है, किंतु पर्यावरण के दृष्टिकोण से यह एक गंभीर संकट का संकेत है। जैव विविधता का ह्रास और आदिवासी समुदायों का विस्थापन— क्या यही हमारे विकास की कीमत है? जब दुनिया के सबसे गर्म शहरों में अधिकांश हमारे देश में हैं, तब भी हम आंखें मूंदकर आगे बढ़ते जा रहे हैं। यह केवल अनदेखी नहीं, बल्कि आने वाले संकट को आमंत्रण है।

हाल ही में कुल्लू जिले में हुई त्रासदी ने यह स्पष्ट कर दिया कि प्रकृति का असंतुलन केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहता, वह सीधे मानव जीवन को प्रभावित करता है। असमय बदलते मौसम, अनियंत्रित आपदाएं- ये सब उस असंतुलन के संकेत हैं, जिसे हमने स्वयं जन्म दिया है। प्रकृति संग जो छेड़छाड़, देती है परिणाम। क्षण भर की यह भूल फिर, ले लेती है प्राण। एक पेड़ का गिरना, एक नदी का सूखना, या मौसम का बदलना—ये केवल घटनाएं नहीं हैं, बल्कि अनगिनत जीवनों को प्रभावित करने वाली सच्चाइयां हैं। कितने घरों के चूल्हे बुझ जाते हैं, कितने बच्चे अपनी मां की ममता से वंचित हो जाते हैं- इनका हिसाब किसी आंकड़े में नहीं मिलता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रिश्तों में बढ़ती दूरी के बीच प्रेम सम्मान और संवाद बचाने की आवश्यकता

धर्म देवा, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक
गांव धारना, जिला चंबा

भारतीय समाज की पहचान सदियों से उसकी मजबूत पारिवारिक व्यवस्था और आपसी संबंधों की भावना से रही है। परिवार केवल रहने की एक व्यवस्था नहीं बल्कि संस्कार, सहयोग, सुरक्षा और भावनात्मक जुड़ाव का केंद्र रहा है। विशेष रूप से संयुक्त परिवार व्यवस्था भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण विशेषता रही है, जहाँ कई पीढ़ियाँ एक साथ रहकर जीवन के अनुभव साझा करती थीं। लेकिन बदलते समय, आर्थिक परिस्थितियों और जीवन शैली में आए बदलावों के कारण संयुक्त परिवार व्यवस्था धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है।

संयुक्त परिवार में दादा-दादी, माता-पिता, बच्चे और अन्य सदस्य एक साथ रहते थे। परिवार के बड़े सदस्य बच्चों को संस्कार, परंपराएँ और जीवन के अनुभव प्रदान करते थे। कठिन परिस्थितियों में परिवार के सभी सदस्य एक-दूसरे का सहारा बनते थे। सुख-दुख में साथ खड़े रहने की भावना संयुक्त परिवार की सबसे बड़ी शक्ति थी। लेकिन आधुनिक समय में व्यक्तिगत स्वतंत्रता, रोजगार की आवश्यकताओं और बदलती सोच ने परिवारों की संरचना को प्रभावित किया है।

आज बड़ी संख्या में युवा शिक्षा और रोजगार के लिए अपने घरों से दूर शहरों में जा रहे हैं। महानगरों की जीवन शैली, सीमित आवास व्यवस्था और बढ़ती आर्थिक जिम्मेदारियों के कारण छोटे परिवारों की संख्या बढ़ रही है। पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित परिवार व्यवस्था अब सामान्य होती जा रही है। इससे जहां कुछ सुविधाएँ बढ़ी हैं, वहीं पारिवारिक संबंधों में दूरी भी बढ़ी है।

बदलते पारिवारिक मूल्यों का एक प्रमुख कारण व्यक्तिगत सोच का बढ़ना है। आज की पीढ़ी आत्मनिर्भरता और निजी निर्णयों को अधिक महत्व देती है। यह बदलाव अपने आप में गलत नहीं है, क्योंकि व्यक्ति की स्वतंत्रता और आत्मसम्मान भी आवश्यक हैं। लेकिन जब व्यक्तिगत हित परिवार और रिश्तों से ऊपर हो जाते हैं तो भावनात्मक दूरी पैदा होने लगती है।

संयुक्त परिवार व्यवस्था टूटने का प्रभाव बुजुर्गों पर भी दिखाई देता है। पहले वृद्ध परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य माने जाते थे और उनके अनुभवों का सम्मान किया जाता था। आज कई बुजुर्ग अकेलेपन का सामना कर रहे हैं। बदलती जीवन शैली और व्यस्त दिनचर्या के कारण कई बार नई पीढ़ी और बुजुर्गों के बीच संवाद कम हो जाता है। इससे परिवार की वह भावनात्मक मजबूती कमजोर होती है जो कभी भारतीय समाज की पहचान हुआ करती थी।

हालांकि संयुक्त परिवार व्यवस्था के कमजोर होने के पीछे केवल आधुनिक सोच को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कई बार संयुक्त परिवारों में भी आपसी मतभेद, आर्थिक विवाद और निजी स्वतंत्रता की कमी जैसी समस्याएँ होती थीं। इसलिए परिवार की मजबूती केवल साथ रहने से नहीं बल्कि आपसी सम्मान, विश्वास और समझ से बनती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार की पुरानी अच्छी परंपराओं और आधुनिक सोच के बीच संतुलन बनाया जाए। नई पीढ़ी को स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का महत्व भी समझना होगा। वहीं बुजुर्गों को भी बदलते समय और नई पीढ़ी की आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करनी होगी। पीढ़ियों के बीच संवाद बना रहेगा तो रिश्तों में मजबूती बनी रह सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस: भारतीय संस्कृति और बुनकरों की कला को सम्मान देने का अवसर

रामलाल पाठक
निहारखन बासला, ब्रह्मपुखर
बिलासपुर (हि.प्र.)

भारत में हर वर्ष **7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस** मनाया जाता है। यह दिवस देश के हथकरघा बुनकरों, कारीगरों और पारंपरिक वस्त्र कला को सम्मान देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। हथकरघा केवल कपड़े बनाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह भारत की समृद्ध संस्कृति, विरासत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत पहचान है। सदियों से भारतीय बुनकर अपनी मेहनत, कौशल और रचनात्मकता से दुनिया भर में भारतीय वस्त्रों की अलग पहचान बनाते आए हैं।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की शुरुआत वर्ष 2015 में की गई थी। इस दिन को चुनने का विशेष कारण भी है। 7 अगस्त 1905 को कोलकाता के टाउन हॉल में स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई थी। इस आंदोलन का उद्देश्य विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना था। इसी ऐतिहासिक घटना की याद में सरकार ने 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यह दिवस आत्मनिर्भरता और स्थानीय उत्पादों के महत्व को भी दर्शाता है।

भारत का हथकरघा क्षेत्र दुनिया के सबसे पुराने और बड़े पारंपरिक उद्योगों में से एक है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार की बुनाई और वस्त्र कला देखने को मिलती है। बनारसी साड़ी, कांजीवरम रेशम, चंदेरी वस्त्र, पश्मीना शॉल, इकत और खादी जैसे उत्पाद भारतीय हथकरघा की पहचान हैं। इन वस्त्रों में केवल धागे नहीं, बल्कि कारीगरों की मेहनत, अनुभव और पीढ़ियों से चली आ रही कला जुड़ी होती है।

हथकरघा उद्योग ग्रामीण भारत के लाखों परिवारों को रोजगार प्रदान करता है। विशेष रूप से महिलाएं इस क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाती हैं। घरों में रहकर भी अनेक महिलाएं बुनाई और कढ़ाई के माध्यम से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में योगदान देती हैं। यह क्षेत्र ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और स्थानीय रोजगार के लिए महत्वपूर्ण है।

हालांकि आधुनिक मशीनों और बड़े पैमाने पर होने वाले उत्पादन के कारण हथकरघा उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। मशीन से बने सस्ते कपड़ों के कारण पारंपरिक बुनकरों को बाजार में प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। कई बार बुनकरों को अपने उत्पाद का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। इसके अलावा कच्चे माल की बढ़ती कीमत, सीमित बाजार और नई तकनीक तक पहुंच की कमी भी इस क्षेत्र की बड़ी समस्याएं हैं।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस इन चुनौतियों पर ध्यान आकर्षित करने का अवसर प्रदान करता है। सरकार द्वारा बुनकरों को प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता, बाजार उपलब्ध कराने और उनके उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। ऑनलाइन माध्यमों के विस्तार से भी हथकरघा उत्पादों को देश और विदेश के बाजारों तक पहुंचाने में मदद मिली है।

आज जब दुनिया आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की ओर बढ़ रही है, तब हथकरघा उत्पादों का महत्व और बढ़ गया है। हाथ से तैयार किए गए वस्त्र पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल होते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाते हैं। स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से न केवल बुनकरों को लाभ मिलता है, बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान भी सुरक्षित रहती है। युवाओं की भागीदारी भी हथकरघा क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक है। नई पीढ़ी यदि पारंपरिक कला को आधुनिक डिजाइन, तकनीक और डिजिटल बाजार से जोड़ती है तो इस क्षेत्र में नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

लेखक और चिंतक राजमोहन

राजमोहन गांधी भारत के प्रसिद्ध लेखक, इतिहासकार, शिक्षक और सामाजिक विचारक हैं। उनका जन्म **7 अगस्त 1935** को नई दिल्ली में हुआ। वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पौत्र हैं और उन्होंने अपने लेखन, शिक्षण तथा सार्वजनिक जीवन के माध्यम से भारतीय इतिहास और राजनीति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

राजमोहन गांधी
जन्म : 7 अगस्त 1935

राजमोहन गांधी ने प्रारंभिक शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त की और आगे चलकर लेखन तथा अध्यापन को अपने जीवन का प्रमुख क्षेत्र बनाया। उन्होंने भारतीय इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन, सामाजिक बदलाव और राजनीतिक विचारों से जुड़े कई विषयों पर विस्तार से लिखा है। उनके लेखन में तथ्यों के साथ साथ समाज और मानव मूल्यों की गहरी समझ दिखाई देती है।

उन्होंने अपने दादा महात्मा गांधी के जीवन और विचारों पर भी महत्वपूर्ण कार्य किया है। उनकी पुस्तकों में गांधीवादी विचारधारा, स्वतंत्रता संघर्ष और भारत के सामाजिक इतिहास की झलक मिलती है। राजमोहन गांधी का मानना रहा है कि इतिहास केवल घटनाओं का संग्रह नहीं बल्कि समाज को समझने का माध्यम है। इसलिए उन्होंने अपने लेखन के जरिए लोगों को अतीत से सीख लेने और बेहतर भविष्य बनाने का संदेश दिया।

राजमोहन गांधी ने विश्वविद्यालयों में अध्यापन कार्य भी किया और विद्यार्थियों को इतिहास, राजनीति तथा सामाजिक विषयों की शिक्षा दी। उन्होंने विभिन्न संस्थानों से जुड़कर शोध और अध्ययन के क्षेत्र में योगदान दिया। उनकी पहचान एक ऐसे चिंतक के रूप में बनी, जो लोकतांत्रिक मूल्यों, शांति और सामाजिक सद्भाव को महत्व देते हैं।

राजनीतिक क्षेत्र में भी राजमोहन गांधी सक्रिय रहे। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में भागीदारी करते हुए लोकतंत्र, पारदर्शिता और नैतिक राजनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। हालांकि उनकी मुख्य पहचान एक लेखक और विचारक के रूप में रही है।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

नोएडा में दो फैक्ट्री कर्मियों समेत पांच लोगों की संदिग्ध मौत, पुलिस कर रही जांच

एजेंसी, नोएडा। नोएडा में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना फेस-2 क्षेत्र में कंपनी कर्मचारी सुमित की काम के दौरान खून की उल्टी आने के बाद मौत हो गई। वहीं, विशेष निर्यात जोन की कंपनी में काम करने वाले अरुण की अचेत होने के बाद मौत हुई। कासना क्षेत्र में सुरेश चौधरी ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सेक्टर-39 क्षेत्र में महेंद्र राय और सेक्टर-113 क्षेत्र में शाहनवाज की भी मौत हुई। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

निर्माणाधीन रिजर्व पुलिस लाइन का जिलाधिकारी-एसपी ने किया निरीक्षण

एजेंसी, औरैया। औरैया जनपद में जिलाधिकारी बृजेश कुमार और पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने गुरुवार को थाना फफूंद क्षेत्र के शेरपुर सरैया स्थित निर्माणाधीन रिजर्व पुलिस लाइन का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से परियोजना की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए तथा इसमें गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। उन्होंने निर्माण सामग्री की नियमित जांच और कार्य की लगातार निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

बिना स्थान चिन्हित शराब दुकान आवंटन मामले में हाईकोर्ट सख्त

एजेंसी, प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में बिना स्थान चिन्हित किए शराब दुकानों के लाइसेंस जारी करने के मामले को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने आबकारी आयुक्त प्रयागराज को शराब नीति के साथ 12 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया और न्यायमूर्ति विनय सरन की खंडपीठ ने विजय कुमार कुलश्रेष्ठ की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिकाकर्ता ने शिकायत की थी कि उसके घर के सामने शराब की दुकान खोल दी गई, जिससे उन्हें परेशानी हो रही है। कोर्ट ने कहा कि प्रदेश में कई बार बिना स्पष्ट स्थान तय किए शराब दुकानों के लाइसेंस जारी किए गए हैं। न्यायालय ने मौजूदा नीति पर सवाल उठाते हुए आबकारी विभाग से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त 2026 को होगी।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को रौंदा, मौके पर मौत

एजेंसी, कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा महाराजपुर थाना क्षेत्र के कानपुर-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरसौल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, भदरसा गांव निवासी शिव भोला तिवारी (25) बुधवार रात बाइक से सरसौल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही सरसौल चौकी प्रभारी राजमोहन मिश्रा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों को हादसे की जानकारी दी। महाराजपुर थाना प्रभारी जनार्दन सिंह ने बताया कि हादसे के बाद डंपर चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से चालक की पहचान कर तलाश में जुटी है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आईआरसीटीसी की भारत गौरव ट्रेन करा रही 4 ज्योतिर्लिंग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की यात्रा

17 से 26 अगस्त तक चलेगी विशेष पर्यटक ट्रेन, प्रयागराज सहित कई स्टेशनों से यात्री कर सकेंगे यात्रा

एजेंसी, लखनऊ

श्रद्धालुओं और धार्मिक पर्यटन के इच्छुक यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के माध्यम से चार ज्योतिर्लिंगों और देश की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की विशेष यात्रा का आयोजन किया है। यह धार्मिक एवं पर्यटन यात्रा 17 अगस्त से 26 अगस्त 2026 तक संचालित होगी। कुल 9 रात और 10 दिन की इस यात्रा में श्रद्धालुओं को प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन कराने की व्यवस्था की गई है।

आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक, लखनऊ अजीत कुमार सिन्हा ने गुरुवार को बताया कि भारत गौरव पर्यटक ट्रेन गोरखपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु उज्जैन स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंकारेश्वर, गुजरात के नागेश्वर और सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकेंगे।

इसके साथ ही द्वारकाधीश मंदिर, भेंट द्वारका, सिग्नेचर ब्रिज और विश्व प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का भ्रमण भी यात्रा कार्यक्रम में शामिल किया गया है।

उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन कई प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इनमें गोरखपुर, मनकापुर, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, प्रयागराज संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी और ललितपुर रेलवे स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों से यात्री यात्रा में शामिल हो सकेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि यात्रा पैकेज को यात्रियों के लिए सुविधाजनक और किफायती बनाया गया है। इसमें रेल यात्रा के अलावा होटल में ठहरने की व्यवस्था, प्रतिदिन सुबह का नाश्ता, दोपहर और रात्रि का शुद्ध शाकाहारी भोजन तथा स्थानीय दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के लिए एसी और नॉन-एसी बसों की सुविधा भी शामिल है। इससे यात्रियों को अलग-अलग व्यवस्थाएं करने की आवश्यकता नहीं होगी। यात्रा के लिए स्लीपर श्रेणी का किराया 18,380 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है। वहीं थर्ड एसी का किराया 29,570 रुपये और सेकेंड एसी का किराया 38,870 रुपये प्रति व्यक्ति रखा गया है। आईआरसीटीसी ने यात्रियों की सुविधा के लिए एलटीसी और ईएमआई जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस धार्मिक यात्रा का लाभ उठा सकें।

अमित मालवीय ने बताया कि इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी के पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भी ऑनलाइन बुकिंग की जा सकती है। अधिक जानकारी और आरक्षण के लिए आईआरसीटीसी द्वारा जारी हेल्पलाइन मोबाइल नंबरों पर भी संपर्क किया जा सकता है।

प्रयागराज-विशाखापट्टनम स्पेशल ट्रेन शुरू श्रद्धालुओं और पर्यटकों को मिली बड़ी सुविधा

एजेंसी, हाथरस

यात्रियों की सुविधा और बढ़ती मांग को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयागराज और विशाखापट्टनम के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। गाड़ी संख्या 04159/04160 प्रयागराज विशाखापट्टनम प्रयागराज स्पेशल ट्रेन 14 अगस्त से 28 नवंबर 2026 तक दोनों दिशाओं में संचालित होगी। यह ट्रेन दोनों तरफ 16-16 फेरे लगाएगी।

14 अगस्त से दौड़ेगी प्रयागराज विशाखापट्टनम स्पेशल ट्रेन

उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि इस विशेष ट्रेन के शुरू होने से उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

इससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों को प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंचने में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि इस रेल मार्ग से यात्री प्रयागराज संगम, प्रयागराज किला और आनंद भवन के अलावा चित्रकूट, मैहर स्थित मां शारदा मंदिर, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, अमरकंटक, अचानकमार टाइगर रिजर्व, हीराकुंड बांध, आरकू घाटी और विशाखापट्टनम के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा कर सकेंगे।

रेलवे के अनुसार इस ट्रेन में आधुनिक एलएचबी कोच लगाए जाएंगे। ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे, जिनमें एसी द्वितीय श्रेणी, एसी तृतीय श्रेणी, एसी इकोनॉमी, स्लीपर, सामान्य श्रेणी और एसएलआर कोच शामिल रहेंगे।

गाड़ी संख्या 04159 प्रत्येक शुक्रवार को प्रयागराज से सुबह 10:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 1:30 बजे विशाखापट्टनम पहुंचेगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 04160 प्रत्येक शनिवार को विशाखापट्टनम से दोपहर 3:40 बजे चलेगी और अगले दिन शाम 5:30 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। यह ट्रेन मानिकपुर, सतना, कटनी, बिलासपुर, रायगढ़, संबलपुर, रायगड़ा, बोब्बिली और विजयनगरम सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी।

हमीरपुर के ग्राम प्रधानों सहित कई लोगों ने थामा रालोद का दामन

एजेंसी, हमीरपुर

राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में जनपद हमीरपुर के कई जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कार्यक्रम में रालोद के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी तथा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय मौजूद रहे। रालोद के श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेश पाल धनगर के प्रयासों से हमीरपुर के रज़ा मोहम्मद, एजाज अहमद (ग्राम प्रधान, हिमौली), उमाशंकर प्रजापति (ग्राम प्रधान, पारा), अशरफ अली, ओमप्रकाश यादव सहित दर्जनों लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व और पार्टी की नीतियों में विश्वास जताते हुए राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ली।

चौधरी जयंत सिंह की नीतियों से प्रभावित होकर दर्जनों लोगों ने ली रालोद सदस्यता।

नेताओं ने विश्वास जताया कि नए सदस्यों के जुड़ने से जनपद में पार्टी संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

नोएडा में विभिन्न जगहों में महिला समेत तीन लोगो ने की आत्महत्या

एजेंसी, नोएडा। नोएडा के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मानसिक तनाव के चलते महिला समेत तीन लोगों द्वारा फंदा लगाकर आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। घटनाओं के बाद पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना दादरी क्षेत्र के कस्बा दादरी स्थित मोहल्ला मेवतियां में रहने वाली 22 वर्षीय गुलशमा पत्नी वसीम अकरम ने बुधवार रात अपने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। वहीं, थाना बिसरख क्षेत्र में रहने वाले 15 वर्षीय गौरव सिंह पुत्र मदन सिंह ने भी अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

ड्रोन तकनीक से खेती को नई उड़ान, कम समय में होगा सटीक छिड़काव और बेहतर उत्पादन

एजेंसी, वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में गुरुवार को महत्वपूर्ण पहल की गई। सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर्स) ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड ने डब्ल्यूओडब्ल्यू गो ग्रीन लिमिटेड के सहयोग से 'कृषि विमान ड्रोन स्प्रे योजना' का सफल प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को ड्रोन आधारित कृषि सेवाओं से जोड़ना तथा वैज्ञानिक और आधुनिक खेती के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पी.के. सिंह की उपस्थिति में कृषि विमान ड्रोन का लाइव प्रदर्शन किया गया। उन्होंने ड्रोन की कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से कृषि क्षेत्र अधिक सक्षम, लाभकारी और टिकाऊ बन सकता है। उन्होंने किसानों तक ऐसी नवाचार

आधारित तकनीकों को पहुंचाने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे खेती में नई संभावनाएं विकसित होंगी।

डब्ल्यूओडब्ल्यू गो ग्रीन लिमिटेड के संस्थापक डॉ. शंकर गोयनका ने बताया कि संस्था द्वारा विकसित कृषि विमान ड्रोन इफको के नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, नैनो कॉपर, नैनो जिंक, सागरिका सहित अन्य कृषि इनपुट का वैज्ञानिक एवं प्रभावी ढंग से छिड़काव करने में सक्षम है।

प्रयागराज में हर घर तिरंगा अभियान तेज पांच लाख ध्वज तैयार करने में जुटे समूह

एजेंसी, प्रयागराज

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चलाए जाने वाले 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने के लिए प्रयागराज में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। अभियान के तहत जिले में पांच लाख तिरंगा ध्वज तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं बड़े उत्साह के साथ तिरंगा निर्माण के कार्य में जुटी हुई हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की उपायुक्त (स्वत: रोजगार) शमा सिंह ने बताया कि तिरंगा निर्माण के लिए जिले में दो प्रमुख सिलाई केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें कौड़िहार विकास खंड स्थित एकता सीएफएल को नोडल केंद्र बनाया गया है, जबकि दूसरा केंद्र चाका विकास खंड में संचालित हो रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों सिलाई केंद्रों पर कुल 50 स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तिरंगा बनाने का काम कर रही हैं। कौड़िहार केंद्र पर 25 और चाका केंद्र पर 25 स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं इस अभियान में योगदान दे रही हैं। सभी तिरंगों को निर्धारित समय सीमा के अंदर तैयार कर 10 अगस्त तक जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालयों तक पहुंचाने की योजना बनाई गई है।

शमा सिंह ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की भागीदारी से अभियान को नई ऊर्जा मिल रही है। साथ ही तिरंगा निर्माण कार्य से महिलाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।

योगी सरकार का बड़ा कदम, तीन नए निजी विश्वविद्यालयों को मिली हरी झंडी

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य को उच्च शिक्षा और अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर प्रदेश में स्थापित होने जा रहे तीन नए निजी विश्वविद्यालयों के प्रबंधन को संचालन प्राधिकार पत्र (अनुज्ञा पत्र) प्रदान किए। इस पहल से गाजियाबाद, कानपुर और फतेहपुर में उच्च, तकनीकी एवं कृषि शिक्षा के नए अवसर विकसित होंगे।

गाजियाबाद, कानपुर और फतेहपुर में खुलेंगे नए विश्वविद्यालय, युवाओं को मिलेंगे बेहतर अवसर।

उच्च शिक्षा मंत्री ने गाजियाबाद में अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय, कानपुर नगर के बिल्हौर में महर्षि महेश योगी इंटरनेशनल एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय तथा फतेहपुर में ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय के संचालन के लिए संबंधित संस्थाओं को आधिकारिक अनुज्ञा पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि इन विश्वविद्यालयों की स्थापना से विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध होगी।

योगेंद्र उपाध्याय ने संबंधित संस्थाओं से शासन द्वारा निर्धारित सभी मानकों, नियमों और शर्तों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि योगी सरकार निजी निवेश को प्रोत्साहित करते हुए उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत बना रही है। इससे छात्रों को आधुनिक शिक्षण संसाधन, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और अनुसंधान की नई सुविधाएं मिलेंगी, जिससे प्रदेश उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगा।

मऊ के विकास पुरुष कल्पनाथ राय को पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

एजेंसी, मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के विकास पुरुष कहे जाने वाले स्वर्गीय कल्पनाथ राय की पुण्यतिथि गुरुवार को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिला अस्पताल परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर परिजनों, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उनकी पत्नी सुधा राय, पुत्री वैष्णवी राय सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। श्रद्धांजलि देने के बाद वैष्णवी राय ने कहा कि यह दिन केवल पुण्यतिथि मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके पिता की दूरदर्शी सोच और विकास कार्यों को याद करने का दिन है।

उन्होंने कहा कि मऊ में हुआ विकास किसी सामान्य योजना का परिणाम नहीं था, बल्कि एक नई सोच और मजबूत संकल्प का प्रतीक था। कल्पनाथ राय ने जिले के विकास के लिए जो प्रयास किए, उन्होंने मऊ की पहचान को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वैष्णवी राय ने बताया कि मऊ के विकास मॉडल की चर्चा देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हुई। उन्होंने कहा कि अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रतिनिधि प्रमिला जयपाल ने अपनी पुस्तक में मऊ के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए इसे एक आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि उनके पिता का विजन केवल सड़कों, भवनों और अन्य निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं था, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास था। उनके कार्यों का उद्देश्य लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना था। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने स्वर्गीय कल्पनाथ राय के योगदान को याद करते हुए उनके दिखाए विकास के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

संभल हिंसा पर हिंदू पक्ष का दावा सर्वे टीम पर हमले की थी साजिश

एजेंसी, संभल

शाही जामा मस्जिद के दूसरे सर्वे के दौरान हुई हिंसा मामले में हिंदू पक्ष के अधिवक्ता श्रीगोपाल शर्मा ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि हिंसा करने वाले लोगों का उद्देश्य सर्वे टीम के सदस्यों और प्रशासनिक अधिकारियों को नुकसान पहुंचाना था। उनके अनुसार, भीड़ ने सुनियोजित तरीके से पथराव और फायरिंग की थी।

संभल सदर कोतवाली क्षेत्र में स्थित शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच करने वाली न्यायिक आयोग की रिपोर्ट विधानसभा में पेश की जा चुकी है। इसके बाद सर्वे के समय मौजूद रहे अधिवक्ता श्रीगोपाल शर्मा ने कहा कि रिपोर्ट में जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उनकी भूमिका की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वह 19 और 24 नवंबर 2024 को हुए सर्वे के दौरान मौके पर मौजूद थे। उनके मुताबिक, 19 नवंबर को कुछ लोगों ने मस्जिद परिसर में प्रवेश कर सर्वे प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास किया था। वहीं, 24 नवंबर को दोबारा सर्वे के दौरान माहौल बिगड़ गया और भीड़ की ओर से पथराव व गोलीबारी की गई। अधिवक्ता ने कहा कि पुलिस और प्रशासन ने काफी संयम बरता।

हिंसा के दौरान कई पुलिसकर्मी और अधिकारी घायल हुए थे। उन्होंने दावा किया कि पहले से ही स्थिति को लेकर खुफिया जानकारी मौजूद थी, जिसके चलते प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की थी। वहीं, मामले में कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर उन्हें एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि 19 नवंबर को करीब दो घंटे तक सर्वे किया गया था, लेकिन नमाज के समय भीड़ जुटने और अन्य कारणों से प्रक्रिया प्रभावित हुई।

हादसा लगातार बारिश से ढहा 100 साल पुराना मकान, एक ही परिवार के छह लोगों की दर्दनाक मौत

मुख्यमंत्री योगी ने प्रतापगढ़ हादसे में हुई जनहानि पर जताया शोक

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच गुरुवार तड़के एक दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। नगर कोतवाली क्षेत्र के महुली वार्ड में स्थित करीब 100 वर्ष पुराना मकान अचानक भरभराकर गिर पड़ा। हादसे के समय परिवार के सभी सदस्य एक ही कमरे में सो रहे थे। मलबे में दबने से छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक सदस्य को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। जेसीबी मशीनों और स्थानीय लोगों की मदद से मलबा हटाकर सभी लोगों को बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक छह लोगों की जान जा चुकी थी। घायल युवक को तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। हादसे में महुली वार्ड निवासी नितिन श्रीवास्तव (24), प्रमोद श्रीवास्तव (45), रीता श्रीवास्तव (42), माधुरी (24), दो वर्षीय माधव और छह माह के मासूम बाबू की मौत हो गई। परिवार का सदस्य अमन श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हुआ है। चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि लगातार हो रही बारिश के कारण मकान की दीवारें और नींव कमजोर हो गई थीं।

करीब एक सदी पुराने इस जर्जर मकान ने देर रात अचानक जवाब दे दिया और पूरा ढांचा भरभराकर गिर पड़ा। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे और प्रशासन के साथ मिलकर राहत कार्य में जुट गए। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी करते हुए अधिकारियों ने प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

साथ ही आसपास के पुराने और जर्जर भवनों की भी जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुखद हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर शोक संदेश जारी करते हुए दिवंगतों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्रीराम से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायल के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को घायल अमन श्रीवास्तव का समुचित और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को राहत कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। लगातार बारिश के कारण प्रदेश के कई जिलों में पुराने और जर्जर मकानों को लेकर खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से ऐसे भवनों में रहने से बचने और किसी भी प्रकार की आशंका होने पर तुरंत स्थानीय प्रशासन को सूचना देने की अपील की है। प्रतापगढ़ की यह घटना एक बार फिर यह संकेत देती है कि बरसात के मौसम में जर्जर भवनों की समय रहते पहचान और मरम्मत या उन्हें खाली कराना कितना आवश्यक है, ताकि ऐसे दर्दनाक हादसों को रोका जा सके।

कानपुर देहात : पुलिस ने 201 गुमशुदा मोबाइल बरामद किए, एसपी ने लोगों को लौटाए

एजेंसी, कानपुर

उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात पुलिस ने गुमशुदा और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद करने के अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आधुनिक तकनीक और सीईआईआर (ष्टश्वढ्ढ,) पोर्टल की मदद से कुल 201 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए। बरामद मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत 30 लाख 8 हजार 900 रुपये बताई गई है। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने खुशी जताई और पुलिस की कार्यशैली की सराहना की।

आधुनिक तकनीक और त्वरित कार्रवाई से गुमशुदा मोबाइल मालिकों तक लौटाए गए।

पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे के निर्देशन में सर्विलांस टीम, थाना साइबर क्राइम, स्पेशल टीम और जनपद के सभी थानों की साइबर हेल्प डेस्क ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया। तकनीकी संसाधनों और सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ अन्य राज्यों

महीनों बाद अपना मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी लौट आई

में सक्रिय मोबाइल नेटवर्क की मदद से गुम हुए मोबाइल फोन ट्रेस किए गए और सफलतापूर्वक बरामद किए गए।

पुलिस कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडे ने बरामद मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे। इस दौरान कई लोगों ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका खोया हुआ मोबाइल दोबारा मिल सकेगा। महीनों बाद अपना फोन वापस पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडे ने कहा कि जनपद पुलिस नागरिकों की गुमशुदा संपत्ति वापस दिलाने के लिए आधुनिक तकनीक और साइबर संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि मोबाइल गुम होने या चोरी होने पर तुरंत संबंधित थाने या साइबर हेल्प डेस्क में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते उसे ट्रेस कर बरामद किया जा सके।

इस अभियान में सर्विलांस प्रभारी प्रवीण यादव, साइबर क्राइम प्रभारी अब्दुल कलाम, सर्विलांस टीम, स्पेशल टीम और जनपद के सभी थानों की साइबर हेल्प डेस्क की अहम भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई की आमजन ने सराहना करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण पहल बताया।

गुरुग्राम पुलिस ने बारिश में कॉर्पोरेट कर्मचारियों को दी वर्क फ्रॉम होम की सलाह

भारी बारिश के बीच प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा टालने की अपील

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित होने लगा है। शहर के कई प्रमुख मार्गों, चौराहों और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनने की आशंका के बीच गुरुग्राम पुलिस ने नागरिकों और कॉर्पोरेट संस्थानों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने गुरुवार को कॉर्पोरेट कर्मचारियों को यथासंभव वर्क फ्रॉम होम की सुविधा देने का आग्रह किया है, ताकि सड़कों पर वाहनों का दबाव कम हो और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार लगातार वर्षा के कारण शहर के कई संवेदनशील क्षेत्रों में पानी भरने और लंबा ट्रैफिक जाम लगने की संभावना है। ऐसी स्थिति में कार्यालयों के लिए बड़ी संख्या में निकलने वाले वाहनों से यातायात व्यवस्था और अधिक प्रभावित हो सकती है।

इसी को ध्यान में रखते हुए निजी कंपनियों, कॉर्पोरेट कार्यालयों और अन्य संस्थानों से अपील की गई है कि वे कर्मचारियों को घर से कार्य करने की अनुमति दें। इससे कर्मचारियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी और सड़कों पर अनावश्यक भीड़ भी कम होगी। गुरुग्राम पुलिस का कहना है कि वाहनों की संख्या कम होने से ट्रैफिक पुलिस को जलभराव वाले क्षेत्रों में यातायात का बेहतर संचालन करने में सुविधा मिलेगी।

साथ ही एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं के वाहनों की आवाजाही भी बिना किसी बाधा के संभव हो सकेगी। पुलिस और यातायात विभाग की टीमें शहर के विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखे हुए हैं तथा जरूरत पड़ने पर यातायात का डायवर्जन भी किया जा सकता है।

पुलिस ने आम नागरिकों से भी मौसम सामान्य होने तक अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। यदि किसी आवश्यक कार्य से बाहर निकलना पड़े तो वाहन धीमी गति से चलाने, सुरक्षित दूरी बनाए रखने तथा जलभराव वाले मार्गों से बचने की सलाह दी गई है।

नागरिकों से ट्रैफिक नियमों का पूरी तरह पालन करने और पुलिस द्वारा जारी निर्देशों का अनुपालन करने का भी अनुरोध किया गया है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। गुरुग्राम पुलिस ने कहा है कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस चुनौतीपूर्ण मौसम में सभी के सहयोग से ही यातायात व्यवस्था को सुचारु रखा जा सकता है।

नूंह में वकील के घर से 20 लाख कैश चोरी सोते रहे परिजन, जेवर भी ले उड़े चोर

भारतेन्दु संवाददाता, नूंह

नूंह शहर के वार्ड नंबर-10 में अधिवक्ता पंकज गुप्ता के घर हुई बड़ी चोरी की वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। अज्ञात बदमाशों ने देर रात मकान का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और अलमारी का लॉक तोड़कर करीब 20 लाख रुपये की नकदी के साथ लाखों रुपये के सोने, चांदी और डायमंड के जेवरात चोरी कर फरार हो गए। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य मकान की ऊपरी मंजिल पर सो रहे थे, जिसके कारण उन्हें चोरी की भनक तक नहीं लगी।

सुबह जब परिवार के सदस्य नीचे आए तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला और घर का सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी खुली हुई थी तथा उसमें रखी नकदी और कीमती आभूषण गायब थे। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जरूरी साक्ष्य जुटाए। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि बदमाशों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके। प्रारंभिक जांच में पुलिस चोरी की वारदात को सुनियोजित मानकर जांच कर रही है।

आशंका जताई जा रही है कि चोरों को घर की गतिविधियों और नकदी रखे होने की जानकारी पहले से थी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है। पीड़ित परिवार ने जल्द से जल्द आरोपितों की गिरफ्तारी और चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपितों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

न्यूज ब्रीफ

रोहतक में पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस से पहले चलाया सर्च ऑपरेशन, सीमाओं पर नाकाबंदी

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर रोहतक पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। जिले की सीमाओं पर नाकाबंदी कर वाहनों की सघन जांच की जा रही है, जबकि सार्वजनिक और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। एसपी गौरव राजपुरोहित ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या घटना की सूचना मिलते ही संबंधित एसएचओ तत्काल मौके पर पहुंचे। होटल, धर्मशालाओं, रेलवे स्टेशन और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। पुलिस लाइन में अतिरिक्त पुलिस बल को भी अलर्ट पर रखा गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सके। पुलिस का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए हर स्तर पर पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रेवाड़ी में 4 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार, एसीबी ने रंगे हाथ दबोचा

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवी एंड एसीबी) की रेवाड़ी इकाई ने कोसली में एक पटवारी को 4 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी पटवारी पर पारिवारिक जमीन का रिकॉर्ड ठीक करने और इंतकाल दर्ज करने के नाम पर 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायतकर्ता गांव टुमना निवासी आनंद ने एसीबी को बताया कि कई दिनों तक चक्कर लगाने के बावजूद काम नहीं हुआ। बाद में पटवारी पुनीत कुमार ने 10 हजार रुपये मांगे और 9 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। शिकायतकर्ता पहले ही 5 हजार रुपये दे चुका था। शेष राशि लेते समय एसीबी टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

हांसी वाले बाबा के समर्थन में उतरीं टीचर सुलेखा, धर्मेंद्र हुड्डा को दी खुली चुनौती

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। रोहतक की चर्चित शिक्षिका सुलेखा दलाल ने बाबा दिनेश पुरी के समर्थन में धर्मेंद्र हुड्डा को खुली चुनौती दी है। सुलेखा दलाल वही शिक्षिका हैं, जो नीट परीक्षा के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के बाद चर्चा में आई थीं। उन्होंने कहा कि बालाजी की भक्ति को पाखंड कहना गलत है। यदि धर्मेंद्र हुड्डा में वास्तव में दम है तो वे रामपाल, आसाराम और राम रहीम जैसे बड़े डेरों पर कार्रवाई करके दिखाएं, छोटे धार्मिक स्थलों को निशाना न बनाएं। सुलेखा ने श्री बालाजी धाम में अपनी आस्था जताते हुए दावा किया कि घर से अर्जी लगाने के बाद उन्हें धाम से कॉल आया और उनकी मनोकामना पूरी हुई। उनके बयान के बाद हांसी वाले बाबा को लेकर चल रहा विवाद और तेज हो गया है।

करनाल में युवक की गोली मारकर हत्या बहन के घर जाते समय वारदात

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। करनाल में दिनदहाड़े हुई युवक की हत्या से शहर में सनसनी फैल गई। मृतक अपनी एक्टिवा से बहन के घर जा रहा था, तभी बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उसका पीछा किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भगवदिया गैस एजेंसी के पास पहुंचते ही हमलावरों ने युवक के सिर पर पॉइंट ब्लैंक रेंज से गोली मार दी। गोली लगते ही युवक सड़क पर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपितों की पहचान की जा सके। इस बीच सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुई, जिसमें हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए लिखा गया कि 'ज्यादा बोल रहा था, भाऊ गैंग से जवाब मिला।' हालांकि पुलिस ने इस पोस्ट की सत्यता की पुष्टि नहीं की है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच शुरू कर दी है।

हिसार की दयानंद कॉलोनी में हुई फायरिंग एक ही परिवार के तीन सदस्य घायल

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हिसार में कांवड़ यात्रा से पहले एक ही परिवार पर हुए जानलेवा हमले से इलाके में सनसनी फैल गई। मॉडल टाउन स्थित दयानंद कॉलोनी में शिव मंदिर के बाहर बुधवार रात करीब 9:15 बजे दो बाइक सवार बदमाशों ने एक परिवार को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में एक ही परिवार के तीन सदस्य गोली लगने से घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत उपचार के लिए जिंदल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार, वारदात उस समय हुई जब परिवार अपने तीन भानजों से मिलने शिव मंदिर के बाहर पहुंचा था। तीनों भानजे कांवड़ यात्रा पर जाने वाले थे और परिवार उनसे मिलने आया था। इसी दौरान बाइक पर सवार दो अज्ञात हमलावर वहां पहुंचे और अचानक गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हमले के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए।

दो बाइक सवार बदमाशों ने मंदिर के बाहर बरसाईं गोलियां, तीन लोग घायल।

फायरिंग में सेक्टर-13 निवासी गोविंद, उनकी पत्नी निशा तथा 13 वर्षीय भतीजी गुनू घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही अर्बन एस्टेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

शराब ठेके की छत पर चढ़ा सेल्समैन, करंट लगने से गई जान

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम जिले के फर्रुखनगर थाना क्षेत्र के गांव फाजिलपुर बादली में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में शराब ठेके के सेल्समैन की हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। बताया गया कि सेल्समैन किसी कार्य के सिलसिले में शराब ठेके की छत पर चढ़ा था। इसी दौरान वह ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गया और तेज करंट लगने से गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उसे तुरंत नीचे उतारा और उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही फर्रुखनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाने के सामने दिनदहाड़े स्कॉर्पियो पर ताबड़तोड़ फायरिंग, सात लोग गंभीर रूप से घायल

भारतेन्दु संवाददाता, चरखी दादरी

हरियाणा के चरखी दादरी में गुरुवार को दिनदहाड़े हुई अंधाधुंध फायरिंग ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। शहर के सिटी थाना के ठीक सामने अज्ञात हमलावरों ने एक स्कॉर्पियो गाड़ी को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। वारदात के बाद हमलावर मौके से पैदल ही फरार हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया और आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फायरिंग इतनी अचानक और तेज थी कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार और राहगीर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। हमले में स्कॉर्पियो सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रोहतक स्थित पंडित भगवत दयाल शर्मा पीजीआई रेफर किया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि हमलावरों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

प्रारंभिक जांच में पुलिस आपसी रंजिश, पुरानी दुश्मनी और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। हालांकि, फायरिंग के पीछे की वास्तविक वजह का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपितों की पहचान कर उन्हें कानून के शिकंजे में लिया जाएगा। थाने के सामने दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात ने स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

अंबाला में 968 बीएलओ देंगे वोटरों को नोटिस, केवल डाटा सुधार के लिए प्रक्रिया

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

हरियाणा के अंबाला जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) अभियान के अगले चरण के तहत 968 बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) मतदाताओं के घर-घर जाकर नोटिस वितरित करेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह नोटिस किसी कानूनी कार्रवाई का हिस्सा नहीं है, बल्कि मतदाता सूची में दर्ज जानकारी को सही और अद्यतन करने की प्रक्रिया है। इसलिए मतदाताओं को नोटिस मिलने पर घबराने की आवश्यकता नहीं है।

वोटर कार्ड में नाम, पता और जन्मतिथि सुधारने के लिए शुरू हुआ विशेष डाटा सत्यापन अभियान।

प्रशासन के अनुसार वर्ष 2002 के बाद उपलब्ध पुराने रिकॉर्ड और एसआईआर अभियान के दौरान एकत्रित नए डाटा में कई मतदाताओं के नाम, जन्मतिथि, पता तथा पिता या पति के नाम में अंतर पाया गया है। इन त्रुटियों को दूर करने के लिए संबंधित मतदाताओं से ऐसे दस्तावेज मांगे जाएंगे, जिनके आधार पर सही जानकारी दर्ज की जा सके। आवश्यक दस्तावेज जमा होने के बाद मतदाता पहचान पत्र में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे।

इस अभियान के तहत 5 अगस्त से 30 अगस्त तक नोटिस वितरण का कार्य किया जाएगा। इसके लिए स्कूलों में तैनात सभी बीएलओ और सुपरवाइजरों को उनके नियमित कार्यों से अस्थायी रूप से कार्यमुक्त कर दिया गया है, ताकि वे पूरी तरह मतदाता सूची के सत्यापन और डाटा सुधार के कार्य में जुट सकें। प्रशासन का कहना है कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनाना है। यदि किसी मतदाता के घर बीएलओ नोटिस लेकर पहुंचता है, तो उसे निर्धारित दस्तावेज उपलब्ध कराकर आवश्यक सहयोग करना चाहिए। इससे भविष्य में मतदाता पहचान पत्र से जुड़ी किसी भी प्रकार की समस्या से बचा जा सकेगा और निर्वाचन प्रक्रिया भी अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बन सकेगी। इसके साथ ही प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि वे बीएलओ को सही जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने में पूरा सहयोग करें।

यदि किसी मतदाता के विवरण में कोई त्रुटि नहीं है, तो उसे किसी प्रकार की अतिरिक्त कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं होगी। इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र मतदाता का रिकॉर्ड सही एवं अद्यतन रखना है, ताकि भविष्य में मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

एचटेट अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म गलत प्रश्नों पर मिलेंगे ग्रेस अंक

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एचबीएसई) द्वारा आयोजित हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) का परिणाम लगभग तैयार हो चुका है। अब अभ्यर्थियों को केवल इसकी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। बोर्ड ने परिणाम जारी करने से पहले पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं।

बोर्ड अधिकारियों के अनुसार परीक्षा से संबंधित लगभग 18 हजार आपत्तियां प्राप्त हुई थीं। इन सभी आपत्तियों की विषय विशेषज्ञों की समिति ने विस्तार से समीक्षा की और उनके आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी तैयार की गई। जिन प्रश्नों में त्रुटियां पाई गईं या जिनके उत्तर विवादित रहे, उन पर परीक्षार्थियों को नियमानुसार ग्रेस अंक देने का निर्णय लिया गया है, ताकि किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय न हो। परिणाम की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड ने एक प्रतिशत अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच भी कराई है। यह प्रक्रिया बोर्ड कर्मचारियों की निगरानी में पूरी की गई, जिससे मूल्यांकन में किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद अब परिणाम जारी करने की अंतिम तैयारी चल रही है।

एचटेट परीक्षा प्रदेश में शिक्षक बनने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण पात्रता परीक्षा मानी जाती है। इसलिए लाखों परीक्षार्थी लंबे समय से परिणाम का इंतजार कर रहे हैं। बोर्ड का प्रयास है कि परिणाम पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिरहित तरीके से घोषित किया जाए। अधिकारियों का कहना है कि सभी तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। जल्द ही परिणाम आधिकारिक रूप से जारी कर दिया जाएगा। परिणाम घोषित होने के बाद अभ्यर्थी हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपना रोल नंबर दर्ज कर स्कोर देख सकेंगे।

यमुनानगर में खुले सीवर और धंसी सड़कें बने जानलेवा, मानसून में बढ़ा हादसों का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

यमुनानगर शहर में खुले सीवर, धंसी सड़कें और जगह-जगह बने गड्ढे लोगों के लिए बड़ी परेशानी और हादसों का कारण बनते जा रहे हैं। मानसून के दौरान बारिश से होने वाले जलभराव के कारण इन खतरों का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। शहर के विभिन्न इलाकों में सीवर लाइनों के खुले मेनहोल और क्षतिग्रस्त सड़कें लंबे समय से लोगों की चिंता का विषय बनी हुई हैं।

शक्तिमान मंदिर मार्ग पर खुला सीवर बना श्रद्धालुओं के लिए खतरा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद संबंधित विभागों की ओर से स्थायी समाधान नहीं किया गया। नगर निगम की बैठकों में भी खुले मेनहोल और खराब सीवर व्यवस्था का मुद्दा उठ चुका है, लेकिन अब तक सभी स्थानों पर सुधार कार्य पूरा नहीं हो सका है। मुख्य मार्गों से लेकर औद्योगिक क्षेत्रों तक कई जगह सड़कें धंस चुकी हैं और सीवर के ढक्कन खुले पड़े हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को हर समय सतर्क रहना पड़ता है। औद्योगिक क्षेत्र स्थित शक्तिमान मंदिर के पास भी कई दिनों से सीवर का ढक्कन खुला होने से खतरा बना हुआ है।

यह मार्ग श्रद्धालुओं और वाहनों की आवाजाही के लिहाज से बेहद व्यस्त रहता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंचते हैं, जबकि औद्योगिक गतिविधियों के कारण भारी वाहनों का आवागमन भी लगातार बना रहता है। ऐसे में खुले सीवर के कारण किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। विशेषकर रात के समय जब दृश्यता कम होती है। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम से मांग की है कि खुले मेनहोल तुरंत बंद किए जाएं, धंसी सड़कों की मरम्मत कराई जाए और मानसून के दौरान संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते खुले सीवरों पर ढक्कन नहीं लगाए गए और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत नहीं हुई, तो बारिश के दौरान किसी भी समय गंभीर दुर्घटना हो सकती है। लोगों ने नगर निगम से नियमित निरीक्षण अभियान चलाने, संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी संकेत लगाने और खराब सीवर व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

प्रदेश के 11 जिलों में घटा लिंगानुपात, चरखी दादरी की स्थिति सबसे चिंताजनक

जून 2026 तक हरियाणा का एसआरबी 923 से घटकर 900 हुआ, केवल पांच जिले गिरावट से बचे

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात (सेक्स रेशियो एट बर्थ-एसआरबी) को लेकर चिंता बढ़ाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग और सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस) के जून 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 22 में से 11 जिलों में लिंगानुपात में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। इन जिलों में प्रति एक हजार लड़कों पर लड़कियों का जन्म अनुपात घटकर 829 से 895 के बीच पहुंच गया है, जबकि वर्ष 2025 में यही आंकड़ा 901 से 951 के बीच था।

आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2025 में हरियाणा का कुल एसआरबी 923 था, जो जून 2026 तक घटकर 900 रह गया। यानी छह माह के भीतर राज्य के औसत लिंगानुपात में 23 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। यह स्थिति प्रदेश में कन्या जन्म को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों और सरकारी प्रयासों के बावजूद चिंता का विषय बनी हुई है। हालांकि इस गिरावट के बीच केवल पांच जिले ऐसे हैं, जहां लिंगानुपात में अपेक्षाकृत सुधार या स्थिरता देखने को मिली है। सीआरएस के आंकड़ों के अनुसार चरखी दादरी सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला जिला बनकर सामने आया है। यहां दिसंबर 2025 में जन्म के समय लिंगानुपात 913 था, जो जून 2026 तक घटकर 829 पर पहुंच गया।

इस प्रकार जिले में 84 अंकों की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिसे विशेषज्ञ गंभीर संकेत मान रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि ऐसे जिलों में लगातार निगरानी और जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। दूसरी ओर हिसार जिले से कुछ राहत देने वाली तस्वीर सामने आई है। जून तक के आंकड़ों में गिरावट के बावजूद जुलाई माह के दौरान जन्म लिंगानुपात में सुधार के संकेत मिले हैं। अधिकारियों का कहना है कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, गर्भपूर्व एवं प्रसवपूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम के सख्त पालन और स्वास्थ्य विभाग की निगरानी के कारण कुछ क्षेत्रों में सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि लिंगानुपात में गिरावट के कारणों का जिला स्तर पर विश्लेषण किया जा रहा है। जिन जिलों में स्थिति अधिक खराब है, वहां विशेष निगरानी अभियान, अल्ट्रासाउंड केंद्रों की नियमित जांच, संदिग्ध मामलों की समीक्षा और जनजागरूकता कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाया जाएगा।

साथ ही सिविल सर्जनों और जिला प्रशासन को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि लिंगानुपात केवल एक सांख्यिकीय आंकड़ा नहीं, बल्कि समाज की सोच और सामाजिक संतुलन का महत्वपूर्ण संकेतक है। यदि इसमें लगातार गिरावट बनी रहती है, तो भविष्य में सामाजिक और जनसांख्यिकीय असंतुलन जैसी गंभीर चुनौतियां सामने आ सकती हैं। इसलिए, सरकार, प्रशासन और समाज को मिलकर कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाओं पर रोक लगाने और बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे।

स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि आगामी महीनों में भी लिंगानुपात की लगातार समीक्षा की जाएगी और जिन जिलों का प्रदर्शन कमजोर रहेगा, वहां विशेष अभियान चलाकर स्थिति सुधारने के प्रयास तेज किए जाएंगे। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना केवल सरकारी योजनाओं का उद्देश्य नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक परिवार कन्या जन्म को सम्मान और समान अवसर देने की भावना अपनाए, तो लिंगानुपात में सुधार संभव है। विभाग ने संकेत दिए हैं कि आगामी महीनों में जिलावार समीक्षा और सख्त निगरानी के आधार पर आवश्यक कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि प्रदेश में संतुलित लिंगानुपात सुनिश्चित किया जा सके।

फर्जी क्रिप्टो कंपनी बनाकर 12 लाख की ठगी, मेरठ के दो आरोपितों पर केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

हरियाणा के यमुनानगर में क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर एक युवक से 12 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर थाना छप्पर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी रोहित गिल और उपेंद्र आनंद के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार आरोपितों ने अपनी एसपीटी नामक कंपनी में निवेश करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने दावा किया कि कंपनी में निवेश करने पर हर महीने 10 प्रतिशत तक का निश्चित लाभ मिलेगा। अधिक मुनाफे के लालच में आकर पीड़ित ने अलग-अलग किश्तों में कुल 12 लाख रुपये कंपनी में निवेश कर दिए।

कुछ समय तक आरोपित लगातार भरोसा दिलाते रहे कि निवेश सुरक्षित है और जल्द ही लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी न तो कोई रिटर्न मिला और न ही निवेश की गई राशि वापस की गई। जब पीड़ित को संदेह हुआ और उसने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपितों ने रकम लौटाने से साफ इनकार कर दिया। बाद में जानकारी मिली कि एसपीटी नाम से लोगों को निवेश का झांसा देकर ठगी की जा रही थी और कंपनी की गतिविधियां संदिग्ध थीं। खुद को ठगा महसूस करने के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, जिसके आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपितों की भूमिका के साथ-साथ कंपनी की वास्तविक स्थिति की भी पड़ताल की जाएगी। यदि जांच में अन्य लोगों से भी इसी तरह की ठगी के प्रमाण मिलते हैं, तो उन्हें भी जांच में शामिल किया जाएगा।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी निवेश योजना में पैसा लगाने से पहले कंपनी की वैधता और विश्वसनीयता की पूरी जांच कर लें तथा अधिक मुनाफे के लालच में बिना सत्यापन के निवेश करने से बचें। पुलिस ने यह भी कहा कि यदि किसी अन्य व्यक्ति के साथ भी इसी प्रकार की धोखाधड़ी हुई है, तो वह बिना देरी किए संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराए। साइबर और आर्थिक अपराधों से बचाव के लिए केवल अधिकृत एवं पंजीकृत निवेश प्लेटफॉर्म का ही चयन करें तथा किसी भी आकर्षक रिटर्न के दावों की पहले पूरी तरह जांच अवश्य करें।

दिल्ली हाई कोर्ट का फैसला: सुशील कुमार को नहीं मिली जमानत, जेल में रहेंगे पहलवान

एजेंसी, नई दिल्ली

सुशील कुमार को दिल्ली हाई कोर्ट से राहत नहीं, सागर धनखड़ हत्याकांड में जमानत याचिका खारिज पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड मामले में ओलिंपियन पहलवान सुशील कुमार को दिल्ली हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है। हाई कोर्ट ने गुरुवार को सुशील कुमार की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही मामले में उनकी जमानत पर लगी रोक बरकरार रहेगी। सुशील कुमार ने नियमित जमानत की मांग करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने रोहिणी कोर्ट के छह फरवरी के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। सुशील कुमार की ओर से अदालत में तर्क दिया गया था कि अभियोजन पक्ष के लगभग सभी महत्वपूर्ण गवाहों से पूछताछ पूरी हो चुकी है, इसलिए अब उन्हें जमानत दी जानी चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करने के बाद जमानत देने से इनकार कर दिया।

अदालत ने मामले की गंभीरता और उपलब्ध तथ्यों को देखते हुए सुशील कुमार को राहत नहीं दी। यह मामला वर्ष 2021 में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में हुई पहलवान सागर धनखड़ की हत्या से जुड़ा है। आरोप है कि संपत्ति विवाद और आपसी विवाद के चलते सागर धनखड़ पर हमला किया गया था, जिसमें उनकी मौत हो गई थी। इस मामले में ओलिंपियन पहलवान सुशील कुमार सहित कई लोगों को आरोपी बनाया गया था।

जांच एजेंसियों ने सुशील कुमार के खिलाफ गंभीर आरोपों के आधार पर कार्रवाई की थी। गिरफ्तारी के बाद से ही वह न्यायिक हिरासत में हैं। सुशील कुमार ने कई बार अदालतों के माध्यम से जमानत की मांग की, लेकिन अब तक उन्हें राहत नहीं मिल सकी है। अदालत में सुशील कुमार की ओर से यह भी कहा गया कि मुकदमे की सुनवाई लंबी चल सकती है और लंबे समय तक हिरासत में रखना उचित नहीं होगा। हालांकि, अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए मामले की गंभीरता और आरोपों को आधार बनाया। दिल्ली हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद सागर धनखड़ हत्याकांड में सुशील कुमार की न्यायिक हिरासत जारी रहेगी।

स्कूल गेट से गिरी ईंटों की चपेट में छात्र की हुई दर्दनाक मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

गन्नौर। गांव गढ़ी बिलंदा स्थित प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। स्कूल के मुख्य गेट पर उगी बेल और पौधों को हटाने के दौरान गेट के ऊपरी हिस्से से अचानक ईंटें और मलबा नीचे गिर गया। इस हादसे में स्कूल का चौकीदार और गांव बेगा निवासी छठी कक्षा का छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल छात्र को तुरंत बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार स्कूल के मुख्य द्वार पर काफी समय से बेल और पौधे उग आए थे, जिन्हें हटाने का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान गेट की कमजोर संरचना से ईंटें और मलबा टूटकर नीचे गिर गया। हादसे के समय वहां मौजूद छात्र इसकी चपेट में आ गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। अस्पताल पहुंचने के बाद उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद छात्र के परिजनों ने स्कूल प्रबंधन और संबंधित कर्मचारियों पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। सूचना मिलने पर गन्नौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हादसे की सूचना मिलते ही खंड शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह अपनी टीम के साथ विद्यालय पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिक्षा विभाग भी हादसे के कारणों और स्कूल की स्थिति की समीक्षा कर रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल परिसर में पीछे की ओर बना एक कमरा लंबे समय से जर्जर अवस्था में है। इसके अलावा विद्यालय की चारदीवारी भी कमजोर हालत में है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जर्जर भवनों और दीवारों की जल्द मरम्मत कराई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

न्यूज ब्रीफ

मेरठ से प्रयागराज तक बारिश का अलर्ट मानसून फिर हुआ सक्रिय

एजेंसी ,नई दिल्ली । एनसीआर में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मेरठ समेत कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है, जिसके चलते मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बुधवार रात से शुरू हुई बारिश गुरुवार को भी जारी रही। पिछले दो दिनों में एनसीआर क्षेत्र में करीब 65 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, नमी से भरे बादलों का बड़ा समूह एनसीआर के ऊपर बना हुआ है, जिससे आने वाले समय में भी तेज बारिश की संभावना बनी हुई है। मेरठ, सहारनपुर, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, मथुरा, लखनऊ, कानपुर और प्रयागराज समेत कई जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। मेरठ में जुलाई महीने में सामान्य से ढाई गुना अधिक बारिश दर्ज की गई है। लगातार हो रही बारिश से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है, लेकिन कई जगहों पर जलभराव की स्थिति भी बन गई है। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने और जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलने की अपील की है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, मानसून की सक्रियता के कारण अगले कुछ दिनों तक एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। किसानों और आम लोगों को मौसम विभाग की चेतावनियों पर नजर रखने की सलाह दी गई है।

आगरा मेडिकल कॉलेज में बदलेगी व्यवस्था, 10 करोड़ से बनेगा आधुनिक ओपीडी

एजेंसी ,नई दिल्ली । आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में मरीजों की सुविधा बढ़ाने के लिए एक नया ओपीडी कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस कॉम्प्लेक्स का उद्देश्य मरीजों की भीड़ कम करना और पर्चा बनवाने के दौरान होने वाली परेशानी को दूर करना है। प्रस्तावित ओपीडी कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य लगभग 15 महीने में पूरा किया जाएगा। नई व्यवस्था शुरू होने के बाद मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और पंजीकरण प्रक्रिया भी आसान हो जाएगी। अस्पताल में पर्चे के लिए लगने वाली लंबी कतारों और धक्का-मुक्की की समस्या से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना के तहत स्त्री रोग विभाग के लिए चार मंजिला कॉम्प्लेक्स भी तैयार किया जाएगा। इसमें मरीजों और उनके परिजनों के लिए आधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। मेडिकल कॉलेज प्रशासन का कहना है कि बढ़ती मरीजों की संख्या को देखते हुए यह कदम काफी महत्वपूर्ण है। नए ओपीडी भवन के बनने से अलग-अलग विभागों में मरीजों का दबाव कम होगा और डॉक्टरों को भी बेहतर तरीके से सेवाएं देने में मदद मिलेगी। कॉलेज प्रशासन ने बताया कि योजना के तहत मरीजों के लिए व्यवस्थित प्रवेश, पंजीकरण और उपचार की सुविधा विकसित की जाएगी।एसएन मेडिकल कॉलेज में लंबे समय से मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण भीड़ की समस्या बनी हुई थी।

रेवाड़ी में बारिश का कहर, मकान गिरने से महिला और बच्चा घायल

एजेंसी ,नई दिल्ली । रेवाड़ी जिले के कुहारड़ गांव में बुधवार शाम तेज बारिश के

चलते एक दर्दनाक हादसा हो गया। लगातार हुई वर्षा के कारण एक मकान अचानक भरभराकर गिर गया, जिसमें एक महिला और करीब सात वर्षीय बच्चा मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने मलबे में दबे महिला और बच्चे को बाहर निकाला और उन्हें इलाज के लिए रेवाड़ी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में दोनों घायलों का उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि तेज बारिश के कारण मकान की दीवारें कमजोर हो गई थीं, जिसके चलते यह हादसा हुआ। अचानक मकान गिरने से गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों की जान बचाने के लिए तुरंत मदद की। घटना की सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दी गई। संबंधित विभाग की टीम मामले की जानकारी जुटा रही है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। बारिश के मौसम में पुराने और कमजोर मकानों को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। फिलहाल घायल महिला और बच्चे की हालत पर डॉक्टर नजर बनाए हुए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से प्रभावित परिवार को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

मेवात में अब ड्रैगन फ्रूट उगाएंगे किसान

एजेंसी, नई दिल्ली नूंह जिले में किसानों ने खेती के क्षेत्र में एक नई पहल शुरू की है। जिले के मुबारकपुर और बड़ोजी गांवों में पहली बार किसानों ने ड्रैगन फ्रूट की खेती शुरू की है। इस नई खेती से किसानों को अधिक आय मिलने की उम्मीद है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। मेवात क्षेत्र में अब तक किसान मुख्य रूप से टमाटर, प्याज और अन्य पारंपरिक फसलों की खेती करते रहे हैं, लेकिन बदलते समय के साथ किसान अब नकदी फसलों और बागवानी की ओर बढ़ रहे हैं। ड्रैगन फ्रूट की खेती को इसी बदलाव का हिस्सा माना जा रहा है। किसानों का कहना है कि ड्रैगन फ्रूट का पौधा लगाने के बाद लंबे समय तक उत्पादन लिया जा सकता है। एक बार पौधा तैयार होने के बाद करीब 25 वर्षों तक इससे कमाई की जा सकती है। इससे किसानों को लगातार आय का साधन मिलेगा। इस पहल को सफल बनाने के लिए बागवानी विभाग भी किसानों को तकनीकी जानकारी और आवश्यक सहयोग प्रदान कर रहा है। विभाग की मदद से किसानों को आधुनिक खेती के तरीकों की जानकारी दी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, ड्रैगन फ्रूट की बढ़ती मांग को देखते हुए यह खेती किसानों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है।

गाजियाबाद के किसानों को राहत की तैयारी फसल बीमा कराने की अंतिम तारीख 14 अगस्त

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद जिले में खरीफ सीजन के दौरान धान की फसल को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत सुरक्षित करने के लिए कृषि विभाग ने किसानों से समय रहते बीमा कराने की अपील की है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि धान की फसल इस सीजन में अधिसूचित फसल है और प्राकृतिक आपदा या अन्य कारणों से नुकसान होने पर बीमित किसानों को योजना के प्रावधानों के अनुसार आर्थिक सहायता मिल सकेगी।

विभाग के अनुसार गैर ऋणी किसानों के लिए फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 14 अगस्त निर्धारित की गई है। वहीं ऋणी किसानों के लिए बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त है। धान की फसल का बीमा कराने वाले किसानों को प्रति हेक्टेयर 1660 रुपये प्रीमियम जमा करना होगा। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर बीमा कराकर अपनी फसल को सुरक्षा कवच प्रदान करें। अधिकारियों ने कहा कि मौसम संबंधी जोखिम, अतिवृष्टि, बाढ़, सूखा, कीट प्रकोप और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाली क्षति से किसानों को राहत दिलाने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कृषि विभाग के कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे गांवों में पहुंचकर किसानों को फसल बीमा योजना की जानकारी दें और अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ने का प्रयास करें। किसान नजदीकी बैंक शाखा, जनसेवा केंद्र या अधिकृत माध्यमों से बीमा प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि समय पर बीमा कराने से किसान संभावित नुकसान के समय आर्थिक परेशानियों से बच सकते हैं और खेती में निरंतरता बनाए रख सकते हैं। धान जिले की प्रमुख खरीफ फसल में शामिल है और बड़ी संख्या में किसान इसकी खेती करते हैं। मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए फसल बीमा किसानों के लिए एक उपयोगी सुरक्षा उपाय साबित हो सकता है।

नोएडा एयरपोर्ट के करीब आशियाना बनाने का मौका, यीडा लॉन्च करेगा स्कीम

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा एयरपोर्ट के पास घर बनाने का सपना देखने वालों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) नवरात्र के शुभ अवसर पर दो नई आवासीय प्लॉट योजनाएं लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। इन योजनाओं के तहत नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के नजदीक लोगों को अपने घर का सपना पूरा करने का मौका मिलेगा। यीडा की नई रेजिडेंशियल प्लॉट स्कीम में आम लोगों के साथ-साथ श्रमिकों के लिए भी विशेष प्रावधान किए जाएंगे। योजना के तहत 40 वर्गमीटर से लेकर 300 वर्गमीटर तक के विभिन्न आकार के प्लॉट उपलब्ध कराए जाएंगे।

नोएडा एयरपोर्ट के पास यीडा लाएगा नई प्लॉट योजना

इससे अलग-अलग आय वर्ग के लोगों को अपनी जरूरत और बजट के अनुसार प्लॉट चुनने का अवसर मिलेगा। नोएडा एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी, औद्योगिक परियोजनाओं और आगामी सुविधाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में आवासीय मांग लगातार बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए यीडा नई आवासीय योजनाएं लाने जा रहा है। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार, दोनों योजनाओं की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और नवरात्र के दौरान इन्हें लॉन्च किया जा सकता है। प्लॉट आवंटन की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की जाएगी। योजना में आवेदन करने वाले लोगों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन की सुविधा मिलने की संभावना है। यीडा क्षेत्र में पहले भी कई आवासीय योजनाओं को लोगों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। नई योजनाओं से उन लोगों को फायदा मिलेगा जो नोएडा एयरपोर्ट, यमुना एक्सप्रेसवे और आसपास विकसित हो रहे क्षेत्रों में अपना घर बनाना चाहते हैं।

गुरुग्राम थाने में हंगामा, महिला थाना प्रभारी के पति ने तोड़ी सरकारी गाड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम के सेक्टर-40 थाना परिसर में मंगलवार शाम पारिवारिक विवाद के दौरान जमकर हंगामा हुआ। यहां महिला थाना प्रभारी और उनके पति के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने गुस्से में आकर थाने में खड़ी सरकारी गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी। घटना के बाद पुलिस विभाग में भी हलचल मच गई। जानकारी के अनुसार, महिला थाना प्रभारी और उनके पति के बीच किसी पारिवारिक मामले को लेकर कहासुनी हो गई थी। विवाद बढ़ने पर दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। इसी दौरान पति ने अपना आपा खो दिया और थाना परिसर में खड़ी सरकारी वाहन को नुकसान पहुंचाया।

अचानक हुई इस घटना से वहां मौजूद पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। मामला बढ़ता देख थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों को शांत कराया। पुलिसकर्मियों की कोशिशों के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया। हंगामे के बाद आरोपी पति मौके से चला गया। घटना की जानकारी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों तक भी पहुंचाई गई। महिला थाना प्रभारी की शिकायत के आधार पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े तथ्यों को जुटाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद थाना परिसर में सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

पुलिस विभाग मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी पहलुओं की जांच कर रहा है। फिलहाल जांच जारी है और आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में आगे कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज में सनसनीखेज वारदात तीन हत्याओं के पीछे अवैध संबंध

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज के शाहगंज इलाके में हुए तिहरे हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार, मूकबधिर दंपती समेत तीन लोगों की हत्या अवैध संबंध के चलते की गई थी। बुधवार रात पुलिस और एसओजी टीम ने मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने भागने की कोशिश करते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग की थी, जिसके जवाब में कार्रवाई की गई। उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस और मोबाइल फोन बरामद किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी की पत्नी अपने बच्चों को छोड़कर शाहगंज की गढ़ी कला में रहने चली गई थी। पुलिस का दावा है कि सोमवार रात आरोपी को खाना खाने के बहाने वहां बुलाया गया था।

फरीदाबाद में ट्रक की टक्कर से घायल हुईं गायें, गुस्साई भीड़ ने फूंका वाहन

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद के सेक्टर-18 में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। जानकारी के अनुसार, एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर बैठी गायों के झुंड को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में करीब सात से आठ गायें गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ट्रक चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

घायल गायों को सड़क पर तड़पता देख लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए। आक्रोशित भीड़ ने विरोध प्रदर्शन करते हुए ट्रक को आग के हवाले कर दिया। कुछ ही देर में ट्रक धू-धू कर जलने लगा, जिससे पूरे इलाके में अफरातफरी और दहशत का माहौल बन गया। सड़क पर धुएं का गुबार फैलने से यातायात भी प्रभावित हुआ और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जबकि पुलिस ने लोगों को शांत कर स्थिति को नियंत्रित किया सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश का कहर, गुरुग्राम में वर्क फ्रॉम होम की सलाह

गर्मी से राहत, लेकिन बारिश बनी आफत; दिल्ली-एनसीआर में जगह-जगह जलभराव

एजेंसी, नई दिल्ली

जलभराव और बारिश से दिल्ली-एनसीआर की रफ्तार थमी

राजधानी दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा और आसपास के कई इलाकों में भारी जलभराव के कारण सड़कें तालाब जैसी नजर आईं। जगह-जगह पानी भरने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई और कई प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लग गया। दिल्ली से गुरुग्राम और दिल्ली-दून हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जिससे लोगों को घंटों तक ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ा। गुरुग्राम प्रशासन ने हालात को देखते हुए निजी और सरकारी संस्थानों को कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम की सुविधा देने की सलाह जारी की है, ताकि सड़कों पर वाहनों का दबाव कम किया जा सके।

बारिश के कारण सबसे अधिक परेशानी नौकरीपेशा लोगों को हुई, जिन्हें कार्यालय पहुंचने में काफी देरी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर वाहन पानी में फंस गए, जबकि कुछ अंडरपास भी जलभराव के कारण बंद करने पड़े। वहीं, हरियाणा के कई इलाकों में स्कूल जाने वाले बच्चों और अभिभावकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्कूल बसों की रफ्तार धीमी रही और कई मार्गों पर यातायात प्रभावित होने से बच्चे देर से स्कूल पहुंचे। दूसरी ओर, लगातार हो रही बारिश से लोगों को उमस और भीषण गर्मी से राहत जरूर मिली, लेकिन जलभराव और ट्रैफिक जाम ने राहत के साथ परेशानी भी बढ़ा दी। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों तक कई इलाकों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और जलभराव वाले मार्गों पर सावधानी बरतने की अपील की है।

नगर निगम और संबंधित एजेंसियों की टीमें जलनिकासी और यातायात व्यवस्था को सामान्य बनाने में जुटी हुई हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है और पानी निकालने के लिए पंपों की मदद ली जा रही है। यदि बारिश का सिलसिला जारी रहता है तो एनसीआर के कई इलाकों में यातायात और जनजीवन पर इसका असर आगे भी देखने को मिल सकता है। लगातार हो रही बारिश के बाद प्रशासन ने जलभराव वाले क्षेत्रों में राहत कार्य तेज कर दिए हैं। नगर निगम की टीमें सड़कों से पानी निकालने और बंद पड़े नालों की सफाई में जुटी हैं, ताकि यातायात जल्द सामान्य हो सके। मौसम विभाग ने लोगों को मौसम की ताजा जानकारी पर नजर रखने और आवश्यकता होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर जलनिकासी व्यवस्था और समय पर तैयारियां भविष्य में ऐसी समस्याओं को काफी हद तक कम कर सकती हैं।

नोएडा में ई-बस सेवा को मिली रफ्तार कासना बस स्टैंड पर शुरू हुई चार्जिंग सुविधा

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा में इलेक्ट्रिक बस सेवा को अधिक तेज, सुगम और प्रभावी बनाने की दिशा में आज से कासना बस स्टैंड पर ई-बसों के लिए अत्याधुनिक चार्जिंग सुविधा शुरू कर दी गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इस चार्जिंग स्टेशन के निर्माण, परीक्षण और तकनीकी तैयारियों का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। अब तक इस रूट पर चलने वाली ई-बसों को चार्जिंग के लिए नोएडा और गाजियाबाद के मोहन नगर डिपो तक जाना पड़ता था। इस प्रक्रिया में काफी समय लगता था, जिससे कई बसें बीच रूट से हट जाती थीं और यात्रियों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था।

नई सुविधा शुरू होने से बसों को अब मार्ग के बीच में ही चार्ज किया जा सकेगा, जिससे संचालन अधिक व्यवस्थित और समयबद्ध रहेगा। कासना को ई-बस संचालन का प्रमुख हब बनाने की योजना के तहत इस स्टेशन को विशेष रूप से विकसित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, चार्जिंग की सुविधा रूट पर ही उपलब्ध होने से बसों की उपलब्धता बढ़ेगी, यात्रियों को कम इंतजार करना पड़ेगा और परिवहन व्यवस्था अधिक भरोसेमंद बनेगी। इसके अलावा, बस चालकों का समय बचेगा, परिचालन लागत में कमी आएगी और अधिक फेरे लगाए जा सकेंगे। इससे सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिलेगा तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भविष्य में यात्रियों को बेहतर, तेज और सुविधाजनक यात्रा अनुभव मिलने की उम्मीद है तथा शहर की ई-बस व्यवस्था और मजबूत होगी। कासना बस स्टैंड पर चार्जिंग स्टेशन शुरू होने से नोएडा और ग्रेटर नोएडा की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। पहले चार्जिंग के लिए बसों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बर्बादी होती थी।

नई सुविधा से ई-बसों की संख्या रूट पर लगातार बनी रहेगी और यात्रियों को समय पर बसें मिल सकेंगी। इससे कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों, छात्रों और दैनिक यात्रियों को विशेष राहत मिलेगी। अधिकारियों का मानना है कि भविष्य में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ऐसे और चार्जिंग स्टेशन भी विकसित किए जाएंगे। यह पहल स्वच्छ, हरित और आधुनिक परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रदूषण कम करने और ईंधन पर निर्भरता घटाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

सुहाने मौसम में मां वैष्णो देवी यात्रा जारी बैटरी कार मार्ग खुला, हेलीकॉप्टर सेवा स्थगित

आरएफआईडी कार्ड व्यवस्था के साथ यात्रा जारी, रोपवे और अन्य सेवाएं रहीं उपलब्ध

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

सुहाने मौसम और बेहतर हालात के बीच गुरुवार को मां वैष्णो देवी की यात्रा सुचारु रूप से जारी रही। दिनभर बारिश नहीं होने से श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिली। ठंडी हवाओं और धूप-छांव के बीच मौसम खुशनुमा बना रहा, जिससे श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ माता के दर्शन किए। हालांकि त्रिकूट पर्वत क्षेत्र में बादलों के घने जमाव के कारण हेलीकॉप्टर सेवा को एहतियातन स्थगित करना पड़ा।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए बैटरी कार मार्ग को दोबारा खोल दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बैटरी कार सेवा का लाभ उठाया। वहीं कई श्रद्धालु पैदल यात्रा मार्ग से भवन की ओर बढ़ते रहे। दिनभर यात्रा के सभी प्रमुख मार्ग सुचारु रहे और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। सुबह के समय मौसम अनुकूल रहने पर हेलीकॉप्टर सेवा कुछ घंटों तक संचालित हुई, लेकिन बाद में त्रिकूट पर्वत पर बादलों की स्थिति खराब होने के कारण सुरक्षा कारणों से इसे रोक दिया गया। अधिकारियों के अनुसार मौसम में सुधार होने के बाद हेलीकॉप्टर सेवा दोबारा शुरू करने पर निर्णय लिया जाएगा। यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोपवे, पालकी, पिट्ठू और घोड़ा सेवाएं भी नियमित रूप से उपलब्ध रहीं।

सुहाने मौसम में मां वैष्णो देवी यात्रा सुचारु, श्रद्धालुओं में उत्साह

माता वैष्णो देवी के पवित्र गुफा भवन में दर्शन करने के बाद श्रद्धालु भैरव घाटी पहुंचकर बाबा भैरवनाथ के दर्शन कर अपनी धार्मिक यात्रा पूरी करते रहे। दर्शन के बाद कटड़ा बाजार में भी श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। लोगों ने प्रसाद, धार्मिक सामग्री और अन्य वस्तुओं की खरीदारी की, जिससे बाजारों में दिनभर रौनक बनी रही। बरसात के मौसम को देखते हुए श्राइन बोर्ड और प्रशासन ने यात्रा मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है।

पुलिस, सीआरपीएफ, आपदा प्रबंधन दल और श्राइन बोर्ड के अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान आरएफआईडी यात्रा कार्ड जारी किए जा रहे हैं। श्रद्धालु परिवार और मित्रों के साथ माता के जयकारे लगाते हुए भवन की ओर रवाना हो रहे हैं। प्रशासन की ओर से यात्रियों से मौसम की स्थिति को देखते हुए सावधानी बरतने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

जानकारी के अनुसार बुधवार को करीब 20 हजार श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के पवित्र गुफा भवन में पहुंचकर दर्शन किए थे। वहीं गुरुवार शाम चार बजे तक लगभग 14 हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। देर शाम तक श्रद्धालुओं का आगमन लगातार जारी रहा। प्रशासन का कहना है कि मौसम में बदलाव के बावजूद यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम यात्रा के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए श्राइन बोर्ड की ओर से यात्रा मार्गों पर अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं। जगह-जगह स्वास्थ्य सुविधाएं, पेयजल, सुरक्षा और सहायता केंद्रों को सक्रिय रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मौसम विभाग की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे यात्रा के दौरान सतर्क रहें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। खराब मौसम की स्थिति में किसी भी मार्ग या सेवा को अस्थायी रूप से रोकने का निर्णय यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। श्राइन बोर्ड और प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और मां वैष्णो देवी की पवित्र यात्रा सुचारु रूप से जारी रह सके।

कड़ी सुरक्षा में जम्मू से बालटाल रवाना हुआ 28वां जत्था

सुरक्षा कारणों से रुकी अमरनाथ यात्रा फिर शुरू, 1801 श्रद्धालु हुए रवाना

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा कारणों से एक दिन के लिए स्थगित की गई वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा गुरुवार को फिर शुरू हो गई। जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास से श्रद्धालुओं का 28वां जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार, जत्था तड़के करीब 2:45 बजे रवाना किया गया।

जम्मू स्थित संयुक्त पुलिस कंट्रोल रूम के अनुसार, इस जत्थे में कुल 1,801 तीर्थयात्री शामिल हैं। इनमें 1,347 पुरुष, 351 महिलाएं, 89 साधु और 14 साध्वियां शामिल हैं। श्रद्धालुओं को 74 वाहनों के काफिले के माध्यम से बालटाल भेजा गया। इन वाहनों में 40 बसें, 12 मीडियम मोटर व्हीकल, 19 लाइट मोटर व्हीकल और तीन दोपहिया वाहन शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए पहलगाम मार्ग के लिए गुरुवार को कोई जत्था रवाना नहीं किया गया। बालटाल जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को तैनात किया गया है।

◆ **अनुच्छेद 370 बरसी पर रुकी यात्रा, सुरक्षा जांच बाद फिर शुरू**

श्री अमरनाथ यात्रा हिंदू धर्म की प्रमुख तीर्थ यात्राओं में शामिल है। हर वर्ष श्रद्धालु जम्मू-कश्मीर की बर्फीली पहाड़ियों के बीच स्थित बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। अनंतनाग जिले में स्थित अमरनाथ गुफा समुद्र तल से करीब 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जहां प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिमलिंग के दर्शन के लिए देशभर से श्रद्धालु आते हैं।

न्यूज ब्रीफ

जम्मू में 15वीं जेके यूटी शूटिंग चैंपियनशिप का पदक वितरण समारोह आयोजित

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर राइफल एसोसिएशन की ओर से 15वीं जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश शूटिंग चैंपियनशिप की सफलता के अवसर पर जम्मू में पदक वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता युवा सेवा एवं खेल निदेशालय, जम्मू-कश्मीर की महानिदेशक अनुराधा गुप्ता ने की। कार्यक्रम में चैंपियनशिप के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निशानेबाजों को सम्मानित किया गया। होटल अनुथम जम्मू में आयोजित इस समारोह में खेल अधिकारी, शूटिंग खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन युवा निशानेबाजों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं। साथ ही इससे जम्मू-कश्मीर में शूटिंग खेल को बढ़ावा मिलेगा और आने वाले समय में खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

नरवाल एचपीसीएल डिपो पर टैंकर चालकों का प्रदर्शन, मांगों के समाधान की उठाई आवाज

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू के नरवाल स्थित एचपीसीएल डिपो के बाहर गुरुवार को टैंकर चालकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी चालकों ने प्रशासन से समस्याओं के समाधान की मांग की। चालकों का कहना है कि जब तक राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह यातायात के लिए बहाल नहीं हो जाता, तब तक उन्हें चिनैनी में रुकने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उनकी मांगों पर लंबे समय से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। टैंकर चालकों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन को और तेज करने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

सलीम चौधरी ने गुज्जर-बकरवाल समुदाय के लिए दो कनाल भूमि देने की मांग उठाई

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। अपनी पार्टी के ट्राइबल विंग अध्यक्ष सलीम चौधरी ने पत्रकार वार्ता में गुज्जर-बकरवाल समुदाय से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को पांच-पांच मरले के प्लॉट देने की योजना इस समुदाय की जरूरतों के अनुरूप नहीं है। सलीम चौधरी ने मांग की कि गुज्जर-बकरवाल परिवारों के पुनर्वास के लिए कम से कम दो कनाल भूमि उपलब्ध कराई जाए, क्योंकि यह समुदाय पशुधन पर भी निर्भर रहता है। उन्होंने छात्रावासों की खराब स्थिति पर चिंता जताते हुए खाली पदों और सीटों को जल्द भरने की मांग की। उन्होंने सरकार से समुदाय के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिए विशेष कदम उठाने की अपील की।

धारा 370 समर्थकों पर भाजपा प्रवक्ता अंकुर शर्मा ने साधा तीखा निशाना

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अंकुर शर्मा ने धारा 370 को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि धारा 370 का समर्थन करने वाले लोग खुद को धर्मनिरपेक्ष नहीं कह सकते, क्योंकि यह प्रावधान संविधान की समान व्यवस्था को प्रभावित करता था। अंकुर शर्मा ने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती पर भी आरोप लगाए और कहा कि वह धारा 370 के मुद्दे को लेकर तुष्टिकरण की राजनीति कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य में बहुसंख्यक आबादी के आधार पर अलग झंडा और विशेष दर्जा नहीं दिया जा सकता। उन्होंने केंद्र सरकार के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि देश में सभी नागरिकों के लिए समान व्यवस्था जरूरी है।

जम्मू-कश्मीर के वुशु खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीते 16 पदक

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के वुशु खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। जार्जिया के बटुमी में 30 जुलाई से 4 अगस्त तक आयोजित बटुमी ओपन अंतरराष्ट्रीय वुशु प्रतियोगिता में जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों ने कुल 16 पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। इसमें 10 स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं।

◆ **बटुमी ओपन में खिलाड़ियों ने 10 स्वर्ण सहित जीते 16 पदक**

◆ **खिलाड़ियों ने विश्व मंच पर बढ़ाया प्रदेश का गौरव**

जम्मू-कश्मीर के छह खिलाड़ियों का चयन अप्रैल 2026 में देहरादून में आयोजित चयन ट्रायल के माध्यम से भारतीय टीम के लिए हुआ था। इन खिलाड़ियों ने जूनियर और सब-जूनियर वर्ग की ताओलू स्पर्धाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में अहान शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चांगक्वान में रजत पदक और दाओशु व गुंशु स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते। ध्रुविका गुप्ता ने विंगचुन और डबल डैगर में स्वर्ण पदक हासिल किए। हरिण्य महाजन ने चांगक्वान में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी क्षमता साबित की। प्रतिभा देवी ने नानक्वान में रजत, नंदाओ में स्वर्ण और नानगुन में रजत पदक अपने नाम किए।

विदेशी नागरिकों की सूचना न देने पर होटल प्रबंधक दंडित

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। विदेशी नागरिकों के ठहरने की अनिवार्य सूचना पुलिस को नहीं देना अनंतनाग जिले के एक होटल प्रबंधक को भारी पड़ गया। इमिग्रेशन एवं फॉरेनर्स एक्ट-2025 लागू होने के बाद पहली बार अनंतनाग पुलिस ने इस कानून के तहत दोषसिद्धि कराते हुए आरोपी को सजा दिलाई है।

अदालत ने होटल प्रबंधक को दोषी ठहराते हुए उस पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा आरोपी को एक दिन के साधारण कारावास की सजा भी सुनाई गई है।

पुलिस के अनुसार, अतिरिक्त मोबाइल मजिस्ट्रेट की अदालत ने पहलगाम थाने में दर्ज मामले की सुनवाई करते हुए मोवेरा स्थित होटल मिस्टी माउंटेन के प्रबंधक मोहन लाल निवासी चिंता, भद्रवाह (डोडा) को दोषी पाया। यह मामला विदेशी नागरिकों के ठहरने की जानकारी पुलिस को उपलब्ध नहीं करवाने से जुड़ा था।

नारों को निजी राय बताया, भाजपा ने महिलाओं के सम्मान पर दिया जोर

अनंतनाग नारों पर भाजपा हुई सख्त आपत्तिजनक बयानों से किया किनारा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। भारतीय जनता पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई ने अनंतनाग की हाउसिंग कॉलोनी में आयोजित एक रैली के दौरान लगाए गए कथित आपत्तिजनक नारों से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि रैली में कुछ लोगों द्वारा लगाए गए नारे भाजपा की विचारधारा या आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाते हैं।

भाजपा के जनरल सेक्रेटरी (ऑर्गनाइजेशन) अशोक कौल के निर्देश पर जारी बयान में पार्टी प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि भाजपा किसी भी व्यक्ति के खिलाफ अपमानजनक या आपत्तिजनक टिप्पणियों का समर्थन नहीं करती है। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा महिलाओं के सम्मान, गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है।

अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि भाजपा महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देती है और महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय भी इसी सोच को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि रैली के दौरान कुछ लोगों ने अपनी निजी सोच या भावनाओं के आधार पर नारे लगाए होंगे, लेकिन उन्हें पार्टी की आधिकारिक राय नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान या नारे कार्यक्रम में शामिल नेताओं और भाजपा के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने दोहराया कि पार्टी राजनीतिक मर्यादा और मुद्दों पर आधारित राजनीति में विश्वास रखती है।

अनुच्छेद 370 पर फारूक अब्दुल्ला ने फिर उठाई बहाली की मांग

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 को लेकर एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को लेकर उठाए गए कदम असंवैधानिक थे और उनकी पार्टी इसे बहाल करने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रखेगी।

◆ **फारूक का दावा, 2019 के फैसले के खिलाफ जारी रहेगा राजनीतिक संघर्ष**

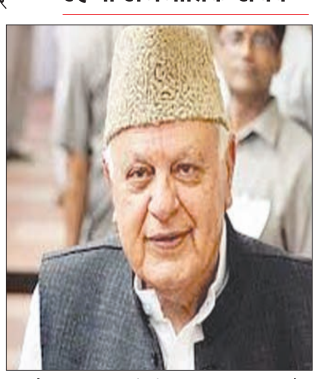

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जो निर्णय लिया गया, उसे लेकर उनका रुख पहले से स्पष्ट है। उन्होंने दावा किया कि देश के कई हिस्सों में इस मुद्दे को लेकर विरोध की आवाजें उठ रही हैं। उन्होंने कहा कि संसद में भी इस विषय को लेकर विरोध प्रदर्शन देखने को मिला और यह आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर के विशेष संवैधानिक दर्जे को खत्म कर दिया था। इसके बाद तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया था।

जब उनसे जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा देने और अनुच्छेद 370 की बहाली को लेकर उनकी पार्टी की रणनीति के बारे में पूछा गया तो फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत नीति नहीं, बल्कि नेशनल कॉन्फ्रेंस की आधिकारिक नीति है।

विधायक विक्रम रंधावा ने जनता दरबार में सुनीं समस्याएं

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। विधायक विक्रम रंधावा ने गुरुवार को जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए कई प्रतिनिधिमंडलों ने विधायक के समक्ष अपने इलाकों से जुड़ी समस्याएं और मांगें रखीं। जनता दरबार में लोगों ने सड़क, बिजली, पानी, विकास कार्यों और अन्य स्थानीय मुद्दों से संबंधित शिकायतें विधायक के सामने प्रस्तुत कीं। विक्रम रंधावा ने सभी प्रतिनिधिमंडलों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों से बातचीत कर जल्द समाधान कराने का भरोसा दिलाया। विधायक ने कहा कि जनता की समस्याओं का निपटारा उनकी प्राथमिकता है और लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े मामलों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है सरकार : उमर अब्दुल्ला

सीएम उमर ने राजौरी के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर राहत और पुनर्वास का दिलाया भरोसा

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को राजौरी जिले में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने बेला कॉलोनी और बेहरोट ऐट्टी इलाकों में पहुंचकर बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और राहत, बचाव, बहाली तथा पुनर्वास कार्यों की स्थिति का जायजा लिया।

बिजली-पानी व्यवस्था बहाल, किसानों और प्रभावितों को मिलेगी सरकारी सहायता।

दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 जुलाई को आई अचानक बाढ़ के समय सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना और मानवीय नुकसान को कम करना था। उन्होंने बाढ़ में चार लोगों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन और बचाव दलों ने समय पर कदम नहीं उठाए होते तो नुकसान और अधिक बढ़ सकता था। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजौरी जिले में बाढ़ के बाद बहाली का कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति को लगभग पूरी तरह बहाल कर दिया गया है, जबकि जल शक्ति विभाग की क्षतिग्रस्त पेयजल योजनाओं को दोबारा शुरू करने का काम लगातार जारी है।

◆ **क्षतिग्रस्त घरों और जमीन के लिए मुआवजे का सीएम ने दिया भरोसा**

भारी बारिश से कई इलाकों में बाढ़, सड़कें और बिजली ढांचा प्रभावित

जम्मू-कश्मीर में बारिश का कहर बादल फटने से मची तबाही

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में मानसून की बारिश से मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। बुधवार शाम घाटी के कई इलाकों में बादल फटने और भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। डीके मार्ग ब्लॉक-2ए के नंदीमार्ग, कुलगाम और उड़ी के बोनियार क्षेत्र के लाछीपोरा गांव में ऊपरी पहाड़ी इलाकों में बादल फटने के बाद भारी मात्रा में मलबा, कीचड़ और पेड़ बहकर निचले क्षेत्रों में आ गए। इससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

कश्मीर के शोपियां, अनंतनाग, कुलगाम, बांडीपोरा, कुपवाड़ा, बड़गाम और बारामुला जिलों में भी लगातार बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। कई स्थानों पर जलभराव और सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है।

कटड़ा और आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों में मंगलवार-बुधवार की रात हुई तेज बारिश के बाद जगह-जगह मलबा और कीचड़ जमा हो गया। भूस्खलन की आशंका को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी यात्रा के बैटरी कार मार्ग को एहतियातन बंद कर दिया गया है।

सुधार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों से उद्योग और निवेश को मिलेगा बढ़ावा

जम्मू-कश्मीर में कारोबार सुधार अध्यादेश पर कैबिनेट ने मांगी रिपोर्ट

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में कारोबार शुरू करने और उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया को आसान बनाने की सरकार की महत्वपूर्ण पहल फिलहाल टल गई है। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए प्रस्तावित अध्यादेश पर कैबिनेट ने तत्काल फैसला लेने के बजाय विस्तृत विभागीय प्रस्तुतीकरण मांग लिया है। अब विभागीय प्रस्तुति के बाद ही इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के अधीन विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य विभाग ने इस अध्यादेश का मसौदा तैयार किया है। हाल ही में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इसे मंजूरी के लिए रखा गया था, लेकिन कुछ मंत्रियों ने इसके प्रावधानों, प्रशासनिक प्रभाव और लागू करने की प्रक्रिया को लेकर अधिक जानकारी मांगी। इसके बाद अध्यादेश को तत्काल स्वीकृति नहीं मिल सकी।

नए सुधारों से निवेश और रोजगार बढ़ने की उम्मीद

सरकार का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में कारोबार शुरू करने की प्रक्रिया को कम खर्चीला, आसान और समयबद्ध बनाना है। प्रस्तावित अध्यादेश में कई महत्वपूर्ण सुधारों का प्रावधान किया गया है। इनमें अनावश्यक सरकारी औपचारिकताओं को कम करना, विभिन्न विभागों से मिलने वाली अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) की संख्या घटाना, स्व-प्रमाणन व्यवस्था को बढ़ावा देना और बार-बार होने वाले निरीक्षणों में बदलाव शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार, अध्यादेश का सबसे अहम प्रावधान कुछ प्रक्रियागत औपचारिकताओं को तीन साल तक टालने की सुविधा देना है। इसका उद्देश्य यह है कि उद्यमी पहले अपना कारोबार या उद्योग शुरू कर सकें और जरूरी औपचारिकताएं बाद में पूरी कर सकें। इससे नए निवेशकों को शुरुआत में आने वाली परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है।

प्रस्ताव में होटल, होम-स्टे, अस्पताल, निजी शिक्षण संस्थानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए अनुमति प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाने की योजना भी शामिल है। इसके अलावा निरीक्षण रिपोर्ट जारी करने के लिए भी निश्चित समय सीमा तय करने का प्रस्ताव है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सुधार लागू होते हैं तो जम्मू-कश्मीर में निवेश का माहौल बेहतर हो सकता है। उद्योग लगाने में लगने वाला समय और लागत कम होगी, जिससे निजी निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। छोटे कारोबारियों और स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं को सबसे अधिक लाभ मिलने की संभावना है। व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने से पर्यटन, होटल, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा और सेवा क्षेत्र में नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

जम्मू-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में बढ़े कोच, यात्रियों को मिलेगी राहत

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। यात्रियों की बढ़ती संख्या और आगामी दिनों में संभावित भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने जम्मू तवी-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 12426 जम्मू तवी-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में 8 अगस्त से 14 अगस्त तक अस्थायी रूप से एक अतिरिक्त तृतीय वातानुकूलित (थर्ड एसी) कोच लगाया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस अवधि के दौरान जम्मू तवी से चलने वाली राजधानी एक्सप्रेस में यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त कोच की व्यवस्था की गई है, ताकि अधिक यात्रियों को आरक्षण की सुविधा मिल सके और वे आरामदायक यात्रा कर सकें।

अतिरिक्त थर्ड एसी कोच लगने से यात्रियों को सीट उपलब्धता में राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा करने से पहले ट्रेन में आरक्षण की स्थिति और कोच संरचना की नवीनतम जानकारी जरूर प्राप्त कर लें।

यात्री रेलवे की आरक्षण सेवा, आधिकारिक माध्यमों या पूछताछ नंबर 139 के जरिए ट्रेन से जुड़ी जानकारी हासिल कर सकते हैं। रेलवे ने कहा कि यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए लगातार आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार राज्य के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध : सीएम

कहा- भ्रष्टाचार से अर्जित संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांटी जाएगी, जिप कर्मियों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिमला जिला के कुसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र में करीब 48 करोड़ रुपए लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

उन्होंने मशोबरा में नए खंड विकास कार्यालय भवन का उद्घाटन किया। भट्टाकुफर में छह करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले लोक निर्माण विभाग मंडल कार्यालय, मशोबरा के बलदेयां में 3.64 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले उपमंडल कार्यालय, 12 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले नए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भवन और लगभग 22 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली संपर्क सड़क का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में सड़क और अन्य सुविधाएं बेहतर होंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार प्रदेश के लोगों के हितों व राज्य के संसाधनों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने बद्दी में लगभग 5,000 बीघा जमीन उद्योगपतियों को बहुत कम कीमत पर दी थी।

उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई प्राकृतिक आपदा में राज्य में 23 हजार से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए, लेकिन प्रदेश सरकार ने तुरंत राहत और सहायता पहुंचाकर प्रभावित परिवारों की मदद की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने वाइल्ड फ्लावर हॉल मामले में महत्वपूर्ण कानूनी जीत हासिल की है।

इसके साथ ही जेएसडब्ल्यू से हिमाचल प्रदेश के हितों से कोई समझौता किए बिना 18 प्रतिशत निशुल्क विद्युत हिस्सेदारी सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि किशाऊ परियोजना में भी सरकार ने हिमाचल के हितों की रक्षा की है, जिससे राज्य को हर साल लगभग 600 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सर्वेक्षण के माध्यम से 1.75 लाख अति निर्धन परिवारों की पहचान की है। इनके सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए शीघ्र ही 'अपना परिवार सुखी परिवार योजना' शुरू की जाएगी। इसके अतिरिक्त लगभग 10 लाख पात्र परिवारों को स्वास्थ्य बीमा देने के लिए नई योजना भी तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल की लगभग 80 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, इसलिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों की आय बढ़ाने का प्रयास कर रही है। सुक्खू ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में थ्री टेस्ला एमआरआई मशीनें स्थापित की जा रही हैं और रोबोटिक सर्जरी की सुविधा भी शुरू की गई है। अस्पतालों में खाली पदों को भी प्राथमिकता के आधार पर भरा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए प्रतिबद्ध है। भ्रष्टाचार के माध्यम से अर्जित की गई संपत्तियों को जब्त करके गरीबों में बांटा जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास उनकी वैध आय से अधिक संपत्ति पाई जाएगी, उन्हें अपनी संपत्ति की जानकारी प्रदान करनी होगी। उन्होंने जिला परिषद कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनकी सभी मांगों और समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा और उचित समाधान निकालने का प्रयास की जाएगा।

केंद्र से आर्थिक सहायता लंबित, राज्य सरकार ने कर्मचारियों से किए वादे पूरे किए: अनिरुद्ध

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार के दौरान कुसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र में 500 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य पूर्ण हुए हैं और कुछ विकास कार्य चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में वन अधिकार अधिनियम के तहत 120 से अधिक सड़कों को स्वीकृति प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी दृष्टिकोण के अनुरूप आधुनिक पंचायत घर बनाए जा रहे हैं, जिसकी अन्य राज्यों ने भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों से किए वादे पूरे किए हैं, लेकिन केंद्र सरकार से पर्याप्त आर्थिक सहायता नहीं मिल पाई। प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1,500 करोड़ रुपए की सहायता राशि अब तक जारी नहीं हुई है और कई केंद्रीय अनुदान भी लंबित हैं। उन्होंने कहा कि कसुम्पटी विधानसभा का अधिकांश विकास कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुआ है।

लोकहित के मुद्दों से भाग रही कांग्रेस, संसद का समय नारेबाजी व व्यवधान में कर रही बर्बाद: अनुराग ठाकुर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने संसद की कार्यवाही में लगातार हो रहे व्यवधान पर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल संसद के महत्वपूर्ण समय का उपयोग जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा करने के बजाय अपनी ओछी राजनीति के लिए कर रहे हैं। उनका उद्देश्य देशहित के विषयों पर विमर्श करना नहीं, बल्कि संसद की कार्यवाही को बाधित कर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करना है।

अनुराग ने कहा कि संसद सत्र का यह तीसरा सप्ताह चल रहा है, लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी सदन में तीन बार भी दिखाई नहीं दिए। वे स्वयं लोकसभा में उपस्थित नहीं होते, जबकि दूसरी ओर सदन न चल पाए इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब सरकार ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा से जुड़े एंटी-पेपर लीक विधेयक पर लगभग 12 घंटे तक विस्तृत चर्चा करवाई, तब कांग्रेस की ओर से इस महत्वपूर्ण विधेयक पर 12 शब्द भी नहीं बोले गए। इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस युवाओं के हितों के प्रति कितनी उदासीन है और उसकी राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने तक सीमित रह गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी तथा कुछ अन्य विपक्षी दल लगातार सदन की कार्यवाही में बाधा डालते हैं, वेल में आकर नारेबाजी करते हैं और फिर वॉकआउट कर देते हैं यदि उनका उद्देश्य केवल नारे लगाना है, तो यह काम संसद के बाहर भी किया जा सकता है, लेकिन संसद देश के करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं और समस्याओं पर चर्चा का सर्वोच्च मंच है, ऐसे में व्यवधान उत्पन्न करना लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ अन्याय है। अनुराग ने कहा कि विपक्ष के इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से चुने गए अनेक सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्रों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन में नहीं उठा पा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

पांच आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त दायित्व

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने पांच भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को अतिरिक्त दायित्व सौंपे हैं। मुख्य सचिव कमलेश कुमार पंत की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार यह आदेश तत्काल प्रभाव से अगले आदेशों तक लोकहित में लागू रहेंगे। सभी अधिकारी अपने मौजूदा पद के साथ अतिरिक्त विभागों का कार्यभार भी संभालेंगे। वर्ष 2013 बैच के आईएएस अधिकारी आदित्य नेगी, प्रबंध निदेशक, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड व निदेशक उद्योग विभाग का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है। वर्ष 2013 बैच के आईएएस अधिकारी कमल कांत सरोच, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, हिमुडा, निदेशक, पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग, हिमाचल प्रदेश का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। वर्ष 2015 बैच के आईएएस अधिकारी शुभ करण सिंह, विशेष सचिव (शिक्षा) को निदेशक, उर्जा विभाग का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। वर्ष 2017 बैच के आईएएस अधिकारी शिवम प्रताप सिंह, निदेशक, युवा सेवाएं एवं खेल विभाग हिमाचल प्रदेश को प्रबंध निदेशक हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। वर्ष 2018 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक वर्मा, प्रबंध निदेशक हिमाचल प्रदेश मिल्कफेड, शिमला, को निदेशक डिजिटल टेक्नोलॉजीज एवं गवर्नेंस विभाग का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। सभी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और अगले आदेश जारी होने तक प्रभावी रहेंगे।

महिलाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत जुखाला में आयोजित तीन दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यशाला का सफल समापन हुआ। समापन समारोह ग्राम पंचायत भवन जुखाला में आयोजित किया गया, जहां प्रशिक्षण पूरा करने वाली सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा बिलासपुर के सदस्य एवं सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक सुरेश नड्डा और सुशील पुंडीर ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। उन्होंने महिलाओं से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान और कौशल का उपयोग कर अपने उद्यमों को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव अमित कुमार ने कार्यशाला के उद्देश्यों और उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा प्रतिभागियों को भविष्य में भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षक अमन पाटियाल, करण कुमार, आकाश पाटियाल, पविंदर कुमार और पंचायत प्रधान हरि राम सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मनरेगा के तहत 34,756 लोगों को मिला रोजगार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी की अध्यक्षता में बचत भवन में जिला स्तरीय 20 सूत्रीय कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। राजेश धर्माणी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोग लाभान्वित हो सकें। उन्होंने सरकारी धन से निर्मित परिसंपत्तियों की विभागवार मैपिंग करने और उनकी निगरानी व संरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि मनरेगा और वीबी राम जी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 1,01,900 जॉब कार्ड जारी किए गए हैं और 34,756 लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 652 तथा शहरी योजना के तहत 17 आवासों का निर्माण पूरा किया गया है। मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग से प्रसव संबंधी विस्तृत आंकड़े उपलब्ध करवाने और गैर संस्थागत प्रसव के कारणों का पता लगाने के भी निर्देश दिए। बैठक में विधायक, प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अपराध जांच में फिंगरप्रिंट विज्ञान की बढ़ती भूमिका पर एसएफएसएल जुन्गा में दिया जोर

भारतेनद्‌ु संवाददाता, शिमला। राज्य फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एसएफएसएल) जुन्गा में आयोजित एक माह का फिंगरप्रिंट प्रशिक्षण कार्यक्रम वीरवार को संपन्न हुआ। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 23 पुलिस अन्वेषण अधिकारियों और चार फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को उप निदेशक डॉ. अपर्णा शर्मा ने प्रमाण-पत्र प्रदान किए। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को अपराध स्थल से फिंगरप्रिंट एकत्र करने, सुरक्षित रखने, वैज्ञानिक परीक्षण, विश्लेषण और प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली, मोर्फो नामांकन सॉफ्टवेयर, फिंगरप्रिंट फोटोग्राफी और कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। निदेशक फॉरेंसिक सेवाएं डॉ. मीनाक्षी महाजन ने कहा कि अपराधों की जांच में फिंगरप्रिंट विज्ञान की भूमिका लगातार बढ़ रही है। प्रशिक्षित अधिकारी वैज्ञानिक आधार पर अपराधों के शीघ्र निपटारे में मददगार साबित होंगे। राज्य फिंगरप्रिंट ब्यूरो प्रभारी डॉ. एसके पाल ने आधुनिक तकनीक से अपराधियों की पहचान और मिलान प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बताया।

बिलासपुर में नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 20 .92 ग्राम चिट्टे के साथ 3 काबू

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में 20.92 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है।

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए हैं। पुलिस अब नशे के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने के लिए जांच कर रही है। पहले मामले में स्पेशल डिटेक्शन टीम (एसडीटी) बिलासपुर ने पट्टा फोरलेन पर टनल नंबर-3 के समीप नाकाबंदी की हुई थी। इस दौरान वाहनों की जांच करते समय टीम ने एक एचआरटीसी बस को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान बस में सवार हरिन्द्र सिंह (29) पुत्र मैहल सिंह, निवासी गांव मड्याला, अमृतसर (पंजाब) के कब्जे से 14.72 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सदर बिलासपुर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया है।

वहीं, दूसरे मामले में पुलिस थाना स्वारघाट की टीम ने कैंचीमोड़ फोरलेन के पास नाकाबंदी कर रखी थी। इस दौरान कीरतपुर से बिलासपुर की ओर आ रही एक महिंद्रा पिकअप गाड़ी को जांच के लिए रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें सवार दो युवकों मुकेश कुमार (24) पुत्र हरि लाल, निवासी संदौली (बिलासपुर) और अजय कुमार (23) पुत्र रूप लाल, निवासी कन्डेला (बिलासपुर) के कब्जे से 6.20 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस नशे की सप्लाई चेन से जुड़े बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की पड़ताल कर रही है, ताकि नशे के कारोबार में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके।

मुख्यमंत्री पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने बताया कि जिले में नशा तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मकान से 10 .96 ग्राम चिट्टा बरामद, एक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए स्टाफ ने रिहायशी मकान से 10.96 ग्राम चिट्टा बरामद किया है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ डमटाल थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की है। सीआईए स्टाफ को मिली सूचना के आधार पर गांव चक्क नांगलियां, डाकघर कंदरोड़ी, तहसील इंदौरा में तपेश्वर सिंह उर्फ सोनू के आवासीय मकान पर तलाशी की गई। तलाशी के दौरान मकान के एक कमरे में टेलीविजन के स्पीकर के भीतर छिपाकर रखा गया 10.96 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। इस संबंध में थाना डमटाल में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की पहचान तपेश्वर सिंह उर्फ सोनू, पुत्र स्वर्गीय मदन सिंह, निवासी गांव चक्क नांगलियां, डाकघर कन्दरोड़ी, तहसील इन्दौरा, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की आगामी जांच जारी है तथा यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद मादक पदार्थ का स्रोत क्या है एवं इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता तो नहीं है।

बस से 8.28 ग्राम चिट्टा बरामद, एक युवक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस ने एक युवक को चिट्टा (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से 8.28 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया है। मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शिमला पुलिस ने बताया कि 5 अगस्त को बालूगंज थाना अंतर्गत पुलिस चौकी शोघी की टीम राष्ट्रीय राजमार्ग-5 पर गश्त और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान होशियारपुर से शिमला आ रही एक निजी बस की तलाशी ली गई। जांच के दौरान एक यात्री के पास संदिग्ध पदार्थ मिला। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 8.28 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी की पहचान बादल टिटला (30) पुत्र अमीर सिंह, निवासी कोटखाई, जिला शिमला के रूप में की है। बरामदगी के बाद आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में पुलिस थाना बालूगंज में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 में मामला दर्ज किया गया है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने वीरवार को बताया कि आरोपी को नियमानुसार अदालत में पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है और पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद चिट्टा कहां से लाया गया था और इसे किसे पहुंचाया जाना था।

मुख्यमंत्री सुक्खू पर अमर्यादित टिप्पणी लोकतांत्रिक मर्यादाओं का अपमान: सुमन

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री पर की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने तीखा पलटवार करते हुए इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक गरिमा पर हमला बताया है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती ने पत्रकार वार्ता में कहा कि जिस व्यक्ति ने स्वयं लंबे समय तक विधायक और मंत्री जैसे संवैधानिक पदों की जिम्मेदारी निभाई हो तथा जिसका परिवार वर्षों तक सत्ता और राजनीति के केंद्र में रहा हो, उससे सार्वजनिक जीवन में शालीनता व जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा की जाती है, यदि ऐसे लोग व्यक्तिगत स्तर पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, तो जनता उन्हें कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि कुछ नेता राजनीतिक हताशा और निजी कारणों से लगातार मुख्यमंत्री पर अनर्गल आरोप लगाने और अमर्यादित बयान देने में लगे हैं। उनका आरोप है कि आय से अधिक संपत्ति के मामलों में चल रही जांच से उपजी बेचैनी के कारण इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो पूरी तरह निंदनीय है। सुमन भारती ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने हमेशा जनहित व पारदर्शिता की राजनीति को प्राथमिकता दी है, जबकि कुछ लोग व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते राजनीतिक मर्यादाओं को तार-तार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे नेताओं का राजनीतिक इतिहास भी अवसरवाद और अपनी ही पार्टी के खिलाफ काम करने का रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ की गई टिप्पणी केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास है।

भरमौर में गहरी खाई में गिरी कार, दो की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, चंबा। चंबा जिले में बुधवार आधी रात एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई।

हादसा जनजातीय भरमौर उपमंडल की होली तहसील के लामू-हीलिंग मार्ग पर हीलिंग नाले के पास हुआ, जहां एक ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर करीब 250 मीटर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस के साथ मिलकर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

पुलिस के अनुसार हादसा बुधवार मध्यरात्रि करीब 12 बजे के बाद हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक दोनों युवक हीलिंग नामक स्थान से अपने घर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान हीलिंग नाले के समीप उनकी कार अचानक सड़क से नीचे खाई में जा गिरी। रात का समय और गहरी खाई होने के कारण बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण रहा। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले घटना की जानकारी पुलिस को दी और

फिर रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। बाद में पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और शवों को खाई से बाहर निकाला। मृतकों की पहचान सुरेश कुमार (48) पुत्र रंगीला राम और संजय कुमार (35) पुत्र शर्मा सरवन, दोनों निवासी लामू क्षेत्र के रूप में हुई है।

पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दुर्घटना वाहन से नियंत्रण खोने के कारण हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह रही। इस हादसे से दोनों परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सुरेश कुमार अपने पीछे पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। वहीं संजय कुमार अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। दोनों परिवारों का कहना है कि रात तक उन्हें इस तरह की किसी अनहोनी की आशंका नहीं थी, लेकिन कुछ ही देर बाद हादसे की सूचना ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया। घटना के बाद पूरे लामू और आसपास के इलाकों में शोक का माहौल है।

एनडीपीएस आरोपी के अवैध निर्माण पर प्रशासन की कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। नूरपुर पुलिस जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत वीरवार को एनडीपीएस अधिनियम के आरोपी शशि कुमार पुत्र गुरदयाल सिंह, निवासी डमटाल के अवैध निर्माण को सक्षम प्राधिकारी के आदेशों के अनुपालन में ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा और पूरा अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। एएसपी धर्म चंद वर्मा ने बताया कि शशि कुमार के खिलाफ पूर्व में एनडीपीएस अधिनियम के तहत दो मामले दर्ज हैं। सक्षम प्राधिकारी के निर्देशों के बाद संबंधित विभाग ने अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान पुलिस ने पूरे घटनाक्रम पर लगातार निगरानी रखी व किसी भी अप्रिय स्थिति को उत्पन्न नहीं होने दिया। नूरपुर पुलिस ने आमजन से शांति व सौहार्द बनाए रखने तथा अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सुविधा | बिलासपुर से 15 इलेक्ट्रिक बसों को मिली हरी झंडी, ग्रामीण रूटों पर दौड़ेंगी नई बसें

ग्रीन हाइड्रोजन परिवहन का है भविष्य: राजेश धर्माणी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार के हरित परिवहन अभियान को नई गति देते हुए नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक व औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने बिलासपुर बस स्टैंड से 15 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रथम चरण में जिला बिलासपुर को कुल 15 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें पांच बसें बिलासपुर डिपो तथा 10 बसें घुमारवीं उप-डिपो के अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण रूटों पर संचालित होंगी।

इस अवसर पर राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार राज्य सरकार ने 300 इलेक्ट्रिक बसों को हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के बेड़े में शामिल किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू तथा उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण व आधुनिक परिवहन व्यवस्था को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में बिलासपुर सहित अन्य जिलों को भी अतिरिक्त इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। धर्माणी ने कहा कि वर्तमान में जिन मार्गों पर डीजल बसें संचालित हो रही हैं, उन्हें चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बसों से प्रतिस्थापित किया जाएगा। उन्होंने एचआरटीसी प्रबंधन को बिलासपुर-बंदला रूट पर भी एक इलेक्ट्रिक बस चलाने के निर्देश दिए, ताकि यह साबित किया जा सके कि पहाड़ी क्षेत्रों में भी इलेक्ट्रिक बसों का सफल संचालन संभव है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय इलेक्ट्रिक और ग्रीन हाइड्रोजन आधारित सार्वजनिक परिवहन का है। प्रदेश सरकार स्वच्छ, प्रदूषणमुक्त और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी दिशा में कीरतपुर-मनाली और शिमला-धर्मशाला जैसे ग्रीन कॉरिडोर विकसित किए गए हैं, जहां इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं। भविष्य में इनकी संख्या और बढ़ाई जाएगी। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने बताया कि सरकार राजीव गांधी स्वरोजगार योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को इलेक्ट्रिक टैक्सी खरीदने पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है। योजना के दूसरे चरण में भी अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि जिन युवाओं के पास हेवी ड्राइविंग लाइसेंस है और वे निजी स्तर पर इलेक्ट्रिक बस खरीदना चाहते हैं, उन्हें भी 50 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा सरकार की ओर से प्रतिमाह 75 हजार रुपये तक का वायबिलिटी गैप फंड (वीजीएफ) भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर परिवहन सुविधाएं पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। नई इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से यात्रियों को आरामदायक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल यात्रा सुविधा मिलेगी, वहीं प्रदूषण और ईंधन लागत में भी कमी आएगी। इससे पहले एचआरटीसी प्रबंधन ने तकनीकी शिक्षा मंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक तिलक राज शर्मा, प्रदेश कांग्रेस महासचिव विवेक कुमार, एपीएमसी अध्यक्ष सतपाल, हिमुडा निदेशक जितेंद्र चंदेल, एचआरटीसी निदेशक संदीप सांख्यान, निर्मला राजपूत, एसडीएम राज कुमार, मंडलीय प्रबंधक एचआरटीसी राज कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक राहुल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष टीईटी की मांग, शिक्षा बोर्ड को सौंपा ज्ञापन

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। टेट प्रभावित शिक्षक मोर्चा, हिमाचल प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव अंकुश शर्मा से मुलाकात कर सेवारत सरकारी शिक्षकों के लिए विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) आयोजित करने की मांग उठाई। इस संबंध में प्रतिनिधिमंडल ने सचिव को विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा।

मोर्चा ने ज्ञापन में कहा कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील संख्या 1385/2025 में दिए गए निर्णय तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के हलफनामे की भावना के अनुरूप राज्यों को सेवारत शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करने का पर्याप्त और व्यावहारिक अवसर उपलब्ध कराना चाहिए। इसी आधार पर हिमाचल प्रदेश में भी विशेष टीईटी आयोजित किए जाने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि प्रदेश में हजारों ऐसे शिक्षक कार्यरत हैं, जिनकी नियुक्ति उस समय लागू भर्ती नियमों और शैक्षणिक योग्यताओं के आधार पर हुई थी। वर्तमान पात्रता शर्तों के कारण दसवीं के आधार पर नियुक्त शिक्षक, 10+2 में 50 प्रतिशत अंक की शर्त पूरी न करने वाले तथा स्पेशल ट्रेनिंग सर्टिफिकेट के आधार पर नियुक्त कई शिक्षक टीईटी के लिए आवेदन तक नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे शिक्षकों को नियुक्ति के समय लागू नियमों के अनुसार परीक्षा में बैठने का अवसर दिया जाना चाहिए।

मोर्चा ने यह भी मांग की कि जेबीटी, टीजीटी, शास्त्री, अध्यापक और अन्य श्रेणियों के लिए टीईटी का स्तर उनके वर्तमान शिक्षण कार्य के अनुरूप रखा जाए। साथ ही वर्ष में कम से कम तीन बार विशेष टीईटी आयोजित करने तथा वरिष्ठ शिक्षकों के लिए परीक्षा को सरल और व्यावहारिक बनाने की व्यवस्था की जाए। स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव अंकुश शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ज्ञापन में उठाए गए सभी बिंदुओं पर नियमानुसार गंभीरता से विचार किया जाएगा। मोर्चा अध्यक्ष नरेश ने उम्मीद जताई कि बोर्ड सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय और एनसीटीई की सिफारिशों के अनुरूप जल्द सकारात्मक निर्णय लेगा।

स्कीइंग की महान खिलाड़ी लिंडसे वॉन

लिंडसे वॉन अमेरिका की महान अल्पाइन स्कीयर हैं। उन्होंने शीतकालीन ओलंपिक में एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीते हैं। विश्व कप प्रतियोगिताओं में कई खिताब जीतकर उन्होंने स्कीइंग जगत में अपनी अलग पहचान बनाई। चोटों के बावजूद उनकी वापसी और संघर्ष उन्हें प्रेरणादायक खिलाड़ियों में शामिल करता है।

बीसीसीआई ने कठिन किया फिटनेस टेस्ट

10 मिनट में 2 किमी दौड़ना जरूरी, 5.20 मिनट में पूरी करनी होगी 1200 मीटर की दौड़

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट पास करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक क्ष्ष्ट्ठ ने ब्रोंको टेस्ट का बेस टाइम 6 मिनट से घटाकर 5 मिनट 15 सेकंड से 5 मिनट 20 सेकेंड कर दिया है। अब खिलाड़ियों को 1200 मीटर की दौड़ इस तय समय के भीतर पूरी करनी होगी।

साथ ही 2 किलोमीटर दौड़ (2किमी टेस्ट) के लिए 9 से 10 मिनट की समय सीमा तय की गई है। पहले क्रिकेटरों की फिटनेस के लिए यो-यो टेस्ट होता था, लेकिन अब उसकी जगह ब्रोंको टेस्ट को प्राथमिक फिटनेस टेस्ट बना दिया गया है।

बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने खिलाड़ियों में लगातार बढ़ती इंजरी और गिरते फिटनेस स्टैंडर्ड को देखते हुए यह बदलाव किया है। बीसीसीआई ने टीम मैनेजमेंट और मेडिकल टीम के बीच बेहतर तालमेल के लिए नए बेस पैरामीटर्स (न्यूनतम मापदंड) भी तय किए हैं।

अनफिट हर्षित-नीतीश को मिली थी क्लियरेंस

बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक, पिछले एक साल में फिटनेस टेस्ट के मानकों का सख्ती से पालन नहीं किया गया। कुछ सीनियर खिलाड़ियों को पास कराने के लिए अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य दिए गए। टीम मैनेजमेंट की मांग पर सीओई स्टाफ ने हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद क्लियरेंस दे दी थी। इंग्लैंड दौरे के दौरान हर्षित राणा को वापस भेजा गया था। तब दावा किया गया था कि उनका वजन तय सीमा से ज्यादा है। टीम मैनेजमेंट के अनुसार उनका वजन 97 किलो था। अब सीओई ने उनका वजन 96 किलो से कम रखने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल उनका वजन 94 किलो है और अगले हफ्ते तक उन्हें फिट घोषित किया जा सकता है।

श्रीलंका टेस्ट से पहले वार्म-अप मैच खेलेगी टीम इंडिया

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रीलंका दौरे पर गई भारतीय टीम शुक्रवार से कोलंबो में तीन दिवसीय वार्म-अप मैच खेलेगी। मुकाबला नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब मैदान पर श्रीलंका इलेवन के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारियों का अहम हिस्सा होगा। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों का सबसे बड़ा फोकस स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तकनीक को और मजबूत करना रहेगा।

श्रीलंका इलेवन से होगी भिड़ंत स्पिन के खिलाफ होगी परख

श्रीलंका टीम के पास मजबूत स्पिन डिपार्टमेंट

हाल के महीनों में भारत को घरेलू टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्पिन के सामने संघर्ष करना पड़ा था। श्रीलंका की परिस्थितियां भी स्पिन गेंदबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती हैं और मेजबान टीम के पास घरेलू हालात का फायदा उठाने वाले अनुभवी स्पिनर मौजूद हैं। ऐसे में पहले टेस्ट से पहले यह अभ्यास मैच भारतीय बल्लेबाजों के लिए खुद को परखने और कमजोरियों पर काम करने का अच्छा मौका होगा। कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल समेत टीम के प्रमुख बल्लेबाजों ने कोलंबो रवाना होने से पहले अपने-अपने घरेलू सेंटर पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ विशेष अभ्यास किया था। हालांकि, श्रीलंका इलेवन की टीम का ऐलान अभी तक नहीं हुआ है।

बांग्लादेश में क्रिकेटर शाकिब के घर पर हमला

एजेंसी, ढाका। बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के मगुरा शहर में बने घर पर हमला हुआ है। यह घटना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाकिब के शामिल होने के कुछ घंटों बाद हुई। शाकिब के घर पर हमला रात 8.45 से 9 बजे के बीच हुआ। मगुरा सदर पुलिस ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थर फेंके और खिड़कियां तोड़ दीं। हमलावरों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। शाकिब इस वक्त श्रीलंका में हैं। घटना के बाद पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार शाम करीब 6.45 बजे को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे। हालांकि शाकिब ने इस दौरान भाषण नहीं दिया।

न्यूज ब्रीफ

श्रेयांशी को हराकर कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं तन्वी शर्मा

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत की 17 साल की बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा का शानदार फॉर्म जारी है। पिछले हफ्ते ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली तन्वी ने अब कोरिया मास्टर्स 2026 के महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आसान में खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने हमवतन श्रेयांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया। दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले की शुरुआत में श्रेयांशी ने बढ़त बनाई, लेकिन तन्वी ने जल्द ही वापसी करते हुए मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। दमदार मूवमेंट और आक्रामक स्ट्रोक्स के दम पर उन्होंने पहला गेम 21-16 से जीत लिया। निर्णायक गेम में तन्वी पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाई और श्रेयांशी को वापसी का मौका नहीं दिया। वर्ल्ड रैंकिंग में 30वें नंबर की तन्वी ने तीसरा गेम 21-13 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

15 अगस्त को मैदान में उतरते ही हमारे पास होगा हर सवाल का जवाब: गंभीर

एजेंसी, कोलंबो। भारतीय टीम का हाल के वर्षों में घरेलू मैदान पर टेस्ट में प्रदर्शन निराशाजनक रहा है लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर को उम्मीद है कि 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए उनकी टीम पूरी तरह तैयार रहने के साथ हर चुनौती का जवाब देने में सक्षम रहेगी। अभ्यास सत्र से पहले खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए गंभीर ने टीम में शामिल हुए नए खिलाड़ियों स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला सारांश जैन और तेज गेंदबाज आकिब नबी का भी स्वागत किया। सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए वीडियो में गंभीर ने कहा, 'हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या चुनौती है और हम किस लक्ष्य के लिए खेल रहे हैं। हम कड़ी मेहनत कर सकते हैं, अपनी क्षमता को आगे बढ़ा सकते हैं और हर तैयारी पूरी कर सकते हैं।' उन्होंने आगे कहा, '15 अगस्त की सुबह जब मैच शुरू होगा, चाहे हम पहले बल्लेबाजी करें या गेंदबाजी हमें हर सवाल का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार रहना है। इसलिए अभी से अपनी तैयारियों में कोई कमी नहीं छोड़नी है।'

खाइदेम चानू जूनियर एशिया कप में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान

एजेंसी, नई दिल्ली। मिडफील्डर खाइदेम शैलेमा चानू चीन के मोकी में 30 अगस्त से 13 सितंबर तक होने वाले जूनियर एशिया कप में भारत की 18 सदस्यीय जूनियर महिला टीम की कप्तानी करेंगी। टूर्नामेंट की तैयारी के लिये भारतीय टीम हाल ही में ब्रिटेन के दौरे से लौटी है। एशिया कप में मैचों का कार्यक्रम और पूल की जानकारी टूर्नामेंट शुरू होने के आसपास दी जाएगी। मुख्य कोच टिम व्हाइट ने कहा, 'इन युवा खिलाड़ियों ने टीम में जगह बनाने के लिये जो प्रतिबद्धता और दृढता दिखाई है, मुझे उस पर गर्व है । पिछले कुछ महीने में उन्होंने लगातार काम किया है और खेल के हर पहलू में सुधार किया है।' टीम में गोलकीपर के रूप में निधि, एंजिल हर्षा रानी मिंज। डिफेंडर : पूजा साहू, सुप्रिया, पूजा मलिक, पार्वती टोप्नो और मधु। मिडफील्डर : खाइदेम शैलेमा चानू (कप्तान), तनुजा टोप्पो, बिनिमा धन, रोशनी इंद , गीता यादव। फॉरवर्ड : लालरिंपुइ, पूर्णिमा यादव, सुखवीर कौर, कृष्णा शर्मा, सानिका माने, मधु सिदार और रिजर्व में एफ लालबियाक्सियामी, तनुश्री कादु शामिल हैं।

जोस बटलर टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

एजेंसी, लंदन। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान कीरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ दिया। बटलर के नाम अब 522 टी-20 मैचों में 14,833 रन हैं, जबकि पोलार्ड ने 746 मैचों में 14,803 रन बनाए हैं। बटलर ने यह उपलब्धि द हंड्रेड लीग में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए वेल्श फायर के खिलाफ हासिल की। उन्होंने 20 गेंदों में 51 रन की तेज पारी खेलकर पोलार्ड को पीछे छोड़ दिया। रिकॉर्ड बनाने के बाद बटलर का एक बयान भी चर्चा में रहा। उन्होंने कहा कि भारत के 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भविष्य में यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। मैच के बाद स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में 34 साल के बटलर ने कहा, टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बनना शानदार एहसास है। लेकिन एक दिन कोई न कोई यह रिकॉर्ड जरूर तोड़ेगा। मुझे लगता है कि वह खिलाड़ी शायद भारत का वैभव सूर्यवंशी हो सकता है।' हाल ही में भारत के पूर्व बल्लेबाज रोबिन उथप्पा ने भी वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की थी।

वर्ल्ड एथलेटिक्स 20 चैंपियनशिप में 3 भारतीयों ने फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, यूजीन

अमेरिका के यूजीन में चल रही वर्ल्ड एथलेटिक्स 20 चैंपियनशिप के पहले दिन भारत के तीन खिलाड़ियों ने अपने-अपने इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है। पुरुषों के जेवलिन थ्रो में आशीष यादव और टी. धरणीधरन ने क्वालीफाई किया, जबकि महिलाओं के डिस्कस थ्रो में अमानत कंबोज ने सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया।

जेवलिन थ्रो में आशीष व धरणीधरन ने किया कमाल

19 साल के आशीष यादव ने पुरुषों के जेवलिन थ्रो के ग्रुप-ए क्वालीफिकेशन में 69.87 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, ओवरऑल रैंकिंग में वे साउथ अफ्रीका के जन-हेन्ड्रिक हेमंस (76.02 मीटर) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। आशीष का करियर और सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 74.49 मीटर है। इस इवेंट में ऑटोमेटिक क्वालीफिकेशन मार्क 72.50 मीटर था, जिसे केवल हेमंस ही पार कर सके। भारत के दूसरे जेवलिन थ्रोअर टी धरणीधरन ने 68.07 मीटर के थ्रो के साथ ग्रुप-बी में पांचवां स्थान हासिल किया। ओवरऑल वे 12वें और अंतिम क्वालीफाइंग स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे।

डिस्कस थ्रो में अमानत का सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

महिलाओं के डिस्कस थ्रो में अमानत कंबोज ने ग्रुप-ए में 52.58 मीटर का थ्रो किया, जो इस सीजन का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वे ग्रुप में छठे और ओवरऑल 12वें स्थान पर रहीं। इसके साथ ही उन्होंने अंतिम क्वालीफाइंग स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। चीन की सू यिशिन 58.06 मीटर के थ्रो के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहीं। इस इवेंट का ऑटोमेटिक क्वालीफिकेशन मार्क 55 मीटर था।

अरुणाचल में अक्तूबर माह में होगी एशियाई राफ्टिंग चैंपियनशिप

एजेंसी, इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले के बोलेंग में अक्टूबर 2026 में एशियाई राफ्टिंग चैंपियनशिप आयोजित होगा जिसे राज्य के साहसिक खेलों और वैश्विक पर्यटन की पहचान को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू और पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री ओजिंग तासिंग (बोलेंग के विधायक भी हैं) ने आगामी प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा के लिए खेल प्रशासन से जुड़े प्रमुख अधिकारियों के साथ अलग-अलग उच्चस्तरीय बैठकें कीं। यह प्रतियोगिता पांच से नौ अक्टूबर के बीच आयोजित की जाएगी। खांडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' यह आयोजन अरुणाचल प्रदेश की मनमोहक नदियों, प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक खेलों की संभावनाओं और स्थानीय आतिथ्य को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का बेहतरीन अवसर है।' पांच दिन तक चलने वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में एशिया के शीर्ष राफ्टिंग खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

मेस्सी के दो गोल से इंटर मियामी ने एटलेटिको सान लुईस को हराया

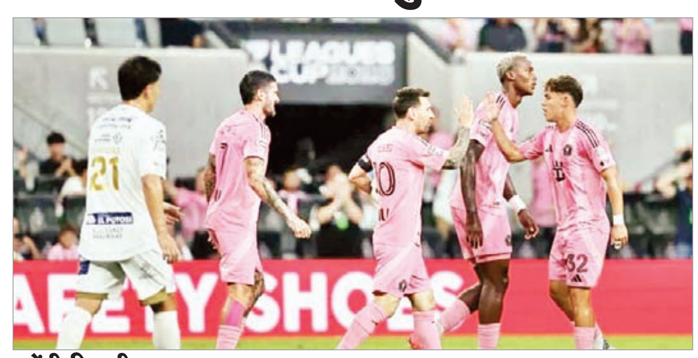

एजेंसी, मियामी

लियोनेल मेस्सी ने विश्व कप के बाद पहले दो गोल किए, जिसकी मदद से इंटर मियामी ने लीग्स कप में एटलेटिको सान लुईस को 4-2 से हराया। बिजली कड़कने और बारिश के कारण दूसरे हाफ में मैच 30 मिनट के लिये रोकना पड़ा।

मेस्सी ने 11वें और 44वें मिनट में गोल किए। उनके अब लीग्स कप में 12 मैचों में 14 गोल हो गए हैं। टेलास्को सेगोविया और डिफेंडर माइकल ने भी गोल दागे। विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले मेस्सी अर्जेंटीना को फाइनल तक ले गए थे लेकिन स्पेन ने 1-0 से हराकर लगातार दूसरा खिताब जीतने का उनका सपना तोड़ दिया।

मेस्सी का विश्व कप के बाद यह दूसरा मैच था। 39 बरस के मेस्सी शनिवार को कोलंबस क्रू के खिलाफ ड्रॉ रहे मैच में 37 मिनट स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर खेले थे। वह मैच 2-2 से ड्रॉ रहा था जिसमें मेस्सी गोल नहीं कर सके थे।

सेंसेक्स 374 अंक चढ़कर 78,955 पर पहुंचा, निफ्टी में भी मामूली बढ़त

बैंकिंग शेयरों में जबरदस्त खरीदारी, रियल्टी शेयरों में दिखी गिरावट

एजेंसी, मुंबई

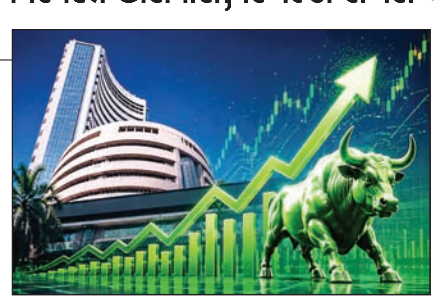

शेयर बाजार में 6 अगस्त को तेजी रही। सेंसेक्स 374 अंक चढ़कर 78,955 पर बंद हुआ। निफ्टी में 11 अंकों की बढ़त रही, यह 24,636 पर आ गया है। वीरवार के कारोबार में बैंकिंग शेयरों में खरीदारी और रियल्टी शेयरों में गिरावट रही। रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी जूनिपर ग्रीन एनर्जी का शेयर एनएसई पर 245 और बीएसई पर 242 रुपए के भाव पर लिस्ट हुआ है। ये इसके 225 रुपए के इश्यू प्राइस से करीब 9% ज्यादा है। आईपीओ बोली लगाने के लिए 30 जुलाई से 3 अगस्त 2026 तक खुला था। इसके लिए प्राइस बैंड 214 से 225 रुपए प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया था। विशेषज्ञों के अनुसार, सोमवार से शेयर बाजार में उन कंपनियों के लिए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन लागू किया गया है, जिनके शेयरों में फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस का कारोबार होता है।

अमेरिका के पास हथियारों का बड़ा जखीरा : ट्रंप

कहा-नए हथियार भी बन रहे, सीक्रेट लीक करने वालों को होगी लंबी जेल

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका के पास हथियारों का बड़ा जखीरा मौजूद है और जरूरत के मुताबिक नए हथियार भी तेजी से तैयार किए जा रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी रक्षा कंपनियां इतिहास में सबसे ज्यादा नए प्लांट और फैक्ट्रियां बना रही हैं।

ट्रंप ने सेना से जुड़ी सीक्रेट जानकारियां लीक करने वालों को भी कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान की जा रही है। उन्हें लंबी जेल की सजा दी जाएगी।

हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि वह किस सीक्रेट जानकारी लीक का जिक्र कर रहे हैं। दरअसल, कुछ अखबारों में मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से दावा किया गया है कि अमेरिकी सेना के पास हथियार तेजी से खत्म होते जा रहे हैं। इनमें लंबी दूरी की मिसाइलें शामिल हैं।

ईरानी सेना बोली- हम हर खतरे से निपटने को तैयार

तेहरान। ईरानी सेना ने कहा है कि वह किसी भी संभावित खतरे का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल अमीर अकरामिनिया ने कहा कि सेना लगातार अपनी ऑपरेशनल क्षमता बढ़ाने पर काम कर रही है। इसके लिए क्षतिग्रस्त सिस्टम को आधुनिक बनाया जा रहा है और घरेलू तकनीक के आधार पर नए सैन्य उपकरण शामिल किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई सैन्य सामग्री मिलने के साथ ही सेना अपने हथियारों और उपकरणों की तैनाती भी जरूरत के मुताबिक बदल रही है, ताकि किसी भी चुनौती का तुरंत जवाब दिया जा सके।

सोना 2,735 रुपए बढ़कर 1 .48 लाख पर पहुंचा, चांदी भी चमकी

एजेंसी, नई दिल्ली

सोने-चांदी की कीमत में 6 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,735 रुपए बढ़कर 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी की कीमत 931 रुपए बढ़कर 2.25 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 6 दिन में ही सोना 5,501 और चांदी 7,198 रुपए महंगी हो चुकी है। डॉलर के कमजोर पड़ने से डॉलर में कीमत वाली सोना-चांदी विदेशी खरीदारों के लिए सस्ती हो जाती है, जिससे मांग बढ़ती है। इससे भी सोने-चांदी को सपोर्ट मिल रहा है।

ऑलटाइम हाई से काफी नीचे आए सोना-चांदी: 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई पहुंच गए थे। तक से इनकी कीमत काफी नीचे आ चुके हैं, ऐसे में निवेशक इसमें खरीदारी कर रहे हैं।

माफिया अतीक अहमद के बेटे अबान की सड़क हादसे में मौत

एजेंसी, झांसी। माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान (21) की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह वीरवार सुबह 5 बजे प्रयागराज से झांसी जेल में बंद बड़े भाई अली से मिलने जा रहा था। क्रेटा कार में अबान के साथ उसके 4 दोस्त थे। झांसी से 70 किमी पहले सुबह 10.30 बजे पूंछ थाना इलाके में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार 7 फीट हवा में उछल गई। 40 फीट तक कार के टुकड़े हाईवे पर बिखर गए। अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। अबान समेत सभी 5 लोग अंदर फंस गए। चीख-पुकार मच गई। पुलिस और राहगीरों ने जैसे-तैसे दरवाजा तोड़कर सभी को बाहर निकाला। आगे की सीट पर बैठे अबान और उसके दोस्त सोनू की मौके पर मौत हो गई। जबकि बाकी 3 घायल उमर अहमद, मोहम्मद जैद और असलम को मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, मरने से पहले अबान के आखिरी शब्द थे- मुझे बचा लो...।

श्रीलंका दौरे पर यशस्वी जायसवाल को आई रोहित शर्मा की याद, साझा किया भावुक पोस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने श्रीलंका दौरे के दौरान पूर्व टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा किया है। टीम इंडिया इस समय श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला की तैयारियों में जुटी है। श्रृंखला से पहले भारतीय टीम कोलंबो में तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी, जिसके लिए खिलाड़ी नेट्स में जमकर अभ्यास कर रहे हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान यशस्वी जायसवाल ने अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। इस पोस्ट में उन्होंने रोहित शर्मा को याद करते हुए भावनात्मक संदेश लिखा, जिसने क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। रोहित और जायसवाल की जोड़ी ने टेस्ट

क्रिकेट में भारत को कई मजबूत शुरुआत दिलाई थी और दोनों के बीच मैदान पर शानदार तालमेल देखने को मिलता था।

रोहित शर्मा अक्सर स्लिप या शॉर्ट लेग जैसे नजदीकी फील्डिंग स्थानों पर जायसवाल के साथ नजर आते थे। मैच के दौरान युवा खिलाड़ी को लगातार सलाह देना, गलतियों पर टोकना और अच्छे प्रदर्शन पर उत्साहित करना उनकी शैली का हिस्सा रहा है।

खंडन नागरिक उड्डयन मंत्री ने केजरीवाल के दावे को बताया गलत

जेट फ्यूल में एथेनॉल मिलाने का कोई प्लान नहीं: केंद्र

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने स्पष्ट किया कि एविएशन टरबाइन फ्यूल में एथेनॉल मिलाने की सरकार की कोई योजना या प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि विमान सुरक्षा को लेकर इस तरह की गलत जानकारी या अफवाहें फैलाने से हवाई यात्रियों में बेवजह डर और चिंता पैदा होती है। नायडू का यह बयान दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर विमान के ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना बनाने का आरोप लगाया था। उड्डयन मंत्री ने साफ किया कि हवाई यात्रियों की सुरक्षा

सरकार की पहली प्राथमिकता है और सुरक्षा मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। नायडू ने एक्स पर लिखा कि सरकार का एटीएफ में एथेनॉल मिलाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। यह दावा पूरी तरह से झूठा और गैर-जिम्मेदाराना है।

आखिर केजरीवाल ने क्या दावा किया था?

दरअसल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की थी। उन्होंने लिखा था कि सूत्रों से संकेत मिला है कि मोदी सरकार ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना बना रही है। जानकारों का कहना है कि इससे उड़ानों की सुरक्षा से गंभीर समझौता हो सकता है।

15 अगस्त से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने आईएसआई की बड़ी साजिश नाकाम, 12 संदिग्ध गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक कथित आतंकी नेटवर्क का बड़ा भंडाफोड़ करने का दावा किया है। पिछले एक सप्ताह के दौरान पंजाब, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से जुड़े अलग-अलग अभियानों में कुल 12 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रारंभिक जांच के आधार पर एजेंसियों का कहना है कि इन मॉड्यूल का उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देना था। जांच एजेंसियों के अनुसार, इस नेटवर्क का संचालन पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों और कथित आतंकी शहजाद भट्टी से जुड़े तंत्र के माध्यम से किया जा रहा था। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि दिल्ली, अमृतसर, तरनतारन और पश्चिम बंगाल के वर्धमान संभावित निशाने पर थे।

इन स्थानों की कथित तौर पर रेकी कराई जा रही थी और गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्धों से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं। जांच में ड्रोन के जरिए हथियार और विस्फोटक सामग्री की आपूर्ति, हनी ट्रैप के माध्यम से गोपनीय सूचनाएं जुटाने तथा संवेदनशील स्थानों की रेकी जैसी साजिशों के संकेत मिले हैं।